

आम्रस्थानि

6977

राष्ट्रवादी मंडल

श्रीगणेशायनमः॥ श्रीसारदानमः॥

नारायणान्नस्तु तन्नरं चैव नरोत्तमम्॥
त्र॥१॥ प्रथमं श्रीस्वस्थानीपरमेश्व
नायये॥ गंगाजलनस्नानयातके श्री
जजमकाधूपदीपनैवेद्यफलमूल
णा॥ तामूलआदिअनेग॥ सामाग्रः
काव श्रीस्वस्थानीपरमेश्वरयात
पद्यानयाये॥ थोतेधुनकागुरुयावा
लिधर्मव्रतदनेजुकसेनमस्तुष्टि

ॐ नमः शिवाय॥ ॐ नमः श्रीस्वस्थान्यै॥

देवीसरस्वतीचैव ततो जयमुदीरये
रधकरुस्करनमः ॐ कारवोस्परयाप
खड्गरक्तचंदननानासुगंध॥ स्नानः
पक्वानकर्पूरकस्तुरि वस्त्ररक्ष
मालको॥ थमनफयाथेताललात
षोडशउच्चारणय जायाय फकोज
केनवाखनआरंभयातके॥ थनः
जुया॥ ईश्वरयाकेमनतया भा

थो वेलस

श्रीब्रह्माणयोगध्यानयानाविज्यात थनंलिथो मयजुयावचोनगुलंखस थोमधुकेरमध
यानामदेत्यपानवोनेयात थासमदयागनगन गथ्यश्चोनधकआश्रममालावजुल ६
क्तिश्रद्धानसंयुक्तयाना ॥ द कोइन्द्रियविना ये कविनयाना ॥ श्रीस्वस्थानीपरमेश्वरया
वाषनडेनेयातपुरेहितनिपूजायाये ॥ श्रद्धाभावडथेदक्षणाविये वस्त्रदानयाये ॥
थुलिधुनकासिगुह्यावाकोनवाषनडेने हेअगस्त्यमुनिरकविनयानाडधक ॥ श्रीः
कुमारनआग्यादयकाविज्यात ॥ ॥ झापांआदियाखदुगु कालस ॥ जलामयजुया चोनगु
लंखस ॥ श्रीविष्णुविज्यानाव ॥ श्री ३महाविष्णुयानाभिसंगलन १००० दोलदिहलः
दया चोनगुपलेखानया मुलेस ॥ श्रीब्रह्माविज्यानासंसारश्रद्धियायेतविचालःयाना
विज्यात ॥ थनंलिथो वृद्धाण जलसां ॥ थवद्वसपतयापुर्पितकयाथिकल उयकावः
द्वेत ॥ थनंलिथो द्वापतयापुयिंनजुलसां महाविरपण क्रमथुला चोनह ॥ मधुके
रमधयानामदेत्यडत्यतिजुयाववल ॥ थोवेलसदोलदिहलदयाचोनगुपलिस्थानया

खनी
२

बुद्धं प्रलुप्तं ॥ थो वेत्तस्य पलेत्ता नया बुजो नावथा हाविज्या तं ॥ थ नं लि व स्मा न जुल सां योगना
वोनख नाव ॥ थो दैत्य पिनि ह्र सेन श्रीव स्मा या तसा सिया ना ॥ कति कल द्ये य ते न थो वेत्तस्य
हाग्पा ॥ योगमाया या न आराध नाया नाविज्या तं ॥ थो वेत्तस्य योगमाया जाग र्त्तना जुया व ॥ श्रीवि
ष्णु आराध नाया त ॥ थो वेत्तस्य श्रीमहाविष्णु हता र्सन विज्या नाव वोन वेत्तस ॥ श्रीव स्मा या त
मधु कैटभ नाम दैत्यपनि सेन ॥ नानाप्र कार णा सा सिया ना वोन गुष नाव अत्यंत क्रोध या
ना ॥ थो दैत्यपनी स वना पलं ख या दे वने युद्ध या नाव ॥ वो वो रघु यनि दोल स म्म म हा अघोर यु
द्ध या नाव वोन ॥ थो वेत्तस्य मधु कैटभ नाम दैत्यपनि पराक्रम घना ॥ श्रीमहाविष्णु अतिषु सिजु
या आग्पादय कल ॥ भो मधु कैटभ दू पनि महापराक्रमी ष व दू पनि ष ना जिषु सिजु मधुन
आव दू प नि स वर दान विये ॥ दू दू फो ने ते ना फो ध कः आग्पादय कल ॥ थो ते महाविष्णुः

रामः
२

वती श्रष्टियातं ॥ ह वायव्य कोशानगश्चावती ॥ हनं उत्तरदिशा स अत्र कायूरि श्रष्टियातं हनं ईशान
कोनसज्जसावति श्रष्टियातं ॥ थलि भुवन श्रष्टियाय धुनकाव ॥ हनं स्थावर जंगम श्रष्टियातं ॥ थनं प्रा
शिपनि श्रष्टियाय धक भालपाव ॥ ॥ शपां करप पञ्च विप्र भृतिशतदि स्मृकषिपनि ॥ मतिन
भालपा मात्रनं उत्पत्ति जुया व वल ॥ हे अगस्त्य मुनि धक धाव गु व वन दे नाव पुनरवार
विनतियातं ॥ भो स्कंद कुमार छल पौलया व वन ने ना व जिमन स अति हर्ष मान जुल ॥ आव
हन कनं दे व लोकपनि गथ दत्त ॥ भया विस्तार इने गु जिमन स अति इष्ट जुल धक विनतिया
क गु व वन ने ना व ॥ स्कंद कुमार न आग्ना दय कल हे अगस्त्य मुनि ॥ थनं लिगथे जुल धाल सा पुन
वीर व तु मुख वृ ह्मान ॥ थ व ज व या तु तिपालि न द क्ष प्र जायति धा या नाम पुरुष छ स उत्तियात
हनं ष व या तु तिपालि न वीर नि धा या नाम ॥ स्त्री छ स उत्तियात ॥ धे वे ल स काला न्तर स थो पनिः

स्वर्ग

५

नि सुखी पुष्ययात्र ॥ वीरनी याग भस दया वपिला पुला किला दया व कन्यापनि जात जुल ॥ गुलि
कन्या जात जुल धालसा ॥ इसल सु कन्यापनि जात जुया वत वधि कल जुया व वल ॥ ह नंद क्ष प्रजा
पति नमन स भाल प्र आ वथे कन्यापनि सुयात दा विय अषि पनि सुपनि विय माल ध क भाल पा वः
विरनी वना प सा इतिया ना वमाल को माल को सामा गी ताल लात का व ॥ कश्यप अषि वोन कल छे
या व ॥ पुरे हित नय स यात का व द क्ष प्रजा पति न ॥ थ व पुतिया ला हात जो ना वीरणी न लष धाला
हाय का व गुरु न वा का यात का व कश्यप अषियात कन्या दान विल ॥ सु सु यात कन्या दान विल धा
सा अदिति ॥ १ ॥ दिति ॥ २ ॥ दनु ॥ ३ ॥ कारा ॥ ४ ॥ देना ॥ ५ ॥ सिंह का ॥ ६ ॥ जोधा ॥ ७ ॥ प्राधा ॥ ८ ॥ बलि भा ॥ ९ ॥ विनता
॥ १० ॥ कपिला ॥ ११ ॥ कुड ॥ १२ ॥ मुंद जा ॥ १३ ॥ थु लि कन्यापनि कश्यप अषियात कन्या दान विया व ॥ थोपनि
स्केन संतान दया व वल ॥ अदितिया केन हिरण्य कश्यप पु भति अषि देव ज न जुल ॥ ह न कने दितिया के

रामः

५

इंड प्रभृ तीते तीस्कोटि देवतापनि जन्म जुल ॥ हनंद नृया केन दानवपनि जन्म जुल ॥ कारा देनाया केनः
गंधर्व किन्नरपनि जन्म जुल ॥ हनं सिंह काया के तु जन्म जुल ॥ हनं क्रोधाया केन क्रोध मरणपनि
जन्म जुल ॥ हनं प्राधाया के नरं भा. तिलो तमा. उर्वसी पु भृति अप सरापनि जन्म जुल ॥ हनं मनुष्या केन
ब्रह्मण वैश्य भुडपनि जन्म जुल ॥ विनंताया केन अरुण वरुण. गरुड मयूर. कोकिल चक्रात पु भृती
पक्षि दक्षो जन्म जुल म ॥ हनं कपिलाया केन सिंह धूसल कि सि गयदा. कला भालु ॥ घरा हाउ गुफै मे
स आदि पभु पो जन स कलें जन्म जुल ॥ हनं कंडु धया स्याया केन ॥ शेष नाग अनंत वासुंकि. महाप
प्रकलिके कर्कोट कतशेक शंखपाल आदि नाग नागिनीपनि जन्म जुल ॥ हे अगस्त्य मुनि थुगुप
कारा देव लो क अधिलो क ॥ नाग लो क ॥ यक्ष गंधर्व किन्नर देत्य दानव अप सरा म नुष्य प भुपः
क्षि स कलें जन्म जुल ॥ थोपनि स्र आहाला वियनि मि तिन नाना प्रकार या अनविदि. स्काः

खनी
६

वाहामोतदो॥ मासम्यातकयगकोलइकापलका॥ आदिव नुष्षष्टिविहिसकतांष्टष्टियात॥ हे
अगस्त्यमुनिदूनतसंछेपजककना॥ मेवगुपुराणडेनेवविस्तारसकतांसियुथका॥ थनंलिहून
कनंदक्षपुजापतिनचडमावोनलदोयावमालकोसामाग्रीताल्लातकाव॥ प्ररोहितनवाका
यातकावचडमायातकन्यदानविल॥ ॥ सुसुधातसा॥ अशुनि॥ १॥ भरुनि॥ २॥ कृतिका॥ ३॥ राही
नि॥ ४॥ मृगशिरा॥ ५॥ आद्रा॥ ६॥ पुनर्वसु॥ ७॥ तिष्यो॥ ८॥ अश्लेषा॥ ९॥ मघा॥ १०॥ पूर्वफाल्गुनि॥ ११॥
उवफाल्गुनी॥ १२॥ हस्ता॥ १३॥ चित्रा॥ १४॥ स्वाति॥ १५॥ विशाखा॥ १६॥ अनुराधा॥ १७॥ ज्येष्ठा॥ १८॥ मूलः
॥ १९॥ पूर्वाषाढा॥ २०॥ उत्तराषाढा॥ २१॥ श्रवणा॥ २२॥ धनेष्ठा॥ २३॥ शतभीषा॥ २४॥ पूर्वभाद्र॥ २५॥ उ
तरभाद्र॥ २६॥ श्रेवती॥ २७॥ धोतेनियरुससकन्यापनि॥ जोनावचडमाजुलसंलिहावनावपरमआने
दनवोनं॥ धकआग्यादयकुडनापुनर्वारअगस्त्यमुनिनविनातियातं॥ हेस्कंदकुमारथनंलिथो

रामः
६

ब्रह्मारा॥ भृष्टिया कगुभुवनसदे वलो कपनिगधे वो नवन॥ थवथाथ मने वनला अथवासुनाः
नदे तला॥ थोयाविस्तार कनेमालध कथागुववननेना स्कंद कुमारन आग्यादयकर भोजग
स्पमुनिआवद्धनतदिगुपालजुगुख कने॥ ॥ क्रायांकैलाश भुवनसजा श्रीमहादेव वोनखवला
हनं वै कृष्णसविष्टु वोन॥ सत्य भुवनस ब्रह्मवोन॥ उमा भुवनस पार्वतिवोन॥ स्कंद भुवनस जिद्वो
ना॥ धूम भुवनस धूम्र अषिचौन नैअत्य भुवनस निह्न अषिचौन॥ थुलि भुवनस चोन पिंज
ल रुनदिग्यालपिं वोन गुद्धनत कने॥ गुह्य करपअषिया काय इन्द्र हिमालय पर्वत सवना
वता कालं कक्षिया तपस्यायात॥ थोवेत्तस श्रीमहादेव षुसि जुया॥ पूर्वदिग्यादिगपालजुः
यमाल॥ आमरावतियो अधिपतिद्धनत जुलध कवेदानवियाछात॥ हनकनं द्रुवनाथथे

स्वनी
७

हेतपस्यायानावोनमः थोवेत्ससश्रीमहादेवसंतोषजुयाव॥ अग्निधकनामपुर्यान्तयानाव॥ अ
ग्नि कोरायादिग्यालजुयमाल॥ रुधावतिभुवनया अधिपतिद्धनतजुलधकवरदानविल॥ हन
द्धसुत्रनावथथे हेतपस्यायानावोन॥ थोवेत्ससश्रीमहादेवसंतोषजुयाव यमराजधकनाम
प्रयांतयानाव दक्षिणादिशायादिग्यालजुयमाल॥ यमपुरिया अधिपतिद्धनतजुलधकवरदाः
नविल हनद्धसुत्रनावथथे हेतपस्यायानावोन थोवेत्ससश्रीमहादेवसंतोषजुयाव नैऋत्यधक
नामयांतयानाः नैऋत्य कोरायादिग्यालजुयमाल॥ रुधावतिभुवनया अधिपतिद्धनतजुलधः
कवरदानविल हनकनद्धसुत्रनावथथे हेतपस्यायानावोन॥ थोवेत्ससश्रीमहादेवसं
तोषजुया॥ वरुणाधकनामपुर्यान्तयानापश्चिमदिशायादिग्यालजुयमाल अद्वावतिप्रया

राम
७

अधिपति छनत जुलध क वरदानविल ॥ हनंछ सु वना वथ थै हेतपस्यायाना वचोन ॥ थो
वेल्स श्रीमहादेव संतोष जुया ॥ वरदान का वध क आग्या दय क मुखने ना विनतिया तं ॥ भो
स्वामि जिपनि जुलडन पे वास वा युपनि थ का ॥ आव जिपनि पिय ग सु नंछ सु जुय फयमा ह
नं जिमिरूप सु नानं मख ने माश ह मात्र जुया व अति वल् वान जुयमा ध क विनतिया कषना
श्रीमहादेवन तथा सुध क वायु नाम प्रयां तया ना ॥ वायु वा कोरा यादि ग्याल जुयमाल ॥ गा
वति भुवन या अधिपति छनत जुलध क वरदानविल ॥ हनंछ सु वना वथ थै हेतपस्याया
ना वचोन थो वेल्स श्रीमहादेव संतोष जुया ॥ कु वेल्ध क नाम प्रयां तया ना व उत्तर दिशा यादि
ग पाल जुयमाल ॥ अल् का प्रया अधिपति छनत जुलध क वरदानविल ॥ थनंलि हनंछ सु
वना थ थै हेतपस्यायाना वचोन ॥ थनंलि श्रीमहादेव संतोष जुया व ॥ विश्व कर्म धिक नाम प्र

स्वनी
८

ष्ठां तया नात्र ॥ ईशान दिशा यादिगपालजु याव नो नेमा ल ॥ य सो वति भुवन या अधिपति छ न तजु
लध कवर दा विया व छे त ॥ ॥ इति श्री स्कंद पुराणे माधवा साहाय्ये केदार खण्डे कुमार अगस्त्य
सेवा देसती देवी उत्पत्ति नाम श्री स्वस्थानी परमेश्वर्योक्त्या प्रथमोऽध्यायः ॥ ॥ ॥ य नैति
हन कने स्कंद कुमार न आग्या दय क ल ॥ भो अगस्त्य मुनि आवहन कन सति देवि उत्पत्ती जुः
गुष कने एक विजया ना बड गथ्य धाल सा ॥ द्वायां थो दक्ष प्रजापतिया स्नावपनि सुय
स्व कोटि दया वो न छ द्रु यादि न स देव लोक यनि स साद्रु तिया ना विज्या त ॥ भो देव लोक पः
नि श्री जीस सुया तं कन्या दान मधु न नि ॥ आव गथे या य इ ही पाया य मधु न तले ॥ श्री जीस देव
लोक या प्रयो ज न म उः थो ते या नि मि ति न श्री जीस सुना न इ हि पाया ना व वियु ॥ थ व त थ मः
नं स्वय नु यो ध क आव श्रीस व ह ल ज या वो न दक्ष प्रजापतिया स्नावपनि अदि कंद से वो न ॥ थोः

राम
८

पनि धाय कल द्योय नु यो ध क ॥ धि धि स्त्रा ज तिया य धु न का व ॥ नार द अ धि वोन क द्यो या व ॥
वि न तिया त ॥ भो नार द द ह ल पो ल द क्ष प्र जा प तिया धो स वि ज्ञा य मा ल ॥ द न धा ल सा व या के
क न्या प नि अ दि कं द या वोन ॥ थो क न्या प नि क न्या दा न वि य जि व लाम जि व ला ॥ जि व सा दे व ॥
लो क प नि स्त फो ने ध क ध या व ह ल ध क ॥ आ ग्या द य का व त कार णं ति स ल जो ना व वि ज्ञा
य मा ल ध क ॥ दे व लो क प नि से न वि न तिया तं ॥ थ नं ति दे व लो क प नि स या वि न ति व च न ने
ना नार मु नि न द क्ष प्र जा प तिया द्ये स वि ज्ञा ना व आ ग्या द य क ल ॥ भो द क्ष प्र जा प ति द न के
जि व या गु का णा मे व ता म षु दे व लो क प नि स्त ॥ द न प्र वी प नि कं न्या दा न फो न क ल द्यो या ह ल
थो ते या कार ण स जि व या ध क नार द न आ ग्या द य क गु व च न डे ना द क्ष प्र जा प ति न धा ल ॥ भो
नार द द ह ल पो ल या आ ग्या ने ना जि गु म न स आ न द नु हो द ह ल पो ल वि ज्ञा ना गु ज्ञा भि न थु का ॥

सुनी
८

देवलो कपनिसेन आसलित आग्या दत नाव ॥ जि उ असल थ का भो नारद जी सावय निस कले
विय ग्रथे क ना जुल ॥ सती देवि छ सज क वाहि कया यमाल ॥ छान धाल सा जि गु श्री संपत्ति भेति
भाति दया चो नगु विचाल या त के माल ॥ भो नारद जी पुत्र मउ या निमिति न ॥ काय धाल सा सा थो छ
सजित माल ॥ मेव साय मवाद को विय थे क ना जुल ॥ दिन या ष धाल सा देवलो कपनिसेन गु पु न
आ हा दय कल उ पु नु थे क ना ध क द क्ष पु जा पति न नार द या त लि सल विल ॥ थ नं लि नार द न द क्ष
पु जा पति या के वेला कया व ॥ लि सल जो ना व नार द मुनि लि हा वि ज्ञा ना देवलो कपनि या था स थे
न कल वल ॥ थो वे ल स देवलो कपनि से न आ ग्या दं य कल ॥ भो नार द छ ल पो ल वि ज्ञा ना गु ज्या सि द्ध
नु व म पु ला ध क धा व गु व व न ने ना व ॥ नार द मुनि न आ ग्या द य कल ॥ भो देवलो कपनि जि व ना गु
ज्या सि द्ध या ना व व य धु न ध क लि स क न ॥ थो ते द क्ष पु जा पति या लि सल व व न ने ना ॥ देवलो कपिनि

राम
८

अति हर्षमानया नानादया तवेला वियात्र देवलोकपिनिसकलें थ व थ व क्षालि हा विज्या त ॥ थ :
नलि देवलोकपिनिसकलें मुना भिन गृदिन वेला स्वया ॥ दिन थै कना दय का पुन वीर नारदया तः
लिसल विया छे त ॥ थ नलि थि थिं २ माल को सा मांगी दय काना ना प्र कारणा जलि ज वा प या ओ स
त न तिया रत्न मालान कोषाया ॥ दिन बेला तेया व स कलें मुना दक्ष प्रजापतिया छे स थै न कल व न थ
नलि दक्ष प्रजापति न स कलें देवलोकपिनिया त या नाया ना ॥ थ व क्षे स विज्या त का अने क क शल व
र्त या ना आनंद न विज्या त ॥ थ नलि माल क विधि पूर्व क दय का ॥ यज्ञ साला स अष्ट मंगल पूर्ण घट
तया ॥ गुरु कुमारी छा य पा व क न्या प नि छा य पा व ॥ यज्ञ या था स तया तल ॥ थ नलि प्रो हित न यज्ञ
सु वेला सला त कं दक्ष प्रजापति न ॥ थ व ह्या व या ला हा त जो ना वीरणी न लं ख धार हा य का ॥ प्रो :
हित न वा क या त का देवलोकपिनिस क न्या दान वि ॥ थ नलि यज्ञ संपूर्ण या ना योग्य २ पुमारा नं पू

स्वनी

१०

जामान्ययाना ॥ भोजयात कावेलावियाछेत ॥ थनंलिदेवलो कपनिसवेला कयावथ वर कः
लातपनिजो नाव थवरथानसलिहाविज्यात ॥ ॥ थनलिलद्धि वाद्धि दसेंलि कैलाशसवि
ज्याकह्मश्रीमहादेवन ॥ अंतर्धाननख वधातख वर देवलोकपनीसे नजिकेसाइति नापमया
से ॥ थमथमजकवनाकन्यादानकायधुन कावसुख आनंदयानाचोन ॥ जिथथिन ह्म कैला
सपर्वतयानाथजुयाचोन ह्मयाईहीपासधुननीधक ॥ श्रीमहादेवयामनसडुःखतायाववि
ज्याते थनंलिमनसअति आकुलया कुलजुयाव ॥ महादेवनपुन वीरहनकनंध्यानसचोना
वसोकवेल्स ॥ सतिदेवीछ ह्मले नावचोनगुषनावमनसभालपा ॥ देवलोकपनीसेनकाज्याजाम
सषनि नकिं ह्म ह्मजालेनकावतवषनि ॥ जितनमान्यजायाकषनिधकमनसरसतायाना
वंधाल ॥ आवजिनंसुछोयथमनंफोनवनेकाधकभालपाव ॥ थवथेथमनंदथाप्रजापतिथ

राम

१०

छ सविज्या तः धनं लिदक्ष प्रजापति नमस्तु देवत वदे सविज्या कषणा ॥ यत्र कला तवी रणीयाः
बाल स्वया बाल ॥ भो मी वीरणी स्वत्र २ ह हल सत्र त्रस जा श्रीम हा देव म प्रला जी जि स्के छ न वलः
षे थो या थान दु वान दु ॥ स्वय नापं मये या पु थ थि ह की जी स दे स छान वल म सिया ध क हला
व वोन वेल स श्रीम हा दे वन सल ता व वल थो वेल स द क्ष प्रजापति न धाल ॥ भो श्रीम हा दे व द्वा
य जी था स व या था हा वा यो ध क थ त वोन व ने न ॥ भो म हा दे व द्वा य थ न व या दु धा य ते ना ध क धा
ल ॥ थो ते द क्ष प्रजापति या व वन ने श्रीम हा दे वन आ ग्या द य कल ॥ भो द क्ष प्रजापति जि छ न के व
या कां रण मे व ता म ष ॥ दु या का रण धाल साः छ न द या न दे व लोक प नि स क ल या इ ही पा ला त ॥ आ
व जि नं छ न के क न्या छ ह ले ना व वोन ष ना वः अ थे या का रण जि छ न के व या भो द क्ष प्रजापति
छान धाल सा ॥ जि कै ला श या ना य क जु व आव त ले इ ही पा म धु न नि ॥ थो ते न दे व लोक प नि जु

सुनी

११

यावचो नायाइहीपामधुनतलेपभुवगुल्ये जुयावचो ना॥ थोतेयाकरनसजिद्धनकेवया अम
कंन्याछहजितफोनेधकविनतियात॥ थोतेमहादेवयाविनतिनेनादक्षपजापतिनः
धाल॥ भोमहादेवद्धनतजिह्यावजोग्यजुवला॥ जिह्यावयारूपगथेचो न॥ साक्षातलक्ष्मी
वसमानथथिहमवाद्धनतगथेविय॥ द्धजुलस्वयनापंमययापुकमहाभयंकरमूर्तिविमु
कनकोषायावथासंयतिविमुकनह्याव॥ श्मशानयानलिनवुयात्रिश्रुतउम्वरुजोनावः
येसनकायकायकावधेक२वलावलालाथासगोलगोलतलाव॥ लज्जामदयकावजुयुः
थथिहयातजिह्यावफोनवल॥ थवक्षालथमनंमखसेथथेनेनकजितहेलायातवलः
धक६क्षपुजापतिन॥ अतिकोषयानावमहादेवयातरंगभंगनन्वानावहल॥ थनंलिः

एम

११

महादेवनवधायमसियावमहालज्यावोयासिहावयावधात्वविषुसावियमपुजकधयानम
 गाकलाधकमनसभालपाव महाजंदोलविनया नाजनवनेहंससियाव॥ अनैवैकुंठपुरीससिहा
 विज्यात॥ थनंलिश्रीनारायणानमहादेवविज्या कष नाहतासनं॥ दुतिवायकायवसलायाव॥ पालि
 जातस्वानवागातकावरत्वयासिंहासनसविज्यातका॥ लाहातहाजपावविनतियातं॥ भोजगदि
 श्वरछलपोलछायजिथासविज्या नाजिमनस॥ हर्षविस्मयजुलघुआग्पाधकविनतियाकषनाव
 महादेवनआग्पादयकलभोनारायणा जिघ्नकेवयाकारणमेवतामपु॥ क्षेममिसामडस्रयादे
 मजुववनवत्रस्यमपुलासुयांजुलसां॥ कलातमडस्रयाथातमड॥ थुलिनिमिनिनछनकेवयागथे
 धालसा॥ देवलोकपनिसकलयां॥ इहीपालातकावचोनषनाव॥ जिनंदक्षपुजापतियाथासवना
 वन्याछलदनिषनावफोनवना॥ भोनारायणाथोवेल्सदक्षपुजापतिनजितवधाव॥ थोधावमद्व्य

सुनी

१२

कफचीतयानावहर॥ योतेया कारणासजीथनवयाध कमहादेवनआग्नादयकल॥ योतेमाहादेवयाग्ना
नेनाव नारायनविनतियात॥ भोपरमेश्वरथुलियानिमितिनछलपोलधंदाकासेविज्यायमाललाः
छलपोलथनंनिविज्याद्रनेजिछलपोल्यासेवकमपुला॥ थुलियाथथेंजिनसिद्धयानाववधक
महादेवभनंतुविज्यातकाव॥ नारायणंनदक्षपुजापतियांशेथेनकलविज्यात॥ योतेनारायणथव
देसविज्याकषनाव दक्षपुजापतिनअनेकस्नानवागातका॥ नानासुगन्धधूपथनाववलायाव
सिंहासनसविज्यातकल॥ योमहाविष्णुमथेविज्यातधालसा॥ स्वकोखकोथववस्पयानाव॥ विष्णुमा
यानतोकपुयकावविज्यात॥ थनंतिरिछुयाचलस्वयादक्षपुजापतियात॥ भोनारायणछलपोलधनः
विज्यातषनावजीमनसआनंदजल॥ छुआग्नादयकेतेनाधकविनतियात॥ योतेदक्षपुजापतियावि
नतिनेना॥ नारायणआग्नादयकलभोदक्षपुजापति॥ जिनछताफोनेधकवयाछनविजुलसाजकजिः

राम

१२

हादेवयातधल॥थोतेविष्णुयावचनडेनामाहादेवयामनअतिरसतायाव॥विष्णुयाकेवेलाकया
वकैलासशलिहाविज्यातं॥थनंलिङ्गदयाववस्वेलिविष्णुमहादेवथथोंविज्यायुमषाधक॥साम
ग्रीताललातकाव॥यहयाथासविज्यानावचोन॥थनवेलातेयावविष्णुनश्रीमहादेआवतले
मविज्याकधकमहाधंदाकयावचोनआवगथेयाय॥वेलाधातसाफाबिकनंहतासजुल॥महा
देवधातसाआवतलेमविज्याकनि॥थथेंजिनतुफयधातसांमहादेवयातमजिल॥मफस्यवे
नधातसाकारणादुखधकनेन्यु॥आओगथेयायधकमहाधंदाकयावचोन॥थोवेल्स॥थोवेल्
समहादेवयानुगल्सऊकामीकलुमनावधात॥आवगथेयायेविष्णुयावेलाजाथनिजुल॥जिः
जावनेगुहतासजुलधक॥वायुवेगनथव रूपतोलावकंपालिभेसकयाव॥यहहालासडः
खयावधात॥भोविष्णुःभोदक्षप्रजापति॥जितनिभिक्षायुडजिताइनेनिस्ववयाहथुकाः

स्वन

१४

जितपितृना अति दाह जुल ॥ थो तेया कारण न जित भिक्षाम विस्व क न्या दान काल सां ॥ निह
या त आ प विय ध क धाल ॥ थो वे ल स नारायण न ॥ थो ह क पालि मे सम ह देव या स ल ता या वः
मन सह पे मा न या ना व आ ग्या द य क ल ॥ भो जोगी छ न आ प विय म ते ॥ छ न धाल सा जि थ न फा
चि न वे ला ह ता जु या चो न ॥ थ लि ज्या सि द्ध य व तु नं छ न फो ना गु विये ॥ प्रति त म जु ल सा सो ल व
ध क धा ग व च न ने ना ॥ थो ह यो गी जिय ह सा ला स ॥ उ हा व या व नारायण या ज व स ला त फे क तु
ना व चो न ॥ थो जोगी ग थि न वे ला स व ल धाल सा ॥ गुरु ह ह स्थिति न वा क या ना चो न ॥ व व द क्ष
प्र जा प ति न ह म ल क स त स्ये ॥ स ति दे वि या ला हा जो ना चो न ॥ ह नं मा ता वी र की न सु व र्णा या
कें द धा रा न ल ख धा रा न ल ख हा य का व चो न ॥ ह नं ना रा य ण न फ या चो न ॥ य नं लि थ थि न वे ल स
द क्ष प्र जा प्र ति या ॥ मि षा द्ध ष्ट २ वो या व वि षु मा या न तो क प्र या व ॥ थ म न फ या व चो ना हः

राम

१४

नधालसा हलपोल ज्वाथ सरीर जुलमिषाने महु तध कना नापकार सा कोलपाधिरज विया वन ॥ थो
वेल्सहनं थो कन्यायामनस भालपा ॥ थो थथिन ज्वाथ ॥ जिथ थिं हसुंदरी थन सुटांत पुलु चापिं वया
जित जकं दुंयाय फ्रज्जुध कम हाधं दा कया वन ॥ थथें ववं रमहा देवं मनस विं तनाया तलाध कसा ॥
थो कंन्यायामनस गुलित धर्म पाप उध क ॥ कैलाश पर्व तया कस ॥ भिषा देह द्या दय का ॥ भो सुंद ॥
री ह्नु तास वाय मते ॥ गथे लाधासा रिजिस देथे निन हूं षनाध कयाननं के ॥ नथो वेल्स सती देवीयामः
नस अति विस्मय जुया नारायण शिव रग थिं गृहे षष लाध क ॥ मनस आकुल वा कुल चित्त या नाम हा
ध दा कया व वन ॥ हान कनं थ वमति थम नं जिमिसा जाति धंद कया द्युयाये ॥ जिकर्म सगर्थे जुयु गग
थ वस्वामिया दे जुल उग सुवर्णिया शे काध कमतिं भापा ॥ थ वथे थमनं धिरज या नाव कथ थें थक्षे थे न कः
ल वन ॥ थो वेल्स ज्वाथ जोगी नधाल भो कन्या रिजी सक्ष थो थुका ॥ डु हा व ना व सुख आनंद न वोन जुनिध क

सनी

१६

धाल॥थो वेत्तससतिदेवियामनसथ वमामववाया शे लुमनाव थ वगुमनस भालपा॥थ वथे थमनं धिकार
जिगु कर्मगथिंगुक्षेसवो नाह॥गथिंगुदेसलात हेदइव आवदु यायध कं हुनेथ वथ थमनंमसनधिर
जयाना॥षलचतकनकागावो तंखोभिद्रयाभिषाक्षेयाषापावनाउखगोवेत्तस॥माषापिषोजकभुनाव
वोनगुषाना॥कथिद्रुपकयाविलेवालेयानाख केवेत्तस॥धुवाकुटिफिक कयावप्रनासुम्कंचोन॥॥थ
नलिज्याथजोगीनधाल भोकन्याजिजाअदिकं त्यानुत्त॥द्रपोलनिजिदेनेधक॥यसगजिध तुरभोतिना
वलुषायापिनगोल तुलाचोन॥थो वेत्तस ताउतिनंमदनासतिदेवीयामनस भालपा आवगथे याये॥थनः
धालसासुयांगो हयांसल नापंमडथथिनअगोवरथानस सुंधातप्रु लु आपनिवयावजी स्वामियातगथेः
तं॥यायप्रु ज्युधकमहाधका कयाचोन॥थयेंचोवोप्यद्रुया मुदयाववन॥थनंतिसतिदेवियामनः
सभालपा॥थयेंजिस्वामिजागोजुय तुनं॥नकेयातगथेयायधकमतिंभापा॥देसदुदुडुषासय

राम

१६

काध भालपाव॥ थलपतिं उलाव सोल जु॥ थोवे लस थलपतिं माषापिषानजक भुना व॥ वो न
थोवे लस महा धंदा जुया वरु नं मनस भालपा आव गथे याय॥ सुय के त्पाना वरु य धाल सांथ नयाः
वाल वाल दुमसिया नी॥ हु ने फ प्रलषु तुं मा ल व ने धाल सा॥ थ थो जोगो जकं जु युला आव गथे याः
यध क॥ मनस भा कुल व्या कुल या नाम हा धंदा क या थ व स्वामिया घाल स या व वो न॥ थ नं लि जा थ जो
गी ओ पद ना व स व ग वे ल स लुखा स स ति दे वी वो ना व वो न ष ना मि षा ह्या उ क क ना व ध ल॥ भो चां डाः
ल मि सा जा ति जि थ थिं भ न फ स न दा य क पि ने थे ना त या॥ छ ज क ड ने वो ना सु ख आ नं द वो ना व वो ना
ला॥ जि त दं ध क धा यं म फ ला॥ जि त प्र तु म थ न छ न दु न य मु म्वा ल ला ध क॥ अ ति त म वा या व न्वा तः
थे वे ल स स ति दे वी मु सु रु न क्रि ला व वि न ति या तं॥ भो स्वामि छ ल पो ल या सु ख न आ ल स या ना वि
ज्या क ष ना जि न थ ने म द्वा ला वि शेष नं ता पा ले न वि ज्या क ल॥ ज व त्पानु क थ ने म द्वा ला॥ म न या सां

सुनी

७

जिजानयधुनधकधालचतकनकावविनतियातं॥थोतेसंतिदेवीयामधुरवदननेना॥ज्याथजो
गीषुसिजुयाधाल॥दुनदुनयागनकयानयाधकधालगुनेनाव॥थनदुसडुगुधौवजि-मधि
वटिमालाखयानयाधकविनतियागुनेना॥ज्याथजोगीयामनसभालपाथोमिसायाजाशीलखः
भावअतिभिंसुषषनीअथनंथोमिसायाचरित्रनिस्वयधकमतिभालपा॥पुनर्वारधालभाक
न्या॥जिजाकेलनभतिमगाकनिधकधायार॥यसगजिधतुरभाकतिनावपुनर्वारलुषायाकसः
देनावोन॥थोवेल्ससतीदेवीनडःखसकतोलोतमनका॥थवशीलखभालातका॥मनसान्नः
याथोनेनकाधालचतकनका॥थवपुरुषयाधालजकखयावोन॥थोवेल्सज्याथजोगीयाम
नसभालपा॥थोकन्यायामनजाअतिधर्मउधकंमनसरसतायार॥वाथामिकदनाधाल॥भोसः
तिदेवीकीजीसदेधुगुंलिमषुअमभिषादेसेनका॥दपिहावाधकधाल॥थुलिथवस्वामीयाभा

राम

१७

ग्यानेनासतीदेवीनवीनतियां तं॥ भोस्वामीमधुगुआग्वादयकेमते॥ भिनात्रवोनगुदेसेनकान
हीजीमगनवोनेहानंगथेयाये॥ क्लेनेधालसादलपोलज्याथजुल॥ जीधालसामिसाजातिनदुः
याय हनंमनुष्यागोचरनापमदयावोनगुथास॥ सुग्वहालिफेनाज्यायायधकविनतियत
थोतेकन्यायाविनतिनेनाज्याथजोगीवपदना॥ दुतिनयेनकासेनकविल॥ थोवेलःलसकैः
लाशयर्वतजुयावल॥ थोकैलाशगथिंगुधालसा नानापुकारयामशामाशिकथुनावतयागुदेद
षाषनेदयात्रवल॥ थोवेलसतीदेवीयामनसहर्षविस्मययानावोन॥ थोवेलसश्रीजगदीश्वरयासेना
पति॥ भूतप्रेतपिशाचनंदिभिंदिपुथमगगायनिसेन॥ महादेवविज्याकषना॥ नानामाथनखानवा
गतकावसालाया॥ लखयाकैलाशशथाहाविज्यातकल॥ थोवेलससतिदेवीनवाकमाकलंखयामः
नसभालपा॥ हायरगथिनवानलागुदेदषासुयागुदेषवसे॥ थोदेजाजिमिदेयासनंअतिसुंदरः

सुनी

१८

शोभा दया वा नला कध कमति न भालया ॥ थुगुदे सड हाव नात्रु कस सोल वन ॥ थो वे लस महा देव
न आग्या दय कल ॥ भोस तीसा सधी कया वधि ला वूध क आग्या दय कगु ॥ आग्या ने नासति देवी नव
थिला विल ॥ थ नं लिम हा देव वधि ला थास वि ज्या नासति देवी या त दर्शन विल ॥ गथिन रूप जु
या दर्शन विल धासा ॥ कंठ जु क नील कंठ ॥ स जु क फ ड की रया उन ते जपु काशया ना दर्शन वि
ल ॥ थो वे लस सती देवी हाता स नद नाला हा त हा जल पा वस वा क डला चरास भो क पुया ॥ हर्षषा
भि हाय काम नं भाल भा ध न्य र जि गु भाग्य ॥ जगदीश्वर धनिं जि त स्वामी ला त ॥ ध कम नं भला पा स्वा
न मा ला हु ना ॥ स्वा न मा ला न कोषा या दण्ड व त् पु रा म या ना वो न ॥ थो वे लस नं दि भिं दि य नि से नः
स सि सा फ ल ह या ॥ भो ज न या त क ल ॥ थ न सि सा फ ल द्या ये ॥ थ नं लि शिव शक्ति जु या वि ज्या त
इ ति श्री स्क द प्र रा णे के दार रा णे मा ध म हा त्मे भ ग रा मु नि सं वा दे स ती दे वी के ला रा ना म य व त

राम

१८

महादेवभतिरसताया॥ धन्यरसतीदेवीधकगुरावर्णनायाना॥ हितेधुनकाशिवशक्तिजुयाविज्या
त॥ थनंलिदेवलोकपनिदक्षपुजापतियायज्ञेसविज्याना॥ थिथिकुशलवार्तायाना॥ भिनरसिं
हासनसविज्यानागुगुःकमयायमालउगुरकर्मयानाचोन॥ थनंलिदक्षपुजापतिवीररीसहितनं
थवह्माचपनिजिलाजनपनिहेवनेतयाःमहामंगलयात्रायाना॥ अपसरापनिसेनमंगलगीतयातः
का॥ किन्नरपनिसेतालथातकाषाषनद्रयका॥ दिव्यदेहयानाचोन॥ हनपुरोहितनयग्यातका॥ पं
डितपनिसेननानापुराणादिपाठयातका॥ अविमुनिपनिसेनवेदवोनकातल॥ हनंयज्ञेसअनेगघेल
कस्तीविहिउयाचोन॥ हनंनानातीर्थिकपनिअतितअभ्यागतपनिस्तं॥ धाधागुवस्तकदानापदानया
नादक्षणाविया॥ थवथथमनंरसतायावह्माविहुरंडपनिथासवना॥ सकभिनेविवालसंवालयाना॥ थ
वह्माचपनिसासथिथिंकुशलवार्तायाना॥ आदरवचननविवालयानाजुल॥ हनंह्मायमवापनिसंनः

स्वनी

२१

नारंगयातिसावसतनतिया ॥ रत्नमालानकोषाया ॥ वयासेनं वस्त्रवानला कथां द्वायपामहा आनंदन
वोन ॥ थोवेलस नारदअपिनंदक्षपुजापतिया लि वव नासोलवनान ॥ महादेवसतिदेवीनि स्मगनंमषः
ना ॥ नारदयामनसभालपावोन ॥ आवगथेयाय थोदक्षपुजापतिनजा ॥ महादेवसतिदेवीनिसयाजा
नामसुद्धांतमकालअथवाधायजकंलोलमनला ॥ अथवावोनकलमद्धेतलागथेजुलधक ॥ हनंथमया
कतनवननासोलवन ॥ अथानंमषना नारदयामनसभालपाव ॥ आवगथेयाय थथंधालसां ॥ दक्षपुजाः
पतियामनलोयुमष ॥ मधायधालसांथनध्रिजुयुनधकमतिभालपाव ॥ नारदमुनियामहाधंराजुल ॥
थवमालगुयायधुनकादक्षपुजापतिनमसियकं ॥ अननंवायुवेगनकैलाशथेकलवनः थोवेलसमः
हादेवयांचररासभोकप्रया ॥ दृष्टतापाकवोनास्वयावोन ॥ थोमहादेवगथेवोनधालसाजगतमो
हनयारूपजुयाजटामकुटनप्रया ॥ धुयादेगुलिनहिना ॥ किसीयादेगुलिनडेया ॥ विभूतिनवुया

राम

२१

था सरपतिं विनशा ना ॥ मनुष्याद्याद्ये लन कोषाया ॥ सति देवीष्वमुदे सफे कटुतका ॥ कोटानकोटीः
सूर्यया ते जपि कयाः नदीभिर्दिज त्रख वतया भूतप्रेतपि शावनपुथमगणा उयका ॥ आनंदन वि
ज्या नावोन ॥ थयिं ह्रमहादेवया घाल स्वया ॥ नारद मुनियामन सधन्यर परमे श्वरधक वारं वार न
मस्कारया नावोन ॥ थोते नारदया भावष ना ॥ श्रीमहादेवन आग्यादयक ॥ भो नारद दू न गुभक्ति
भावष ना जिमन संतोष जुय धुन ॥ दू न दु फो ने ते ना फो धक आग्यादयक ल ॥ थो वे ल स नारदः
न विनतिया त ॥ भो परमे श्वर थनिया दिन सजित दुं वर दामय ॥ सदा कालेंदु लपोलया जप ध्यान
जिगु त्रगल सथा तका वविसे विज्याय माल ॥ पंर तुजि त्रयागु कारणा विनतियाये ॥ भो परमे श्वर ग
थे धालसा ॥ दक्ष प्र जापतिया अश्व मे धय जया त ॥ स्वर्ग मधोपा ताल सदक्क देव गणा पनि उ ॥ द
लपो लपनि निजु कोमष ना ॥ जिन थोय जस भुमलपा व सोल जुयान दू लपोल पनिलुय के मफु ॥ दको

देव तापनिसंथवर भागदेव्या नासुख आनंद नबोन ॥ यज्ञयाकर्ता भुक्ता दलपोल दायम विज्या तधक
 विनतिया त ॥ थो ते नारद या व व न ने ना ॥ सति देवी या मनस विस्मय वाया ॥ थ व स्वाभिया छल स्वया विन
 तिया त ॥ भो स्वामी दलपोल वज्र निहनु को दुया कारण समवोनषे ॥ पर भु नारायण प्रभु ती ते तिस को
 टी देव ता ॥ जित ता के हप निस कलें स्त्री पुरुष डध क धा खं लि ॥ जी जी निहनु ज क दायम वोन धक मनस अ
 ति विमान वाया ॥ मिषा स घो मि त या विलाप या ना नोन ॥ थ थें सति देवि न वी लाप या कष ना ॥ महा देव
 न आग्ना दय कल ॥ भो प्राणो श्वरी दू न दाय विलाप या ना ॥ दूमय या ह्मा च ॥ जिमय या ह्मा जिला जन थो
 तेन जी जि निहनु मवोन ॥ आव दु या ये ॥ दून अविमान या य मते ॥ दून त जिम ड ला द क्षय जाप तिया ॥ यज्ञ
 सम व नान दु जुयु भो प्रीय ॥ दून विलाप या य मते धक मनस महा देव न फ या थे धिर ज वि या वोन ॥ थो ते महा दे
 व या आग्ना ने ना ॥ सति देवी न विन तिया तं ॥ भो स्वामी दलपोल से न मथ्ये आग्ना दय के मते ॥ जि नारद लि

षिवनापत्र नाद कोलस्वयाव्रवय ॥ जि तवेलाविसे वि आऊनेध कविनातिया तं ॥ थोवेल्सम हादे वनआग्नाः
दयकल ॥ भोसतिअमद्वनष ह्मायमते ॥ दानधालसाद अपमानमफ ह्माथोतेया कारणासद्ध थगुयत्तस से
लव्रनधायेव ॥ दवजिववायमालिनिश्चनेंधागु ॥ पुरुषयावन्ननेनापुन वरिविनतियां तं ॥ भोस्वामिः
अमथेआग्ना जुयमते ॥ दपोलमात्रजकस्वया तत्कारणावय ॥ धकहथिजुयामहादेवयावरणां
सभोकप्रया ॥ नारदव नायं कैलाशनकोहावल ॥ ॥ थोवेल्सयग्यसालास दूहावना ॥ पिताद
क्षप्रजापति ॥ मातावीरणीनिहसयांवरणासभोकप्रया ॥ मिषासषोभितयामहादुःखनविन
तिया त ॥ थोवेल्सनारदमुनिनमसियाथोनेनकं ॥ थवगुआश्रमसंतुड हावनाहापायाथो
पाठयानाचोन ॥ यनंलिसतीदेवीनथवववायाच्चलस्वयापुन वरिविनतिया त ॥ भोमातापि
ताजिमनसअतिस्मयजुल ॥ स्ववरद्वलपोलयाथपायधनअश्वमेधयग्ययानान ॥ जितष

स्वनी

२३

वर भति नापं विय मुमालला ॥ जित वर भति नापं विय मुमालला ॥ जिक कदल पो लया ह्माः
वमषूला ॥ जिन जक दु अपरा धया ना तया गुड ॥ हु नं जि स्वामी श्री महा देव नंद लपो लया तदुः
अविमान या त ॥ स्व वर नारायण पुभृती ते ती स को दि देव ता नारद मुनि पुभृती ॥ अवि यक्ष गंः
धर्व ॥ कि नर दे तदा न व इत्यादि ॥ अघ सरा प नि स हि तं था का ॥ जि प नि नि ह स्त्री पुरु ष ज क ग थेः
म बो ना ॥ हु नं य ग्प या क र्ती भु क्ता ॥ श्री महा देव वि ना न मे व म डु ॥ य ग्प या क र्ता जि लं महा देव थु का ना
य क ल तो ता ॥ वे ल ना य क या ना थ धि न अ भु द्र य ज या त ॥ भो पि ता ज ग दि श्व र वि ना न य ग्प या क र्ती
म डु ॥ भो पि ता द ल पो ल या भि न के य ल सा हा दे व बो न क ल द्दो ॥ थो वे ल स ति नी द ल पो ल या य ग्प पू र्ण या
य फ इ थु का ॥ भो पि ता ॥ शं क र ह्म अ शं क र या ना बो न ल द्द ॥ हु नं थो सं सार स शं क र ध या ह्म नि ह्म ज कंः
द त ला ॥ भो पि ता ॥ थो ते न जि धिं नि ह्म ज क म बो ना या का र ण द्द ष ॥ भि न क आ ग्पा द य कि ध क धा ल थो

राम

२३

ते सति देवीया व व न ने ना द क्ष प्र जा प ति न धा ल ॥ भो पु त्री जि गु ष ड् दुः ख ता य म ते द न जि त सि वा य ॥
कं म षू ॥ अ ष रा ध या त ध क ध या ग म षू ॥ द न के सा य म ड गु म षू ॥ द न म वो ना धा ल सा द न पु रू ष व यः
५ का ॥ स्व य ना पं भ यं क र म र्ति ग वा स र्प न को षा या ॥ वि मू क न ह्या ना जु य ॥ ह नं श म रा न या न लि न ह स व
या व ल ज्पा म द य का व दि गं व र जु या ॥ भो पु त्री थ न धा ल सा द न त ता के हे पिं ॥ अ ष स रा ग रा प नि स क लेः
द या वौ ॥ ह ने ना रा य रा पु भ ती अ षि मु नि प नि से न पु रा रा दि पा ठ या त का ॥ अ ने ग नृ त्प गी त वा द्य था त का
ना ना पु का र ण मं ग ल या ना व वो ना था स ॥ अ म थि न अ सो भा जो गी थ थि न था स ग थे वो ने ॥ भो पु त्री अ थ वाः
द नृ वो ने द व ना पं द न भा ल त व यु ध का द ना पं वो न क ल म ह या ॥ दुः ख ता य म ते ॥ भो पु त्री द न धा ल सा म
हा दे व या भु क्ता क र्ता सं हार या ध नि म षु ला ध क धा ल ॥ म हा दे व ध या ह ग रा या दे व व जा व थु का ॥ श्रि यो यु हं
व ला थु का ॥ स्थि ति या यु हं ना रा य रा थु का सं हार या यु हं म हा वि षु थु का ॥ अ म म हा दे व म वो ना न जि य ग

स्वनी

२४

पूरायायमफयूला ॥ भममहादेवनजितदुवरदानवियू ॥ भममहादेवदुहजायथेधालसांवेनेमषु :
भोपुत्रितेतिस्कोटिदेवतानमान्ययानातयाह ॥ श्रीवैकुण्ठनाथनारायणथुका ॥ यगपयाकर्तथोह :
परमेश्वरवाहिकनमेवदेवतामउधनानामाथनहेलायानाव ॥ श्रीमहादेवयातनिंद्रायानावचोन :
थोवेलसदक्षपुजापतियादुद्रवननेना ॥ सतदेवीयामनसअति क्रोटजुयाषि ह्याडककना मिपुस
कुलदयकानागनीनस्वासतयाथें ॥ वेलससकुसुकालजुकोतया ॥ वाकटनहेयावडपदनाडुतिवव
स्थाना ॥ लाहातवोवोस्थानामिषानयगपत्रुखया ॥ थवस्वामीयातनानामथनवोलविलगुनिंद्रायाकगुस
हयायमफयाथवतुगलसथमनंदाया ॥ मिषानवोवीहायकामहाडुःखनवीलापयाना ॥ शिवरधकथव
स्वामीयानामस्वपोलकया ॥ यगपकुंडलसखवाकउलाथुगुयज्ञसडुबानापारात्यागयात ॥ थोवेलसते :
तिसकोटिदेवतानंनारदपुत्रतीमधिलोक यक्षगंधवकिन्नर ॥ अपसरादैत्यदानवनागलोकसकलदे

राम

२४

वतानं॥ हायरअनर्थजुलधकहालात्रयायहंमसियावोन॥ थोवेतसअश्वमेधयग्नसअनेकविघ्नः
जुल॥ हुनंधतनभाकाशसतोपुल हुनंअनेकमाथनविपरीतवायुवह्लपावजुल॥ हुनंकनंदूता
मुग्धाकंमेघगर्जमानंजुयावल॥ हुनंदशदिशासंघिदनावल॥ हुनंदिशापतिंडलकवोयावल॥ हुनंः
सकलदेवतापतिमिषासधूलवनामिषाकनेमफया॥ यथिवीसगोतरतुलाषोयावोन हुनंगुलि
दिग्गनाःयिथिरघयरपुनानानामाथनहालावोन॥ हुनंगुलिदिंफसनपुयकलयन॥ हुनंगुलि
दिंनोनत्रयमफयाआताहातोलयजकजुयावोन॥ हुनकनंभाकाशसगृध्रकोषइमापनिसे
विशहनहालामंडलजककयाजुल॥ हुनंजंवूकपनिसेनविशहयानामहाउत्पातनहाला॥ थो
तेषकारणाविपरीतस्वया॥ अथयायहंमसिया॥ दक्षप्रजापतिनथवह्नावपनिजिताजपनिथा
वनाधिजयारग्यायमतेधकवोधधियाजुलथथानंमजिया॥ यत्रगुरुहस्यतियाथासवनाविनति

स्वनी

२५

याते॥ भागरु आ वगथेयाये महा अनथे जुलधक हा हा कारया ना योन॥ ॥ थनंलि नारद सवि नजुल
सांथ थें उत्पात जुवष ना॥ हा ता सनं कै ला सप वत थन कल ना मा हरू डया वर रा स भो क पुया॥ ला
हा त हा जल पावि नतिया तं॥ भो स्वामी जि नद्ध ता वि नतिया य ध क वया॥ गथे धाल सा दल पो लया
प्राणा समान ह सती देवी न जा पापिष्ट दक्ष प्रतिया य जे स को द्वा ना प्राणा त्या गया से वि ज्ञा त द्यु या
कारा धाल सा॥ पापिष्ट दक्ष पु जा पति न दल पो लया तं॥ वि ना परा धन वो ल विल नि डा या त॥ म
हा दे व ध या स ग न या म हा दे व॥ व जा व य थु का थो म हा दे व म वो ना न जि य ज्ञ॥ सिद्ध म जु यु ला ध क
ना ना मा थ न वो ल विल थो ते या कारा स॥ स ती दे वी न स रु या य म फ या व॥ दल पो ल या ना म स्व पो ल
शि व र ध क ध या॥ य ग क रा उ ल ख वा क उ ला म हा भ या न क नं॥ दो या व वो न अ ग्नि स को द्वा ना प्राणा त्या
ग या ना वि ज्ञा त॥ भो स्वामी दल पो ल या भ य न अ ग्नि ज क थि य म द्द नि॥ प्रा ण ज्ञा गया ना व हे ल व य का

राम

२५

विनतियातं॥ भोजगदीश्वरदुयाकारणसजिपनिआराधनाया नाविज्याना कारणादुदलपोलयादु
खजुल॥ जिपनिसेनदुयायमास आग्यापुसन्नसेविज्या रुनिधक॥ विनतियाकषनामहादेवन आग्या
दयकलं॥ भोवीलभडमहाकालीद्वयनिनिहंथथेवना॥ सुयखकोटिदेवतानरक्षायानावतयासुः
पापिष्टदक्षपुजापतिया॥ अश्वमेधयग्यविधं सयाना॥ दक्षपुजापतिसंहरयानाव॥ ईडपुभृतीते
तिसकोटिदेवतापनिनिर्मलथेनोमोलेथनावतथेमालथोतेयाकारणसद्वपनिआराधनायाना
आवद्वपनिष्टयापासानंदिभिंदिपुथमगण भूतप्रेतपिशाचविषमज्वर॥ चतुर्षष्टियोगिनीगणा
नलितका॥ युद्धयात रुनिविलंभयायमतेधक आग्याजुवगुषनेना॥ वीलभडमहाकालीनिहसेनं
महादेवयाचरणसभोकपुया॥ महादेवया आग्याशीरसफयाव॥ नंदिभिंदिपुथमगण॥ भूतप्रेतः
पिशाचविषमज्वरचतुर्षष्टियोगिनीगणनलितका॥ मेघगर्जलपुथेंविशन्नहालाकालव

स्वनी
३

वर्थे॥ यमकिंकरवर्थे॥ कालसमानविश्वलखजपाद्यावकैलाशपर्वतनक्रहाविज्यात
॥ थोवेलसपृथिवीदोलायमानजुल॥ हूनंरूसमुडसवोनावोनपि॥ जीवाजंतुपनिआहि
रजुयाचोन॥ हनंपृथिमातानथुगुभारकुवयनमफत॥ थुगुलप्रकारणवीरभडमहाकाः
लीपुनिहतालवया प्रलयकालसमेघगर्जलपृथेविशवनहाला॥ दक्षप्रजापतियायगपस
उद्यानवनं॥ थोवेलसदक्षप्रजापतियायज्ञसनानामाथनविपरीतजुल॥ हनंथोयज्ञसः
हिवानगात॥ हनंथोयज्ञसवोनावोनपिदेवतापनि॥ मनसआहिरनग्यानावसकल्येविसेवन
गुलिंवीलभडमहाकाली॥ पनिषनाअथेयायहंमसियाअननुचोनावचोन॥ थोवेलसवीलभ
डमहाकालीनिहसन॥ कालसमानखजपाद्याव॥ विश्वलहिडुलिलकाव॥ दक्षप्रजापतियायः
गपसउद्यानवना॥ महाअघोरयुद्धयात॥ गगुपकारणधालसा॥ सिंहलोकथे॥ हनंनिगलिसमूड

राम
३

नापलाकथें॥ थुगलिप्रकारणयुद्धयाकषनाव॥ दक्षप्रजापतियाह्मावपनि॥ ज्याथजिठीम
वामिची तसकल्यें ग्णानाविशत२ नहालावदशदिगसविसेवन॥ बाकी नारायणप्रभुतीतैतिसको
टिदेवता॥ यक्षगंधर्वकिन्नरदैत्यदानवनागलोकथोपनिसेन॥ दक्षप्रजापतिरक्षायायनिर्मि
र्तिन॥ थवशखअखजोनासकलदेवतानं॥ वीलभडमहाकालिनिहसयातंप्रहारयानावदे
तं॥ राखयानामदुधुधालसा॥ आपोवहाखु॥ इंद्राखु॥ देवाखु॥ वरूणाखु॥ अग्निखु॥ शक्ति
खु॥ तोमलभिंदिपाल॥ गद॥ खड्ग॥ मुंगल॥ मुशल॥ कुरातक॥ नागपाश॥ आदिनानापुकार
याशखनप्रहारयाकषना॥ विरभडमहालीयासेनापतिसेन॥ वनुषचीयोमिनी॥ नदिभिंदि
पथमगराविषमजोर॥ भूतप्रेतपिशाचपनिसेनअंतंत॥ क्रोधयाना॥ मिषाह्याउककनावा
जुककरट्टनझेया॥ किसिवथानषनावसिंहडवानवनथेंवना॥ देवलोकपनिकावामिक

स्वनी

२८

जो नाव॥ मोलसक फ्याना॥ हितो नालानया॥ देवलोकपनिमोचकाविल॥ हनंमहाकालीनंका
लसमानं॥ खड्गपाद्या॥ मिषा ह्याडककना॥ विशन्नहाला॥ चलावथानषनावसिंहउच्चातव
नथेवना॥ देवलाकपनियातरखड्गनपालानानामाथनस्यात॥ गथेधालसाकोटनकोटिदेवता
कोटनकोटिदेव॥ कोटनकोटियक्षथुगुलिप्रकारणामोचकल॥ हनंभूतगणपनीसेनदेवः
तालोकपनियात॥ ऊरुकाभिकजोनावानडननाहितोनालानयाहिंकायकाध्यकरचुला॥ ला
लाथेप्यावड्याजुल॥ हनंथोयग्यसअनेकप्रकारयाभूतप्रेतपनिउत्पत्तिजुयावडल॥ हनगः
द्वकोषइमाजंवकपनिसेन॥ थोरणभूमीसबोनालानया॥ हितोनासंतोषजुया॥ थवरखरणा
हालामराउलकयाजुल॥ थुगुलिप्रकारणामहाकालिन॥ दक्षप्रजापतियासेनापनिस्थाना॥
लानपर्वतसमान॥ हिनसमुद्रस्याकथेथुगुप्रकारणयुद्धयानामहाकालीनदेवतापनियातः

राम

२८

मोचकुगुघना॥ श्रीनारायणपुष्टी॥ ब्रह्माविष्णुइंद्रपनिअतिआसचार्यवायाअत्यंतक्रोध
यानाथवरशस्रयासंत्रजोअलपाहनंप्रहारयातथोवेल्समहाकालीयाकेजुयतुनेभस्मजुयाव
वन॥थथेंजुवषनादेवलोकपनिसेन॥वयायहंससियाबोन॥थोवेल्समहाकालियासनसअ
तिउसिधाया॥देवलोकपनिसेनथवरशस्रपहारयानाबोषना॥कालसमानरवजपादाया॥वा
नवनादेवतापनिऊमिंकजोनाखइंनपालामोचकाविल॥हनेविषमज्वरपनिसेन॥दकदेव
तापनियाजोलनप्रयकाव॥अचेतयानाविलं॥थोवेल्सदेवलाकपनियातचौतत्यंमदयाः
रणाभूमीसगोलरतुलामूर्छाजुयाववनं॥हनेगुलिदिंवयहालाथेंहालाबोनं॥गुलिदिंग्गाना
ठरंकंपमानयानाबोन॥थथेंदेवलोकपनियाजोलनप्रयावबोनषना॥श्रीवैकुण्ठनाथनाराः
यणन॥वयायहंससिया॥थवस्त्रनशीतांगपितकया॥सकलदेवगणपनिस्तंशीतलयानावि

ल॥ थोवेलसदेवलोकपनिसकल्यां वेष्टादया॥ वृषदना नारायणाया जवषवसवो ना॥ फयांफया
 येवलपिकया॥ अतिक्रोधयानाथवृशस्रभस्रजो ना॥ नानामाथनलायवृया॥ कीटपतंगड
 वानवनवनावीरभडनहतासनं॥ त्रिशूलहि तुहिलकाहट्टनक्रिस्ता॥ विशतुनंहाला॥ कोटि
 रसूर्ययाते जपुकाशजुवथें॥ तेजपुकाशयाना देवलोकडस्रयाहे वानवयावलाकोरदेवताः
 पनिसं॥ त्रिशूलनपुकारयानाविल॥ थोवेलसदेवलोकपीथोवेवुलागोलतुल॥ थोवेलसभूतगणाः
 पनिसेनऊमिकजो ना॥ मोलखकफा नायतसडययन॥ हनंगुलिंदेवलाकपिं त्रिशूलयाप्रहार॥ सहलण
 मफयारणाभमीसगोलर तुलामर्द्धजुयाचोन॥ हनंगुलिदिनवद्वारणाहि झोयावसथुनानवुयवो
 न॥ हनंगुलिस्थांमस्तकदिन्नजुयाचोन॥ हनंगुलिस्थांला हाटुति तोधुलाचोन॥ हनंगुलिस्थां नारायणा
 याथासशरणावन॥ हनंगुलिंविसेवनंथोवेलसनारायणान॥ थवपरिवारपनिसकल्यंविशेवनस्रया॥ ह

नं वीलभद्र महालीपनिसेन ॥ दक्षप्रजापतियायग्यविध्वंसया कषणा ॥ नागनीनं स्वासतया थें वेल् २ सर
सुकालतया ॥ प्रलयकालसकाल रुद्र क्रोधलपुथ्यें अत्तंत क्रोधया ना ॥ मिषा ह्या उक कना ॥ कालसमा
नन कौमोदकी गदापाद्याया ॥ वज्रलाहातनयां वज्रन्यशंखवुया ॥ वलिनन कनव थें हलानिघी तनलाय
वुया ॥ वीरभद्रुखया द्वा नवना ॥ वीलभद्रया नुगलसलात्कं कौमोदकी गदानपुहारयात ॥ थो वेल्स
वीरभद्रन ॥ गदापुहारसहयायमफयाधेधे बुला ॥ रणभूमीसगोल २ तुलाहि झो यामूर्द्धा जुया वोन
थो वेल्स महाविष्णु नं वडस ठी योगिनी ॥ नंदिभीदिपुथमगणाभूतप्रेतपिशाचपनि ॥ सकल्ये त्राहि
२ जुयकं पांचजन्यशखपुयाविल ॥ हनं मेघगर्जमानया कथें लायवुया ॥ विरभद्रया फौजसउद्धानव
न ॥ थो वेल्स चौसठी योगिनिगणा ॥ नंदिभीदिपुथमगणाभूतप्रेतपिशाचादिसकल्ये शाना ॥ वीरभ
द्रया शरणासवन ॥ हनं यक्षगन्धर्वकिंनरपनिसेनधन्य २ नारायणाधकगुणवर्णनाया ना ॥ मनसहः

स्वनी
३०

र्षमानया ना॥ थव २ शस्त्रजो ना नारायणाया जव वस वो ना युद्ध यात वनं॥ थगुप कारणा भूमीस युद्धा
युद्ध जुया॥ महाभघोर संग्राम जुया वो न॥ थोवेलस विष्णु या शषप या श वन॥ लाय वुया या श वन॥ वाज
या श वन थो तेश वन॥ वीर भद्रया चेष्टा दया द ना सो गुवेलसः थव परिवार पनि सकलें गोलरः
तला चो नष ना॥ ह तार स नं व पद ना काल रुद्र क्रोध या ना॥ कालसमान त्रिभूल पाद्या
निर्घात न लाय वुया॥ नारायणा त्रज क स्वया॥ द्वा न व या श्री नारायणाया त्रगल सलात कं त्रिभूल
प्रहार यात॥ थोवेलस नारायणा नं त्रिभूल प्रहार या गुस ह या य म फ या॥ न व दारणा हि झोयारणा
भूमीस धा धो चला गा गव तला मूर्छा जुया वो न॥ थोवेलस महावीर भद्र न त्रल सां त व श वन
ह लाय वुसा॥ थोवेलस वो स डी या गि नीप निसे न वीर भद्र या श द्र ताया॥ चेष्टा दया स्व गुवेलस॥ ना
रायणा मूर्छा जुया चो नष ना॥ महा काली पुष्टी नं दि भी दि पुथ मग नप निसे न मन सहर्ष मान या

राम
३०

ना॥ धन्यरवीरभद्रधकना नामाधनगुणवर्णनायानामुत्तियात॥ थोवेलसमहाविलुयावेष्टा
दया॥ ओपदनासोकवेलस॥ देवलोकपिसकलेंगोग्वतलाचोगुषना॥ अतिअपमानवाया॥ अ
त्यंतक्रोधयाना॥ मिषाहाडककनादिगजकिसीहाथोंहला॥ थवसुदर्शनचक्रदि तुहियका॥
वीरभद्रयातकेनाधाल॥ भोपापिष्टवीरभद्रथडयादिनसतिनिदूनप्राणकया॥ दक्षप्रजाप
तियायज्ञपूर्णयाय॥ थोवेलसतिनि॥ देवलोकयामनोरथपूर्णयाये॥ थनियादिनसतिनीत्रास
कारुद्रदूनपदेअयावलसां॥ दूनपानरक्षामजुल॥ आत्रदूनसुसुमरगायायतेना॥ जिलाहातिवों
गसुदर्शनचक्रषनला॥ थोचक्रजुगुगथेधालसादकोशत्रयारक्तपानयानाचोनसिडलाधक
धाया वीरभद्रयातकेना॥ थवकेचोनगसुदर्शनचक्रदि तुहियकाचोन॥ थोवेलसविलुयादुद्र
वचननेना॥ वीरभद्रंधाल॥ भोमहाविलुषतसा॥ खजकस्तानाचोनेगुष॥ दंपुरुषार्थदितसा

स्वनी

३१

जितप्रहारयानाहकिधकअहंकारराहकाछेत॥थोतेवीरभद्रयाअहंकारवचननेना॥श्रीः
नारायणायावचनप्रतिपायानाअत्यंतक्रोधपितकया॥हापायाडुगनद्विबलथकया॥सुदः
शनिचक्रयामंत्रजोजलपाचक्रहिदुहियकावीरभद्रयातप्रहारयानाछेत॥थोवेरससुद
शनिचक्रषणाचतुषष्टीयोगिनगरान॥नंदिभिंदिपुथमगराविषमजोर॥भूतप्रेतपिशाच
पित्राहि२जया॥वीरभद्रमहाकालीयाकेशररावन॥थोचक्रगथेवलधारसा॥कोटि२सूर्यया
तेजप्रकाशजगुथे॥वज्रवथेनिर्घातिनहाला॥महावीरभद्रनखयावचोन॥थोवेलसमहावीरवी
रभद्रनथोचक्रवषणा॥हतासनंतिश्रलपाद्याहृदनहिलावाहाषायावोन॥थोवेलससुदर्शन
चक्रहिदुहियकावीरभद्रयाकुडसजुतकलयन॥थोगुवेलसवीरभद्रनजुलसां॥महादेवनसम्
द्रमथनयागवषतसकालकूटुयाद्योगुथे॥थोचक्रनुयाद्योयतेन॥थोवेलसमहावीरधूनः

राम

३१

जुलसां थोवक्रनुयाद्योयजेनषना हतास्सनंद्वावन महावीरभद्रयास्तु तसवोंगुसुदर्शन
वक्रचामिकंकया हतारसनवैकुंठसविसेवन ॥ इति श्रीस्कंदपुराणे केदारखण्डे
माहात्म्ये अगस्त्यमुनिसंवादे सतीदेवीयज्ञकुंडपुत्रे नाम श्रीस्वस्थानीपरमेश्वर्याकथार
तीयोऽध्यायः ॥ ३ ॥ ॐ ॥ यन्नंलिहेअगस्त्यमुनि ॥ नारायणविसेवनस्वया ॥ देवराजपुत्रभृती
तेतिसकोटिदेवतापिंसकल्ये ॥ हाहाकारस्तया ॥ फयानफयाथे ॥ यत्ररपाणारक्षाम्यायकारण
सदशदिशासंविसेवन ॥ यन्नंलितेतिसकोटिदेवतापिंसकल्ये आकाशश ॥ यहावनेधुसेंलितानं
कस्वयाहालावोन ॥ आवजकदक्षपुत्रापतियाप्राणारक्षामजुल ॥ हानधालसाश्रीवैकुंठनारायण
याधिग ॥ सुदर्शनचक्रभुजाअमिथाजुयावन ॥ हनंश्रीनारायणनरराभमीसवोना ॥ वक्रपा
द्यायाववोनवेलस ॥ तेतिसकोटिदेवतानलितका श्रीजगदीश्वरविज्यातसान ॥ श्रीनाराय

सुनी

३२

रात्र नापयुद्धयायसामर्थमिदु॥ यथीह नारायणयाचक्रभुद्धाभिमिथ्याजुल॥ श्रीजीवहयाद्यु
सामर्थदियि॥ आत्रजकदक्षपुजापतियापारारक्षामजुलधकहाराचोन॥ थनस्मिहवीरसुवी
रभद्रनजुलसां॥ श्रीनारायणयाचक्रभिमिथ्याथाना॥ नारायणविसेवेगुस्वया॥ कालसमान
यात्रिभूतयाद्यायाभिमिजोजलपुथेंतेजप्रकाशयाना॥ मिषाह्याउककनावाकरनहेया॥
मेचुलुश्नफेयावउषायानडगुथेंविशहनहोला॥ गनपापीष्टदक्षपुजापतिचोन॥ अनर्थे
कवनादक्षपुजापतियाचसमकामिकजोना॥ तुतिरुयामोलखकफानाजगपसदुयाद्योत
॥ थोकेलसमहाकालीआदिन॥ चौसटीजोगिनीगरानहपोलनंगातकलायवुल॥ हनेधन्य
२वीरभद्र॥ शिवनिंदायाकलदक्षपुजापतिमोचकावविज्याक॥ छलपोलवसमाननवी
रसुजा॥ त्रैलोक्येसमदुधकनानामाथनमोचगुषना॥ तत्रफसनकयावकलिलमागोलतुव
फ

राम

३२

थ्ये ॥ पृथिवीसगोलतुल्यमर्द्धववनं ॥ थनंतिषविलनाथवथथमनंधिर्जयानाविलापयात
हायप्राणरजगदीश्वरद्वस्तथोयज्यसमवोनागकारणान् ॥ थथिनभवस्थानयमात ॥ हायप्राण
जिमिसाजातीएकांतवना ॥ द्रुतपोतसेनगथेप्राणत्यागयासेनाविज्योना ॥ हायप्राणनाथद्रुतपो
लगनविज्याना ॥ जितंबोनावयवधकनानामाथनषोया ॥ थवनुगलसथमनंदाया ॥ मिषानषो
विधारहायकात्र ॥ महाडुःखनविलापयानाचोन ॥ हनंथथथमनंधिर्जयाना ॥ महावीरसुवी
रभद्रयाथासवनानानाप्रकारेविनतियात ॥ भोवीरभद्रमहाकांति ॥ जिषनाकरुणाप्रसन्नजुसेवि
ज्यायमात ॥ हेइश्वर ॥ दक्षप्रजापतिधयाहमूठथुका ॥ थथिनहमूर्खियातप्रतकानदुचा
हेपरमेश्वरथमनंश्रष्टियानाह ॥ थमनंनशयायमते ॥ हेनृथद्रुतपोलगथिनहमूठसा
डःखदरिद्रपनिशरणवयजोग्रजुयावचोन ॥ हनंकांतस्वरूपजुयाविज्याकहंद्रुतपोत ॥ हनं

स्वनि

३३

विश्वरूपद्वलपोल॥ वैलोका नाथंद्वलपोल॥ हानंआदिपुरुषंद्वलपोल॥ आदिनाथंद्वलपोल
पञ्चपतिधया हंद्वलपोल॥ ग्यानयाग्यानहंद्वलपोल॥ हनंप्राणीगणायिनी आत्मापुरुषजुयावि
ज्याकहंद्वलपोल॥ भोपरमेश्वरद्वलपोलपोलया महिमा क्लायजिसामर्थमिदु॥ गोसुसारदायाभ
लसामिदु॥ हनंदोलदि ह्म तृथुलाचोनह्म॥ शेषनागयासामर्थमिदुजिवहलयादुसामर्थदियु॥
हेपरमेश्वरजिविधवायायमते॥ जितस्वामिबरदानफोनधकनानामाथन॥ वीरभद्रयांमाहाका
लिनिसुयावरणसभोकपुयाविनतियातं॥ थोवेलसआकाससचोनह्मदेवराजपुभृती॥ ततिसकोटिदे
वतापनिसेन॥ खानवागातकाविनतियातं॥ भोवीलभद्रमहाकाली॥ धन्यरद्वलपोलपिआवजिपिं
षना॥ दयापुसन्नजुसेविज्यायमाल॥ अमदक्षपुजापतियातजीवदानविसेविज्यायमालधकविनतिया
त॥ थनंलिवीरभद्रमहालीनिसुसेन॥ वीरशीनअतिविलापयाकषना॥ हनंतेतिसकोटिदेवतानंविनति

राम

३३

या कष ना ॥ अतिकरुणा वाया आग्या दय कल ॥ भो वीरणी आवधु या यद न विलाप या कष ना ॥ देव लोक प
निस नलु द्वांत विनतिया ना वधा ल ॥ आवजिप निसे नदख ना अतिकरुणा वाय धुन ॥ दन त अवस्य नं स्वा
मी वरदान विद्ये द तज कजिन धाय ॥ गथे धाल सा द न स्वामी या शीर धाल सा ॥ य न स ड या द्यो य धुन ॥ आव
धु ग्रय न स वलि दान विद्य ध क तया स प भु या द्ये ल दु ना विद्य ॥ भो वीरणी दान धाल सा द न स्वामी न ॥ श्रीम
हा देव या तनि द्रा या त वो ल विल ॥ थो ते या कारणा स प भु या द्ये ल दु ना व विद्य ध क आग्या द य का ॥ य ग्प स वः
लि दान विद्ये तया स ॥ प भु या द्ये ल क या ॥ दक्ष पुत्रा पतिया स स धु ना द्ये ल न लिख त का म्या त का विल ॥ ॥
थो वे ल स प भु दाल दक्ष पुत्रा पति नं वीर नी नं विर भ ड म हा कालि नि ह्य यां वरणा स भो क पु या ॥ ध व थ थ म
नं र स ता या वे ला फो ना ॥ ध व था स व ना सु ख आनं द न वो न ॥ ॥ थ न लि वीर भ ड म हा कालि पि नि को ठ न को
ठि देव लोक पि स क ले मो न का ॥ अ भ मे ध य न वि चं स या ना ॥ वीरणी या त स्वा मि वर दान विद्या म न स आनं

स्वनि
३४

दया ना॥ चौसठी यो जिनी गंगां लि त का॥ निमिष मा त्र नं कै लाश पर्वत थ नि कल विज्या त॥ धनं लि श्री जग दी
श्वर या वर रास भो क पु या वि न ति या त॥ भो स्वा मि दु ल पो ल या आ ग्पा थ्यें जी प नि से न ते ति स को टि दे व ता
पिं त सं हार या ना॥ पा पि ष्ट द क्ष पु जा प ति या य ग्प वि ध्वं स या ना॥ ह नं व लि दान वि स्यं त या ह्य प भु या द्ये ल
दु ना॥ वी रणी या त स्वा मि वर दान वि या व त थ धु न ध क वि न ति या तं॥ थो ते वी र भ ड म हा का ली प नि स वि
न ति व व न ने ना॥ म हा दे व न आ ग्पा द य क से वि ज्या त॥ ध न्य र द्ध प नि पा पि ष्ट द क्ष पु जा प ति या य ग्प वि ध्वं
स या ना॥ य ग्प स व लि दान वि स्यं त या प भु या द्ये ल दु ना वी रणी या त स्वा मि वर दान वि या व त थ धु न ध क
ध या व जि म न स अ ति आ नं द जु ल॥ ध न्य र द्ध प नि ध क भो वी र भ ड म हा का ली॥ आ व द्ध प नि जि के नि ह्य द्वा
पा या थ्यें री न जु या व चो न ध क र आ ग्पा जु या॥ म हा वी र वी र भ ड म हा का ली नि ह्यं॥ श्री म हा दे व या वर रास भो
क पु या चो न व नं॥ इ ति श्री मा च म हा ल्ये के दार रं डे कु मार अ ल्य सं वा दे य ग्प वि ध्वं श ना म श्री स्व

राम
३४

स्थानीपरमे **श्वर्यो कथा वतुर्थो ध्यायः ॥ ४ ॥** ॥ थनंलिमहादेवनजुलसां सतीदेवीयाअंगलुमना
गरापापिष्टदक्षपुजापतिनयगपयातअनथेनकलविज्याना ॥ यगपकुंडलसमत्पुयाववोनहससतीदे
वीथतकया ॥ थवमूदेसफेकतुतका ॥ खगोलमिषानंषोविपितकयाघस२पुना ॥ छालनापूनातका
हायसति२धकविलापयाते ॥ हानंविनापयातहायप्राणाद्गरावना ॥ जितनंअनवोनयनकीआव
कैलाशसुनारक्षायायु ॥ छविनानजिप्राणारक्षामजुल ॥ भोसतिहानंजिहिताडुहावयवतसजिनधा
यतुने ॥ यसगजिधतुलपितहयातो नकयुह ॥ भोप्राणआवसुनाविवालयानातयु ॥ हानसदा
कालंजिगृहेवनेवोना ॥ अनेकपुशणादिकथान्येनावोनवयुह ॥ आवसुनाडेनवयुसुयात
कने ॥ छयाकातगतवोनावोना ॥ जिथासवोनावनानापुकारयाख्यालठ ॥ छायानावोनवयु
हगरावन ॥ आवसुयाछालस्ययाथोवित्तदुटयाय ॥ हायसति२धकसतीदेवीयागुणवर्णन

स्वनी

३५

लुमना तत्र फसन कया कली लमा गोल तु वथें ॥ पृथिवी स गोल २ तु लाना नामाथ न विषया ना विज्ञा
तं हनं सती देवी या माया तो त्यम फया ॥ अवे त जुया आ ता हा ज क वो न ॥ हन वेष्टा दया ना नामाथ न
विलाप या ना ॥ थ व नु गल स थ म न दा या हा य प्राण र ध क विलाप या ना ॥ म त क शरीर घ स र पु ना हा य
सती ध क व य हा व थें हा ला जु ल ॥ हनं सती देवी या शरीर पर मे भ र या के वो न या नि मि ति न ॥ म्वाः
क हा या शरीर थें वो ना वो न ॥ थु गुली प्र कार रा म हा दे व न सती देवी या म त क शरीर या दा जु जु २
स त दि द स र्म थो पृथिवी मं द्र ल भु म ल ना या ना जु ल ॥ ॥ इ ती श्री मा घ मा हा मो के दार ख रो ड कु
मार अ ग स्तु मु नि सं वा द श्री म हा दे व पृथिवी भु म ना ना म श्री ख र था नी पर मे भ र या क था यें व मो धा
यः ॥ ५ ॥ ॥ थ नं लि हे अ ग स्तु मु नि ॥ द्रु या दि न स थो ल पर मे भ र उ न्न ना जु गू स्व या ॥ दे व
रा ज हा ता स चा या थ व सै न्य प नि स क ल्यें मु न का ॥ ना रा य रा या था स व ना वि न ति या तं ॥ भो पर व ह

रामः

३५

माधकवरदानवियाहोत॥२॥थनंलिखसपोलयासंकुटिवनथानस॥वाला नसिधयाथास
वाररासधयानामपीठउत्पत्तिजुयावल॥श्रीसारक्षदेवीश्रीशंकटायोगीनीविश्वेश्वरनामः
श्रीमहादेवउत्पत्तिजुयाविज्यात॥शिवशक्तिस्वरूपजुयाविज्यात॥थुगुलिथानसंपुरणभूमी
जुलःथोथानसकिन्नरगणवया॥नानामाथनमेहालातपस्यायानाचोनषनाथोवलसपर
मेश्वरपुसिजुया॥दुपनिस्तवाकासिद्धजुयमाधकवरदानवियाहोत॥३॥थनंलिखवद्रूप
तपतनजुगथानस॥पौरबंधधथानस॥श्रीपारबंधनामपीठउत्पत्तिजुयावल॥श्रीअंवि काः
देवीश्रीबन्धवेगायोगिनि धर्मेश्वरनाममहादेवउत्पत्तिजुयावल॥अनशिवशक्तिजुयाविज्या
त॥थुगुलिथानसंपुरणभूमीजुल॥थोथानसदेत्यगणपिं वयातपस्यायात॥थुगुवेत्तसपरमे
श्वरपुसिजुया॥दुपनिसेनदेवलो कपितजितययायफयमाधक॥वरदानवियाहोत॥४॥थः

स्वनी

३७

नलित्यकुटित्वनथनसकाशिमरीधयाथानस॥ श्री काशिमरी धया नापीठउत्पत्तिजुयावत्त॥ श्री
सारदादेवी श्रीघोरघराययोगिनि॥ सर्वेश्वरनाम श्रीमहादेवउत्पत्तिजुयावत्त॥ शिवशक्तिस्व
रूपजुयाविज्यात॥ थुगुथानसंपुरणभूमीजुल॥ थोथानसगंधर्वपित्रयातपस्यायात॥ थावे
लसतपस्यायाकषना॥ परमेश्वरप्रसिजुया॥ छिमिमनवांछासिद्धजुयमाधकवरदानविया
द्योत॥ ५॥ थनंलिहयाद्येगुलीकुटित्वनथानस॥ कारेकुट्टधयाथानस॥ श्री कारेकुट्टधयाः
नामपीठउत्पत्तिजुयावत्त॥ श्रीकेश्वरीदेवि श्रीचंद्रायोगिनि॥ दुधारेश्वरनाम श्रीमहा
देवउत्पत्तिजुयावत्त॥ अनशिवशक्तिस्वरूपजुयाविज्यात॥ थुगुथानसमोक्षभूमीजुल॥ थो
थानसरावंणपनित्रयातपस्यायात॥ थोवेलसतपस्याइश्वरिस्तताया॥ छपमिसेनदेवलोक
पित्तजितययायफयमाधकवरदानवियाद्योत॥ ६॥ थनंलिषवयाभिषयाकुसपतनजुव

राम

३७

थनंलिष त्रयामिषाया कुसप तन जुवथानस ॥ पूर्णगिरिधयाथानस ॥ पूर्णगिरीधयानामपीठउ
त्पत्तिजुयावल ॥ श्रीपूर्णगिरीदेवी ॥ श्रीकपालकुंडलायोगिनी ॥ वंदेश्वरनामश्रीमहादेवउत्प
त्तिजुयावल ॥ अनशिवशक्तिस्वरूपजुयाविज्यात ॥ थुलिथानसहर्षभूमीजुल ॥ थोथानसअप
सरागरापिं वया ॥ नानामाथनप्याषनहुयाचामलनगायकातपस्यायात ॥ थोवेल्तसतपस्याषना
परमेश्वरसंतोषजुया ॥ छपनिषनाबैलोक्यमोहजुयमाधकवरदानवियाछोत ॥ ७ ॥ थनंलिलु
सिकुतिवनथानस ॥ अमुंदावलधायाथानस ॥ श्रीअमुंदावलधाया नामपीठउत्पत्तिजुयावः
ल ॥ श्रीमुकांवि कादेवी श्रीकालिकायोगिनी ॥ इषावरुकेश्वरनामश्रीमहादेवउत्पत्तिजुयावल ॥
अनशिवशक्तिस्वरूपजुयाविज्यात ॥ थुगुलिथानसिद्धभूमीजुल ॥ थोथानस नारद अचित्रयातप
स्यायातं ॥ थोवेल्तसतपस्याषनाइश्वरीषुसिजुयाविज्यात ॥ छनवाक्यसिद्धजुयमाधकवरदानविया

स्वनी

३८

होतं ॥ ८ ॥ थनं लिज वृत्ता हा तपत न जु व थान स ॥ अश्रात के श्वर धा या थान स ॥ श्री अश्रात के श्वर धः
या नाम पीठ उत्पत्ति जुल ॥ श्री दि क टे श्वरी देवी श्री ए का द्वि योगिनी ॥ निद्राप ते श्वर नाम श्री महा देव
उत्पत्ति जु या वल ॥ अन शिव शक्ति स्वरूप जु या वि ज्ञा तं ॥ थु गु लि था न पु रा भ मी जुल ॥ थु गु लि था न सरा
ठि का ग रा पिं व या त प स्या या तं ॥ थो वे ल स त प स्या ष ना प र मे श्वर स ता या ॥ छ प नि स दा का ल नं श्री कृ ष्ण या
दा हि ना जु य मा ध क व र दा न वि या हो त ॥ ९ ॥ थनं लिख व या रु स पो त क ति व न थान स ॥ ऐ का व र धा या
थान स ॥ श्री ऐ का व र धा या नाम पीठ उत्पत्ति जु या वल ॥ श्री सि द्वे श्वर देवी श्री सि द्धा योगिनी ॥ श्री दः
ध्वे श्वर नाम श्री हा देव उत्पत्ति जु या वि ज्ञा तं ॥ अन शिव शक्ति स्वरूप जु या वि ज्ञा त ॥ थु गु लि था न र न
भ मी जुल ॥ थो थान स क र्ण वी र प्र मु षं श म शा न द को व या त प स्या या ना यो न ॥ थु गु वे ल स त प स्या ष ना प
र मे श्वरी षु सि जु या ॥ छ प नि से न म त क द को ॥ भ स्म या य फ य मा ध क व र दा न वि या हो त ॥ १० ॥ थनं

राम

३८

लिमल द्वारपतनजुवथानस ॥ त्रिश्वतकथानस ॥ श्रीत्रिखतकधयनामपीठउत्पत्तिजुल ॥ श्रीमः
हाकारेश्वरीदेवी श्रीविकदंषुयोगिनी ॥ वंषेश्वरनाम श्रीमहादेवउत्पत्तिजुल ॥ अनशिवशक्ति
स्वरूपजुयाविज्यात ॥ थुगुलिथानपुराणभूमीजुल ॥ थोथानसयमराजवयातपस्यायातं ॥ थोवे
लसतपस्याषना ॥ परमेश्वरषसिजुयाद्यपनिसे ॥ वृह्मांश्रष्टियाको नाशयायफयमाधक ॥ वरदा
नवियादोतं ॥ ११ ॥ थनंलिककुकुटिवनथानस ॥ कामरोषधायाथास श्रीकामरोषनामपीठउत्प
त्तिजुल ॥ श्रीकामिनीदेवी श्रीलंवि कायागिनि ॥ मालेश्वरनाम श्रीमहादेवउत्पत्तिजुल ॥ शिवशक्ति
स्वरूपजुयाविज्यातं ॥ थुगुलिथानश्रष्टिभूमीजुल ॥ थोथानसपृथ्वीमातावयातपस्यायातं ॥ थोवे
लसतपस्याषनादूश्वरीरसताया ॥ दूश्रष्टिथानजुयमाधकवरदानवियादोतं ॥ १२ ॥ थनंलिजवया
तुतिपालिपतनजुवथास ॥ श्रीकैलाशपर्वतसपीठउत्पत्तिजुयावल ॥ श्रीपार्वतीदेवी श्रीरंजिका

स्वनी

३८

योगिनी ॥ श्रीविश्वंभरेश्वरनाम श्रीमहाहादेवउत्पत्तिजुल ॥ अनशिवशक्तिस्वरूपजुयाविज्यातर
थुगुथानसिद्धभूमीजुल ॥ थोथानसबतुर्मुखब्रह्मावया ॥ यगपयानातपस्यायतं ॥ थोवेत्तसतपस्या
षनापरमेश्वरशुसिजुया ॥ दूनतस्वर्गमिधोपातात्नस ॥ अधिकर्ताजुयमाधकवरदानवियाद्योतं
॥ १३ ॥ थनंलिथथवाकृतिवनथानसभूगधयाथानस ॥ श्रीभृगुनामपीठउत्पत्तिजुयाब्रल ॥ श्री
मिनाक्षीदेवीश्रीवज्रदेहायोगिनी ॥ सतेस्वरनाम श्रीमहादेवउत्पत्तिजुयाब्रल ॥ अनशिवशक्तिस्व
रूपजुयाविज्यात ॥ थुगुलिथानसधर्मभूमीजुल ॥ थोथानसधर्मदत्तरजावयामहायोगतपस्याः
यानाबोन ॥ थोवेत्तसतपस्यायोगषनापरमेश्वरशुसिजुया ॥ दूनतगोहादेवतानंमफयमाधकव
रदानवियाद्योत ॥ १४ ॥ थनंलिदेपात्ताहातकृतिवनथानस ॥ केदारधायानाम ॥ श्रीकेदारनाम
पीठउत्पत्तिजुयाब्रल ॥ श्रीकेदारेश्वरदेवीश्रीमहायोगिनी ॥ श्रीकोटेश्वरनाम श्रीमहादेवउत्प

राम

३८

निजुयावल ॥ अनशिवशक्तिस्वरूपजुयाविज्यात ॥ थुगुलित्यानपुराणभ्रमीजुल ॥ थोथानसएका
दशरुद्रपित्रया ॥ तपस्यायानाचोन ॥ थोवेनसतपस्याषनापरमेश्वरीरसतायादूपनिर्दिष्टसंड
तिजुयमाधकवरदानवियादोतै ॥ १५ ॥ थनलितजव्यामिषाकुतिवनथानस ॥ वंडप्रधायाथान
सश्रीवेद्रप्रनामपीठउत्पत्तिजुयावल ॥ श्रीसिद्धिकालीदेविश्रीसिद्धायोगिनी ॥ पुकारेश्वरनाम
श्रीमहादेवउत्पत्तिजुयावल ॥ अनशिवशक्तिस्वरूपजुयाविज्यात ॥ थुगुथानससिद्धभ्रमीजुलथो
थानस ॥ दशदिगपालपित्रयातपस्यायातै ॥ थोवेनसतपस्याषनाश्वरीसुसिजुया ॥ दूपनिर्दिष्ट
लिदिशायांनायकजुयाचोनरुंधकवरदानवियादोतै ॥ १६ ॥ थनलिकपालयाद्रुकुठिनवन
थास ॥ श्रीधायाथानसश्रीनामपीठउत्पत्तिजुयावल ॥ श्रीभद्राक्षीदेवीश्रीभद्रायोगिनी ॥ कम
लेश्वरनामश्रीमहादेवउत्पत्तिजुयावल ॥ अनशिवशक्तिस्वरूपजुयाविज्यात ॥ थुगुथानसपुराण

स्वनी

४०

भूमी जुल ॥ थोथानस अष्ट सिद्धापनि वया ॥ तपस्यायोग ध्यानया ना वोन ॥ थोवेत्तस तपस्या ध्यानः
ष ना ॥ थोवेत्तस परमे श्वरी संतोष जुया ॥ दूनत अष्ट सिद्धि न गो वेत्त संम तो ते मध क वर दान विया
छेत ॥ १७ थनं लिना भि कृति न व न सः ॥ का वि व धा या था सः ॥ का वि व धा या ना म पि ड त्य मि
रुतः ॥ का वि व दे वीः श्री गो दि जो गि नि श्री हा न के श्व व धा या ना मः श्री म हा दे व उ त्य मि रुः
या वः श्रि व स कि श्व रू प रु या व वि ज्यो मः ॥ थ थान स मो द्द भू रुतः ॥ थ गु ति थान स ना ग तोः
क व या वः ना ना म नि म्का दि द्वा या वः पू जा या मः ॥ थ न डे श्व वी षू सि रु या व व ल फे व ध क आ
सा द या व थ नं लि ना ग प नि स्य न रुत सां स क पा गा ल या अ धि प नि रु य मा ल ध क फे नः ॥
था रु रु य मा ल ध क व व दान वि रुत ॥ १८ ॥ थ नं लि का थू लू रु सि कृ मि न व न था स जा लं ध र
धा या ना म पि थ उ त्य मि रुतः श्री जा लं या दे वी जा ला मू षि जो गि निः श्री पि सा न्ने श्व र धा या ना

राम

४०

जायार्गं थवेत्तसई श्वरीपुन द्रुश्याव वचदानकाव धर्कं जाताद गंथनमनूद्यः देवया अधिप
गिरुयमात्त धर्कं फेर्नं गथासुश्रुयमात्त धर्कं वचदावित्त ॥ २२ ॥ थनं लिखव वया द्रुसयोग कू
तिन वनथासः गोकराधायाथासः गोकराधाया नाम पिथ उत्प क्रिइलं श्रीभैलवीदेवी श्री
चक्रजंघा योगि श्रीयोग्य श्वरधाया ना श्रीमहादेव उत्प क्रिइलं याव श्रीवसकि श्वरपशुवः
विष्कार्गं थ उत्तिथानसः दुर्ष भूमीइलं थथानसः विष्कं भपुभिर्नि जोगदकवया वनः
साकसुर्नं गपस्यायाना वचोर्नं थवेत्तसई श्वरवृत्तिइव वचदानकाव धर्कं आशोदयः
काव थवेत्तस जोगयसेन जोगीक सास जीपनि अधिप गिरुयमात्त धर्कं फेर्नं गथासुश्रु
यमात्त धर्कं वचदानवित्त ॥ २३ ॥ थनं लिखव याइइ कूनि वनथास श्रीमागुले श्वरधाया
थास श्रीमागुले श्वरधाना नाम पिथ उत्प क्रिइलं श्रीजोग्य श्वरीदेवी श्रीपिंगला योगि श्रीरध

नादः च वधाया नाम श्रीमहादेव उत्पत्तिरुक्त्या सा सिवसक क्लिप्त रूपश्रया सा विष्णोर्गन्धर्व
 लिखितं न सिद्धं र्मज्ञानं च थायसः काऽथप्युत्तिर्गन्धर्वः अपि दक्षश्रया अउपयन्तया नाश
 वानं च वल्लभपत्न्यं च वल्लभसि श्रया अ व वदानका अ ध क आ हा दय का अ च वल्लभसच
 रु वेदया अधिपति श्रयमात्र क हानं न था म् रु श्रयमात्र धर्कं व वदान विल्लं ॥ २४ ॥ धन
 लिङ्गं च अ कु निन अ न था सः अद्रि हा धा या था सः अद्रि हा धा या नामपि ७ उत्पत्तिरुक्त्या श्रीभू
 मतां वि का देवीः श्रीसर्वधवा जो ग्निः श्रीसफ रू गे श्व च वधाया नाम श्रीमहादेव उत्पत्तिरुक्त्या व
 श्रीवस क्लिप्त रूपश्रया व विष्णोर्गन्धर्वः लिखितं न सिद्धं र्मज्ञानं च थायस वा गमनि प्रमूख
 नः गगादकं वया वः अ ने ग र्ग गा रुत द्या या अ पूजा गै धनपम श्व वसं मोखश्रया व वल्लभदान
 का व धर्कं आ हा दया व च वल्लभ गंगापति सेन भूक्ति मूक्ति या धनि श्रयमात्र धर्कं फे

गथास्तु इत्यमानधकववदानविल्ल ॥ २५ ॥ ॐ नमो श्रीलिंगाय नमः कदाचिदपि माद्यमादा
मः श्रीस्वरूपकथासफमाध्याय ॥ १ ॥ धर्मेति दत्तात्रेयकृतिनवनथासः विल्लधायाना
मपी ७ उत्पत्तिरुत्तं श्रीस्वरूपधर्मी देवी श्रीस्वरूपनाम्ना जाग्रि श्रीकस्तुवर्द्धनधायानाम
अमीमहादेव उत्पत्तिरुत्तं सिवसक्तिस्वरूपशया अविष्कारं यगुलितानसपविगुत्तमी
इत्तं यथा नस श्रीकस्तुवाधिकायनि उत्तं उत्तं नानामाथनप्याखनहया उत्तं महात्मा उत्तं
नगणवनां या ना उत्तं चानं यवल्लस ॐ श्रीवसन्तया उत्तं ववदा उत्तं धर्मेति श्रीस्वरूपदगं यवल्लस
कस्तुवाधिकायनिस्य नधालं तिपनिखना उत्तं गलाक्क माहन इत्यमानधकवदानं गथास्तु
इत्यमानधकववदानविल्ल ॥ २६ ॥ धर्मेति उत्तं उत्तं कृतिन उत्तं नथासः बाजगः
हधायानासः बाजगः यायानामाथ उत्तं उत्तं श्रीउत्तं जाग्रि श्रीस्वरूपधर्मायाः
इत्तं श्रीवाडे श्रीविदेवी

नाम श्री महादेव उ त्पत्ति रु या उ श्री व स कि ख न प रु या उ विष्का नं थ गु लि थ न स मा रु
 र्मी रु नं थ थ य स वा य द व ना उ या उ अ न ग न स्वा क रु स उ य का उ अ गि रा व ना न
 सि उ म या न न स्वा क रु स श्री ख दुरु स उ य का उ वि ल् नं थ व ल स ॐ श्व बी यु ग रु रु या उ
 व न दान का उ ध क श हा द य का उ थ स सा न स डि उ म रु गु प छि म नू ख आ स द क या
 प्रा न वा य य मा ल रु नं ग थ म रु रु य मा ल ध क व न दान वि ल् नं ॥ २० ॥ थ लि उ उ या या नू का
 क गि न उ न उ थ स श्री महा प थ धा या थ स महा य थ धा या ना म पि थ उ त्पत्ति रु नं श्री पु व ल
 व लु का द वी श्री ल नू का उ गि नि श्री वि श्व मि रं थ व धा या ना म श्री महा दे व उ त्पत्ति रु नं
 या उ सि व स कि ख न प रु या उ विष्का नं थ गु लि थ न स पृ थ र्मी रु नं थ थ य स अप स नाः
 ग न व या उ अ न ग व श्व न प्पा ख ह या उ नानं थ व ल स ॐ श्व बी स न्ना ख रु या उ व न

दानकाशधर्कं आह्लादयाशः थ वलसं न्यप्रतिनिंदवला माहयायरुयमालधर्कं रुः
नं गथामुशयमालधर्कवददानविल २८ ॥ थनं लिखधर्कमिनशनथसः श्री कालपुलः
धायानामपि ० उत्पत्तिरुलं श्रीमहालक्ष्मिदेवी श्री ब्रह्मायागि श्रीमहा नधधायाना
मश्रीमहादेव उत्पत्तिरुलं याशसीवसकिस्व रूपकयाविष्कारं थथयसः सिद्धरुमिरु
लं थथानसः गब्रुपुमुखनंद कयच्छिडायाशः अनगवदलकुयाशः पूजायानं थः
वलसं ० धर्कवसगायाशः वददानकाशधर्कं आह्लादयाशः थ वलसः नागलाकजिनश
हावशयमालधर्कं रुः नं गथामुशयमालधर्कवददानविल २९ ॥ थनं लिखधर्कमि
नशनथसः यकायु बधायारुनं नेथामुशयमालधर्कवददानविल नामपीथउ
त्पत्तिरुलं श्रीसाधुच्छिदेवी श्री ब्रह्मायागिनि श्री उमक श्वधायानाम श्रीमहादेव उत्पत्ति

इयाडासिबलकिस्व रूप इयाडाविष्मर्नं थ गुलिथानपूत्यरमीइलं थ थयस सिलादकै
 डायाडा नपस्यायानाडावानं थ वलस पनमं थ वस्सिइयाडाववदानरुडाधकं थया
 थ वलस दकद वर्यां थ गजिपनिरुयमाल हनंसाविग्रमइयाडासिइइयमाल थ कंरुनं
 गथामुधकं ववदानविलं ॥ ३० ॥ थनंलिथथुमूगुसिकुगिनडानथास डांका वथ वंधया
 थास डांका व थ वंधया नामपि ७ उत्पकिइलं श्रीमात्रिकादवी श्रीपूर्वदवीजागिः
 नि श्रीनिसंत्तानं थ वंधया नाम श्रीमहादेव उत्पकिइलं याडासिबलकिस्व रूप इया
 डाविष्मर्नं थ गुलिथानसवलरमीइलं थ थयस कल्पवृक्षसिमाडायाडा नानावम कक्ष
 डा युजायानं थ वलसं थ वी वसतायाडा वददानकाडाधकं थाहादमाडा थ वलस डि
 मननं रालपागुलि उत्पकि यायरुयमाल धकं रुनं गथामु रुयमाल धक ववदानविलं :

॥ ३१ ॥ य नलि श्वना कृगिन डान थस ऊयं नि धा या थस ऊयं नि धा या नाम पीथ उत्पत्ति रुर्न
श्री ऊय नि द वी श्र म् द्रा या गि श्री वि क ण श्व व धा या नाम श्री महा द व ड त्य ग्नि या अ सी वे स कि
श्व व्प ड या डा वि वि श्र गं थ गु लि थान व ल ह्मी रुर्न थ थ य स गु ल सि कू स प नि डा या डा
न थ स्या या डा डा वान थ व ल स प न मः श्व व र्से ग ड या डा व व रु डा थ क आ ह्मा द र्ग थ व ल सः
डि प नि रु सै सा व न मां न या य माल ह न जि म नि ला र्से ल छी कार्त्तिक म हि ना स डि न पू जा
वी य माल ह न कू स र्ने सम स का र्थ स थ कि रु य माल थ कं नि श्र स र्ने हान ग थ म् वी य ध न
ध कं व व दान विल ॥ ३२ ॥ थ न लि हि पा य कृ गिन डान थस श्री उ ऊ य नि धा या थस उ ऊ
य धी धा या नाम पीथ उत्पत्ति रुर्न श्री महा कालि द वी श्री लाल डि द्वा डा गि नि श्री ऊं ध श्व व धा
या नाम श्री महा द व उत्पत्ति रु र्मा डा सि व स कि श्व व्प ड या डा वि श्र गं थ गु लि थान मा रु रु मि

सुधा

४५

कृतं. यथस. हमा लपर्व नडा. याडा गप स्या या नाडा वानं थ वल. प व म स व पु न रु रु या डां व
व दान का डा ध कं श्रा द या डा. थ वल स. जिन स क ल या र्ग मा रु विय रु य मा ल ध कं व न दाः
न वी ल् ॥ ३३ ॥ थ नं लि रु डा या व पि क व कृ गि न डा न था स. व वि रु पु व धा या था स. च वि
रु पु व धा या ना म पी थ उ त्प र्ति रु ल्. श्री श्र व ह्. श्री वी द वी. श्री वि न्ना स वा डा गि. श्री वा यूः
व श्र व धा या ना म श्री म हा द व उ त्प र्ति रु रु या सि व ल कि ल वृ प रु या डा वि क्रा नं. थ था य स
प पि रु रु मि रु ल्. थ था य स. डा गि नि ग न डा या डा श्र न ग धा न या ना डा पु डा या र्ग थ व न
स प ल म ध व स र्ग रु रु या डा. व व दान का डा ध क धा या डा. जि प नि स न ना नं म रु सि दि रु य मा
ल ध क रु र्ग न था म रु रु य मा ल ध क व न दान विल् ॥ ३४ ॥ थ नं लि द्वा थ या ग्य वा क गि न डा
न था स. जि नि का पु व धा या था स. जि लि का पु व ना म पी थ उ त्प र्ति रु ल्. श्री रु ग या द वी. श्री क

४५

लंकिनि जागि. श्री सहस्रनरुं ध्व बधायानाम श्री महादेव उत्यर्क्षि रुयाडा निवसकि स्वर्प रुयाडा वि
क्रान्. थ गुलिथान सिद्ध रुमि रुलं. थ थायस. मागि काग हाडाया डा. थ नै प्रदीथ दय काडाया जाया
नं. थ वलस रु ध्व बी. संगा ख रुयाडा. व वदान काडा धक आजा दय काडा. थ वलस डिपनिः
थास २ यान कि निरुय माल धक रुानी. न था म रुय माल धक व वदान विलं. ३५. थ नलि
उ वयाला हाग याल पा कुमिन डान थास. श्री हस्ति नायू बधाय थास. हस्ति नायू बधायः
नाम पि थ उत्यर्क्षि रुल. श्री चन्द ध्व बी देवी. श्री कामलादि जागिनि. श्री मूस्षा न ध्व वः
धायानाम. श्री महादेव उत्यर्क्षि रुयाडा निवसकि स्वर्प रुयाडा विक्रान्. थ गुलिथान. ह
ष रुमि रुलं. थ थास. स्रद स्य नव कुडाया डा. हाथ जा जल पाडा. विनगिया धीनं. थ वलः
ध्व बी दाह रुयाडा. व वदान काडा धक आजा दय काडा. थ वलस. स हा व क ली रुय मा

लधकफेनी॥ गथागुरुयमालधकवचदानविलं॥ ३६ ॥ यनलिमालकृगिनशनथस
उदिसधयाथस उदिसधया नामपिथउत्पत्तिरुलं॥ श्रीविलादिदवि॥ श्रीपिंगलाः
जागु॥ आयकृधवधनाम॥ श्रीमहादेवउत्पत्तिरुयाडासिवभक्तिस्वर्पशुयाडावि
क्रान्ति॥ थगुलिअनप् नरमीरुलं॥ थथयस॥ हलुमानडायाडा॥ नानारुलरुलरुल
याडा अंगमाथनहलुमानपूलाडा॥ थवसर्वीषूसिहयाडा॥ वचदानकाडाः
धकं॥ शहादयाडा॥ थवलस॥ जिपनीस्थन॥ नामचन्द्रयासवकशयाडा॥ लंकालरसया
यरुयमालधकरुनं॥ गथागुरुयमालधकवचदानविलं॥ ३७ ॥ यनलिसलाकृगिनशन
थस॥ प्रयंगधयाथस॥ प्रयंगधया नापीथउत्पत्तिरुलं॥ श्रीगुन्दवीदवी॥ श्रीसिंहवगः
जागिनि॥ श्रीमहदधवधनाम॥ श्रीमहादेवउत्पत्तिरुयाडासिवभक्तिस्वर्पशुयाडाः

४६

४६

विष्णुर्न. थगुलिथानपृथ्वरुमीशुर्न. थथायस. दसश्रवणानायाशानपस्यायानाडा
वानं. थवलस. ॐ धनपुनकुरुयाडा. वनदानकाडाधकं आहूदयकाडा. सत्य. नना
हाप. कलि. थगुलिशुगसं. जिपनिस्थनं. देवसंहावयायरुयमाधकशुनं. नेथामु
वनदाकिर्न॥ ३८ ॥ थनंलिजुनसिकुगिनानथस. विल्वधायानाथस. विल्वधाय
नामपीथउत्पकिर्न. श्रीलालमूषिदबीलेलिगाडागिनि. श्रियंवरुनं धनधायानामशि
महादवउत्पकिर्नयाडा. शिवसकि. सनूपशुयाडाविष्णुर्न. थगुलिथानससिद्धरुमीश
नं. थथायस. विश्वकम्पाडायाडा. श्रनगविग्रुविविग्रु. लगनयाडा. दडादयकाडासिउम
यानं. थवलसपवनमध्यसमानशुयाडा. वनदानकाडाधकधायडा. दिव्दिडा. नशु.
यमाल. जिगुहृषि. सत्यनना. हापन. कलि. थथगुलिशुगसंथिवरुयमालधकशु

नं. गथास्तुदयमालधकवददानविर्लं॥ ३९ ॥ यनलिश्रुपिकुनिनशनथास. मायाः
पुनधयाथास. मायापुनधया नामपीथउत्पत्तिरुत्तं श्रीमायादेवीचंचलाजाग्रि. शिग्रप
स्यव्यवधया नामश्रीमहादेवउत्पत्तिरुत्तं शिवसक्तिस्वरूपशयाशिविष्कारं. थगुः
थान. पुष्परुमीरुत्तं. थथयसवगुषः पुलिंगशयाशः उपध्यानयानाशचानं. थवलसः
ॐ ध्ववीषसीरुत्तं शयाशवददानकाशधक आह्लादनं. थववसक्तिपस्वरुत्तं पुलिंगशयाश
वानदयमालधकरुत्तं. गथास्तुदयमालधकवददानविर्लं॥ ४० ॥ यनलिरवशयाल
पाकुनिनशनथास. मन्नागिधयाथास. मन्नागिधया नामपीथउत्पत्तिरुत्तं. श्रीम
मलिकादेवी. श्रीकाकलाजागिनि. श्रीकुशउत्पत्तिरुत्तं ध्ववधया नाम. श्रीमहादेवउत्पत्तिः
शया. शिवशक्तिस्वरूपशयाशिविष्कारं. थगुलिथाननयसिरुमीरुत्तं. थथयस. रुगु

श्रीवज्रवन्दीदवी ५ श्री

म. पिष्टवपनिडायाडा. ना नामाधनप्यायनहयाडा. नानं. थवलसपत्रमष्टव. वसः
तायाडा. वव. दानकाडा. धकं. आरूदगं. थवलस. जिपनिसदाकोलं. वलपालडा. नाः
प. वानंदयमालधक. रू. नं. तथासुधकववदानविलं. ४१ ॥ थनंलिपनपाकृति
नडा. नथास. मलयागिनिधयाथास. मलयागिनिधयानाम. पिथउत्पत्तिरू. लं. श्री
५ कामलाजागिनि. श्रीजगद्वधयानाम. श्रीमहादवउत्पत्तिरू. याडा. सिव. हकि
स्वयंप्रयाविष्कृ. थ. गुलिथनपू. ह. मि. रू. लं. थ. थयस. सखग. न. डा. या. डा. नपस्या. या. ना
डा. नानं. थवलसपत्रमष्टव. वस. तायाडा. वव. दानकाधकं. आरूदगं. थवलस. सखधर्मस
वान. पनिसुउ. ध. वयाय. रु. यमालधक. रू. नं. तथासु. रु. यमालधक. ववदानविलं. ४२ ॥
थनंलि. नृगत. कृति. नडा. नथास. स. न. ध. या. नौ. स. पी. ०. उत्पत्तिरू. लं. श्री. उ. मा. द. वी. श्री. अ. व. इ.
थ. स. न. ध. या. ना. म. पी. ०. उत्पत्तिरू. लं.

कर्त्तुं यागिनि. श्री पावपा कंठ्य वधाय नाम. श्री महादेव उत्पत्ति रुद्राय ॐ शिवसक्तिं वृष्य
 या ॐ विक्रान्तं. थ गुलिथानना रुमिरुतः थ थायास. नडागुह ॐ या ॐ. अनगमाथनं पस्याया
 ना ॐ वानं. थ वलसप वम वसं तुष्टु रुद्राय ॐ ववदान. का ॐ धक आह्लादया ॐ. थ वलसः
 उत्पत्ति. दयक मदयक. गुरुयाषूसिरुयमालधक रुद्रानं. नथासुरुयमालधक ववदानविर्त्त
 ॥ ४३ ॥ थ नलिच्चापाल कृति नडा नथास. म नृगिधाय थस. म नृगिधाय नाम पीथ उत्पः
 रुद्रानं. श्री पूर्णद्विद्वी. श्री कलालियागिनि. श्री जिह्वास्य वधाय नाम. श्री महादेव उत्पः
 रुद्रानं या ॐ शिवसक्तिं वृष्य या ॐ विक्रान्तं. थ गुलिथानना रुमिरुतः थ थायास. नडा ना
 गपहि ॐ या ॐ. अनग. महिम् कादिह्याया ॐ सि ॐ नं. थ वलस वृष्य वीदाहीन रुद्राय ॐ धक आ
 ह्लादनं. थ वलस. जियनिस विव अगम्य अथाहा वरुयमालधक रुद्रानं. नथासुरुयमालधक
 ववदानका ॐ २

वनदानविले ॥ ४४ ॥ थनंति जडाखडापाकृतिनडा नथास. महन्धुधायाथास. महन्धुधाया नाम
आपीथउत्पत्तिरुत्त. श्रीरुद्राक्रिदवी. श्रीउर्ध्वगमधियाग्नि. श्रीगवधवधाया नाम श्रीमहाद
वउत्पत्तिरुत्तयाडासिवसकि. स्वर्पडायाडाविष्कर्त. थगुलिथानधर्मरुमीरुत्त. थथायस. लकि
डायाडा. अनगदवीह्यायाडापूजायानाडावान. थवलसपत्रमव. स्ववसानकडायाडावनरुडाधः
कभ्राह्मदयाडा. लकिनरुत्तसा. थसंसावस. आहिनेरुष्. याआवासिकु. सकलयाग. आत्मा
पूर्णायायकृयमालधक. रुत. नथामु. रुयमालधक ववनदानविले ॥ ४५ ॥ थनंति. दडापा
लाहानमालयाकृतिनडा नथास. वामपूर्वधायाथास. वामपूर्वधाया नामपीथउत्पत्तिरुत्त. श्रीरु
त्तमध्ववीदवी. श्रीरुद्राक्रिदवी. श्रीगवधवधाया नाम श्रीमहादवउत्पत्तिरुत्तयाडा. स
सिवसकि. स्वर्पडायाडाविष्कर्त. थगुथानमा. रुमिरुत्त. थथायस. कमलपुहिनि. खानदक

ओयाओः अ न ग स ग ध्र स्वा न द्वा या ओ ना नामाथ न पूजायानं थ वल्लुं ध्व वी र फ रु या अ व
 न दान का ओ ध कं आ हा द य का ओ थ वल्लसः द व ना या सित्त स पूजा कर्म सजि य नि ग र ष रु यः
 माल ध क रु नं न था म् रु रु य माल ध क व न दान विल्लं ॥ ४६ ॥ थ नं लि मा वा रु कृ नि न डानः
 थ सः हि वं ध्य पू व ध या थ स हि वं ध्य प व ध या नाम पि थ उः त्य क्रि रु तं श्री न डान वल्ल ध्व वी द
 वी श्री पू न द्रा या गी नी श्री ना व द ध्व व ध या नाम श्री म हा द व उः त्य क्रि रु या अ सि व स कि स
 नू प रु या अ वि म्का नं थ था य स पू न्य रु मि रु तं थ था य स स व ख नि ओ या ओ अ न क जि वा क
 सं ह मु ना म पा थ या ना ओ वानं थ वल्ल स प व म ध्व व सं को ख रु या अ व न दान का ओ ध क
 आ हा द या ओ थ वल्ल स म न् रु या जि हा या ध नि जी रु य माल ध क रु नं न था म् रु रु य माल ध क
 व न दान विल्लं ॥ ४७ ॥ थ नं लि ख ओ या व पि क व कृ नि न डान थ स म हा ल ऋ पू व ध या

४८

४८

[illegible]

यां अंगप्रकाशं मानसि पूजाया नां वानं थ वलसः ॐ स्ववीद्वर्षमानरूपायां
वनदानकां आह्लादयां थ वलसः दवला कया ऊरूयां संसावयानं ऊत दानवि
यां वानरूयमातृधक रूतं गथा मरूयमातृधक वद दानवित्तं ॥ ४८ ॥ थ नैतिः
हात वाकित्य न गुलिः सर्वा ऊ अरुि सकल्यः कृति न ठान थ सः ह्याया हृ गृधया थ सः
ह्याया हृ गृधया नाम पी ७ उत्पत्ति रूतं श्री हृ गृ स्ववीद्वी श्री हृ दा क्रि जा गि श्री पि ह
वः स्व व धया नाम श्री महाद व उत्पत्ति रूपायां जिव शक्ति स्व व रूपायां विष्णु नं थ गु
थ न पुन रू मि रूतं थ थ य सः अरू ग रू व व ठा यां अंगमाथ न ना ना शा ग वि या
यां अंग विधि पूर्व कर्तृ पूजाया नां वानं थ वलसः ॐ स्ववी रूफ रूपायां वद
नकां धक आह्लाद यां थ वलसः जिय निमा रू का ग न सः पी ७ पर्ति नाय क रू या

अ. संहा न क र्त्तुं शय माल ध क र्त्तुं न. तथा म्भु शय माल ध क व न दान वि ली ॥ ५० ॥ थः
नं लि थ य थ म म्भु ल स. सति द वी या स वि न या. गु या म्भु प र्णि पी थ उत्प र्त्ति श या अ. पं वा
स अ० पी थ. क य गु ली पी १ प्र म्भु र व न. सं र्था द स का टि र्था न अ० पी थ उत्प र्त्ति श
लं थ थ य स य कः ग भ्र व. कि न व. दे र्थ. दान व. ना ग. वा क स. अ व स. द स दी ग पा
ल. द्वा द स आ दि र्थ. ना व द पु र्ति निं स क ल द व ना या. प्रा हि न श या अ वा क र्त्तुं. वृ ह स्य नी
न र्त्तुं सां. ना ना मा थ न. अ ल २ प्र मा न र थ प्जा या ना अ. श्री प व म भ वी. स का ष र्थ का अ
स क ल या नं मा क वि या अ द्वा नं थ नं लि ग्व म्भु म न् क न. थ प वा स पी १ या द र्शन या न. अ
म्भु म न् ष या जी व म्भु क र्त्तुं अ. द्वा गु ली ष न् पी थ द र्शन या क र्त्तुं या. जी व म्भु क र्त्तुं अ. म ना
वा क्ति न का म ना. सि द्ध र्थ अ. म न् ष क र्त्तुं या अ. पं वा स पी १ द्वा गु ली ना प द र्शन म या क

क्रया. ऊनयार्थरूयूडा. अथवा. दर्शनमयागसाजामषून्काय. अथवा नन. थनन
 दव. लाकसवासरूयूडाधकं. वगुम्भूख. वृष्णनरुलसा आहृदयकाडागडागुरवथ
 ननरुल ॥ ॐ निगीतिंगयू नान. कंदावरव. तु. माघमा हासं श्री ३ स्वस्थ निकथा अष्टः
 माध्याय ॥ ॥ ८ ॥ थनंति. श्रीमहादवयाक. मृगकज बीवनं गालुगाडा. श्रीमहादवन
 रुलसोधिद्विदधयायमरूयाडा. सगिदवी तुंलु मकीडा. वजनकयाडा. पर्वतगलुडाथः
 पृथ्वीसज्वलतुलाडा. हायसगीरधकं हा. लाडा. मूर्द्धीरूयाडा. वानं. हनवस्त्रादयाडा. मास्
 काल. रुकतयाडा. हाप्राप्त. हायसगिधकनानामाथनविलापयाना. डा. रुलं थनंति सग
 द्विदसमीगुमलपायानाडा. रुलं थनंति हृदूयादिनस. विरूदधयाकाडा. स्वतकास्यः
 सगिदवीयासविबथडाकमदयाडा. वानसयाडा. आडागथयायधकमननं हा. लपाडाः

यूडा. हादिमालय. हलपातयवर्तनरुयाडान. थया नामपार्वटीरुलधकं नामरुतं. थन मवी
ला कया आहा ननाडा. हिमालय नरुलसां. मनस अति हर्षमानरुयाडा. अनगसामाग्रीः
गाललाकका. नानापदार्थदयकाडा. राजनयातकाडा. काटीरुद्रय. वल. मणि. मानिकयित
हयाडा. वजिष्ठप्रतिनिं अषीलाक. ब्राह्मण. रि. कृकूपनिसुद. कीलवियाडामान्ययानं. थ
वलस वजिष्ठप्रतिनिं अषीलाक नं. आहादयकलं. शपववननाजहिमालय. धन्यरः
हलपातयागय. धन्यरमनायागरुधन्यरजियनीसरागय. आशानिनीजियनिसनंयम
आनदननयस्यायाय. जययाय. हादिमालय. थक्रयावृति. अति ग्रीमहादवयारुकिरुय
डा. हापुर्वबाजः. थक्रयाववनिनंनुनि. कटिकाटि. अस्. वमावकयूडा. हादिमालय. थ
क्रयातुवति. वतुर्वज. हवनया. बानिरुयूडा. हन. ग्रीमहादवथयापुर्वरुयूडा. हापः

द्विज बाजधन्यरहन्तु या राग्यधनरक्षिपनि स राग्य आशकनाथरुल शार्धर्धन बाजहि
 मा लय आशक्तिपनिशाननला वलाविहृनधकधायाशथनअरवीलाकया आसुननाः
 शमनस अर्तिरुषमानयानाश वसिष्ठप्रहिमिअषीलाकवाक्रधयहिष्ठवाउसउपवाव
 र्णपूजामान्ययानाश वलावियाशविष्कानकर्त थनैलिवज्जिष्ठप्रहिमिअषीलाकर्तः
 आञ्जिर्वादवियाशथशर आशुमसलिरुविष्कानं ॥ थनैलियावगिनरुलसां कः
 थन शुक्रपक्रयाचन्दमावधयरुथ द्विद्विष्टियां गडाधिकरुयाशालं हनैक्रनलरु
 यसलं थक्रपावतिवालखवलसंनिसं । श्रीमहादेवयाकरुनायानाशवानं ॥ थनैः
 लिहृक्रयादिनसनाबदमूनिनरुलसां श्रीनावायनयाकविनगियागं रा श्रीनावायन
 हलपालयानागजाग्यरुयाशचाद कन्याहृक् हमा लयपर्वनयाक्रावदयाशचाद पयस्

दबी हल पात या लक्रिया सनं वानला क-वतिस बक्रन मसंश कृशस्यं वान-हल पात
याग जी ग्यशु डा का सविष्ठा हुनध क धायाडा थन ना बया राखा न नाडा श्री ना बायन रुल सां
आहा दय कलं जी जी सुवियू लाध क धायाडा थ वल स ना ब द अषी न धालं ह्याय धं ध का
स्य विष्ठा ना-जिडा नाडा थ थ थ क ना दय का डा डायध क धायाडा डानं थ नलि ना ब द मू नि
रुल सां हिमालय पर्वत या थ स थ न कल डा डा हिमालय या हु डा न रुल सां ना ब द अषी
न विन गि यार्न शो पर्वत बाज हिमालय हल पात या का च पा र्वति हु क वे कु उ ए थ श्री
ना बायन या न विस्व विष्ठा हुनध क धायाडा थन ना ब द या आहा द ना हिमालय या मन स
रुल सां षु सि रुय डा हिमालय न रुल सां धालं शो ना ब द हल पात स्य न आ म थ आहा द न का
डा जि मन स षु सि रुय धून ध क धायाडा व व न वि लं थ वल स ना ब द मू नि न रुल सां थ क :

नादय कादयकाडा. वेकू सलीहाडा नाडा. श्री नावायनयात नाबदनरुत्तसां. समायावः
 खकनाडा. श्री नावायनरुत्तसां. बसगायाडा. धन्यर नाबदधक आह्लादयकाडा. वलावियाडा
 हर्ग. थनंलिहि मात्तयनरुत्तसां. थडाआ नकं न्यादा नविययात. मात्तको सामागीनात्त नातः
 का. ऊगजात्त नसमसं. गयात्तया नाडा नाबदयागसत्तनाडा. दीनकनकत्त छायाडा. हर्नं
 तीसकाटिदवगान. यऊ. गध्व. किन्नब. देवदनव. नाग. बाऊ. अफ् बा. अयप्रतिनिंसक
 तदवगां. निमकुनायात कत्त छागं. हर्नं गुबुधुहित. आविल्लाकपनीवानकब छायाडा
 गयावयातं. थनलि श्री नावायनथ नकत्तविष्कारं वृहस्य नरुत्तसां. ऊह्यायमान नया
 वयानाडाचार्न॥ थनंलिम नानरुत्तसां थडाआ वपावृत्तिमात. अ नगति सार्न नित्य काडा
 जलिजवागयावस्तुनं पुनकाडा. बत्तमात्त नकाखाय काडा गत्त॥ थ वत्त सन नित्य कातिद

ॐ श्रीमहादेव या आवाधनाया नाशवानं थ वलस श्रीमहादेवपु गुरुयाश या लव्वनि
या आसताया डी आहादयकाश हापाव्वनी हुन ह्यायजिन आवाधनाया दाधक आहादय
काश याव्वनि नरुलसां हाथकाऊलपाश विननीयानं हास्वामि श्रीमहादेव जिनं हुलधा
लयानं आवाधनाया नामवगाका बहामष् हास्वामि श्रीमहादेव जिनं हुलधा लस्वामिनाय
मालक कुरुनायाशवाना हं ह्ववजि वक्रायाशधकं नानामाथनं धायाशविननिया
नं हनाथजिविष्णुयानक न्यादानवियनगया बयादाश जियनविस्यतायाशवाना हास्वामि
जिउध्म बयानाशविष्णुयमालधकं अनगमाथनं विननियानं थ वलस श्रीमहादेव रुलसां
आहादयकल हापालव्वनिन हक्किषनाश जि अगिसंगुषुयधून आताजिनं हुन म्मीध

यमजिजानि-कन्यादानमधूनि-रासदबीहृनंजिपूवषकायकलसा-ग्राविषूनउपदसवि
 लतावृता-तायाउपदजनकडाधर्क-आरुदयकाडा-ग्रीमाहदवकलसा-अनर्थांनरुयाडाविष्काः
 न॥**रुमिग्रीलिंगपूमान-कदावखगुमाद्यमाहासग्रीसखनिपवमत्पवकथानडाः**
माहधाय॥ ॥ ८ ॥**थनंलियाव्वीगिनरुलसां-अमिबसगायाडा-सपीपलिसनंलिनकाडा**
 मामववूयाथसथनकलडानं थवलसहमालयनरुलसांधाल-रापाव्वी-हृगडाताडावा
 नाडावा-हृननकन्यादानविषनखलरुयानं-हृमद्धकधयाडा-पादव्वीगिनरुलसां-ववा
 रुयाकविनगियानं-राववाकजिनजी-ग्रीमाहदवदरुजनायाताडावा-निषर्कन्यादानवीः
 यजनंदूलाधकधयाडा-थवलसहमालयनरुलसां-आरुदयकल॥**रापाव्वी-आमथरु**
काडा-जिनद्धधयधकधयाडानिक्रमाचाथिथिखलानाडावानं॥थनंलियाव्वीगिनरुलसां

सषिपनिस्स नलीन काडा. अन्नगधर्म कर्मया काडा इत्तं. ह नंगनिथ जाग्राडान. अन्नं श्रीमहाः
देवयामूर्त्ति दय काडा पूजायायूडा. ह नथ कृपा वृत्ती न. श्रीमहा देवजिनखामिलाय मातु ध क
श्रीसूर्य देव नायाग. जिनसाधातु अर्घ वियूडा. ह नं अन्नगडपा ज्ञानवानिडा. नुकादसि उपा
सन आदिं अन्नगवर्त्त वानाडा. नानामाधन. श्रीमहा देव पूजायायूडा. ह नं अन्नगवर्त्त सपनि
स्तुता जनयाग कयूडा. थथ गुं ना कालं स्वयया कर जनाया नाडा वानं. ह नं निवाहा बया नाडा ना
कार्त्तनपस्याया नाडा वानं. ह नं पर्व कालपति. कटि २ अशीला कयाग. शा जनयाग काडा. काटिः
र्ग दानवियाडा. काटि २ बल. महि. मानीक. रिङ्ग कयान. द्रविद्रया न. दानवियाडा. धर्मयाना
नं. श्रीमहा देव पूषमलाक. ह नं पावनिनरुत्तसां. अन्नगसषिपनिस्स नलीन काडा. नानानिथ
जाग्रायानं. नानाथयसं. नयस्यायानं. थूगुप्रका वनं पाव वनिनरुत्तसां धर्मया करव नाडा. श्रीना

वायननैरुत्तसौ. अथ नखसिद्धयाऽ. गबुजगयाऽ. संखचक्रगजपद्मं जां कां. आकासमाग्नैः
काहाविष्काकां. पार्वतीयाथसथनकलविष्काकां. श्रीनावायनैरुत्तसा. आह्लादयकल॥ हं
पार्वतीकननपस्यानजिअगिसंकाखइयधूना. धनरु. थथिदवात्तषवलसं. थथिदगयस्या
यायसामर्थदं. हापाव्वीहर्नअनगथयसनिथजाग्रायान. नानापकावर्नजिनपूजायाक
अनगवलमहिमानिकगिसानगिकां. काटिरसादानविलं. हर्नकाटिवाक्क. कटिरहि
क. कटिरअवीलाक. थपनिस्सं. नानामथनपूजायानां. हाजनयानकां. कटिरवमुक
वलमहिमानीकदानविलं. हर्ननिस्साहावयाऽ. थलाननपस्यायाक. हापाव्वी. धर्ननिमिः
र्निर्न. जिअगिसंगुत्तइयधूना. ववदानकां. धर्क. आह्लादयाऽ. थनवेकसनाथ. श्रीनावाय
नयाआह्लाभनां. पाव्वीनरुत्तसौ. हर्षमानइयाऽ. विनगियानं. हापवमथव. श्रीनावायनः

नक्रु श्रीमहादेवयागश्रीपार्वतीकन्यादानवियधकं वृष्णाविष् पुरिणिं नगिसकाटिदे
वना वानकलुछायाडा अष्टमिदीनक्रु कन्यादानविययाग गयावयानं ॥ थनलि वनुमुख
वृष्णा नरुलसां ऊरुसा लादयकाडा ऊरु आलमूयाकाडा विष्कानं ॥ थ वलसअषीलाकनवः
गुवादयदलवाडा वानं ॥ हनंमूनि वृष्णा हनं अन्नगपाथयानाडा वानं हनं वनुमुख वृष्णा न
रुलसां ऊरुया नाडा आनन्दविष्कानं ॥ थ वलस देवकन्या गन्धर्वकन्या यज्ञकन्या किन्नर
कन्या नागकन्या थयनि अन्नग वमुनपहीलया नाडा नाना बलमनिमानिक यागिसाः
नंगियाडा बलयामाला नंकरवायाडा श्रीखं लु कसबी अलगजानं कसलेपनया नाडा रु
यानं रुया थरुल हनं थसररुद्र पुरिणिंद वना विष्कानकाडा नाना वायथागकाडा अप
सवायनि प्याषन रुयाडा नाना मंगल जागयाकाडा वानं अन्नग सामाग्री थसरनयाडा

अस्ममंगलपूर्वघटं ह्यादि. असथासं. गया वया नाशतत्वं. थनं लिम ना नशत्सां. थडा पूर्णि :
 पार्श्वगिया न. अन्नगनसागु. श्रीर्वं नु. अंगजानमसत्पनया नकाडा. ना नापा न प्रनाम्रया
 व्रमु नं पुनकाडा. अन्नगवत्तमनिमाहिकं यातिसां नं गियकाडा. वत्तमाला नं कखायकाडा
 श्रीमहादेवयाथास नयाडा नत्वं ॥ थनं लिहमालयनशत्सां. महास्वत्तास. नटिस कनीद
 वगानं सा नकाडा. महामंगल जागु या नाडा. थडा पूर्णि श्रीपार्श्वगियाला हा नजा नाडा. हास. कु
 स. गयाडा. म ना नशत्सां. कमदत्त न. जलध ना हायकाडा. व्रम्मा नशत्सां. वाक या न का
 डा. ह मालयपर्व नशत्सां. श्रीमहादेवया ह न. आहादय कत्वं ॥ शविम्भम् व श्रीमहादेव
 आडा महास्वत्ताशत्. आडा थन न. थजिपू ग्रीहत्तया लया न कं न्या दानविय. कत्ताशत्ता. आ
 डा थन नहत्तया लया जाग ह. ग्वगुह. ग्वगुमदय कं ह कार्य यायमद्. ध कं धयाडा. पार्श्वगिया

सामाग्रीनाल्लानकाडी. जालाऊरकनस. उँकाबचास्यं. श्रीस्वस्त्वानीपवमज्ववधकं
आपत्तयाय. गगजलनसनानयातक. पादसउपवाबनं. श्रीस्वस्त्वानीपवमज्ववपू
जायाय. रुकाऊमध्वान. नागुपाथयाय. आसिखास्त्वा न. श्रीस्वस्त्वानीपवमज्ववयात
अर्घविय. शापाववनि. थनधूनकाडा. श्रीस्वस्त्वानीपवमज्ववयाकथनन. थनैली
चापा. अथीनमधि. चापूजजमका. चागवल अकन. चास्त्वालदास्त्वास्त्वा. चापातग्वल
चाकटग्वव. सग्वनसदिनंदयकाडा. पूबूषयातलडा. लय. पूबूखमदनसां. कायलः
अल्लय. कायमदनसां. मिगुकायलडा. लाय. मिगुकायमदनसां. थमनस. रुकामध्वान
लपाडा. गुलिकाम्नातकाबनैसिद्धइयमानधकधयाडा. नदिसंवरलपाडा. लाय. शा
पावनि. थनलिसनहि. अथिनमधि. थमनंपालनयाय. शापावनी. थधर्मवर्कयावि !

धिविधान यथ. आशयगुलिवर्द्धदश. थवलसहनक. अथिनमधिकाय. ज्ञानकंज
 गदि. धव. आमहादवहनकविष्काश. निश्चयनं. शापार्वतीहननपस्थानंजि अगिखमिरुः
 यधना. गथा. मु. हनकायाथं आमहादवहनस्वामिरुयमाल. शापार्वतीथम्. श्री ३ स्वस्थानि
 पत्रमंथयाधर्मवर्द्धयाविधिपूर्वकनकनधून आशजिजानन. लाधक आह्लादयकाश. थ
 नवि. अतवमूर्ति. श्रीनावायनया आह्लादनाश. मनसश्चिह्नस्वमानया नाश. श्रीनावाः
 यनया चवनसंशोकपूयाश. पार्वतीनरुलसांविनितियार्त्तं. शापत्रमंथवश्रीनावायन
 धन्य २ हलपाल. धन्य २ जिह्वाग्नयनपया. हलपालया कृपानं. थथीम्. श्री ३ स्वस्थानिपत्रम
 धवयाधर्मवर्द्धनधूना. आशहलपालनिपूजायायधककायाशपार्वतीनरुलसांधाउ
 सउपवाचनं. श्रीनावायनयागपूजायार्त्तं. नानापकावर्जपूजामान्ययाकाश श्रीनावायन

यावन्नसहकपूयाडा. मनस अतिहर्षमानयानाडावानं. थनलि श्रीनावायनरुत्तसां. पा
ववतिपूजामानकायाडा. अननं अकधनरुयाडावेकं थपूजीसविष्कारनं ॥ ॥ **॥ निश्र**
लिंगप्रवानकदाष शुमाद्यम हास श्रीरुखस्थानिकथा दसमाध्याय ॥ ॥ १० ॥ थनंलि
पाववतिनरुत्तसां. श्रीनावायनया आहूथं. अन्नगसविपनिस्यनलीनकाडा. पाष शुक्र
पूर्वमासिकृद् श्रीरुखस्थानिपवमं धवयाधर्मवृत्त आलम्बयानं ॥ थकृद्निस्यं गत्य श्रीः
नावायननं. आहूदयकल. अथपार्वतीनरुत्तसां. नृकमनया नाडा. रुक्मिण्यैव कनं ॥ ॥
वयाकमनतयाडा. महास्त्रिया नाडा. निरुक्तिनसाधालमात्तद्रुयाडा. अतिनमयानाडाः
मध्वनवलस. श्रीमहादेवपूजायानाडा. लक्ष्मि नथगुलिधर्मदकाडावानं. थनंलितुष्टिसं
पूर्वदयाडा. माघशुक्रयापूर्वमासिकृद्. अन्नगसामग्रीदयकाडानावापदार्थदयकाडाः

५२
६२

सगच्छि व्यापा अथिनमधिःखादिंदय काडा. गंगल. श्रीखलु. वक. वदन. कप. व. कमु. व.
नानासंग. खलान. व. दनादि. सिंधू. व. पृष. धूप. दिप. नै. वा. य. रु. ल. रु. ल. नाम्. व. अ. क्रु. न. प. क.
उम. न. ग. व. उ. व. ल. व. म. द. क. ल. म. र. व. स. द्वि. सगच्छि व्या रु. ल. दा. रु. ल. खान. उ. उ. म. का. र्. या. दि.
नानाय. दार्थ. दय. का. डा. द. क. स. र्. वी. प. नि. स्या. लि. न. का. डा. मा. य. गु. ल. या. पू. न. मा. सि. कू. र्. श्री. ३. स्व. स्था.
नि. प. व. म. अ. व. स्था. य. ना. या. ना. डा. द. क. र्. द्वि. य. वि. दा. डा. र्. अ. व. या. क. वि. रु. न. या. डा. वा. उ. स. प. वा.
व. र्. न. श्री. ३. स्व. स्था. नि. प. व. म. अ. व. प. जा. या. ना. डा. पा. र्. व. नि. न. रु. ल. र्. सां. थु. गु. लि. ध. र्. म. व. र्. या. ना. डा. वि.
स्कर्. नं. ॥ य. नं. लि. थु. गु. लि. आ. डा. स. व. स. स्व. र्. स. ना. व. का. स. व. म. ही. वा. स. व. रि. प्. ना. स. व.
धा. या. ना. म. दे. र्. य. नं. र्. दु. पु. रि. नि. न. नि. स. का. टि. द. व. ना. डा. स. ग्री. म. स. उ. य. प. वा. य. नं. र्. त्या. ना.
डा. ना. व. का. स. व. धा. या. ना. म. दे. र्. य. नं. रु. ल. र्. सां. स्व. र्. म. धा. या. ना. ल. नि. र्. व. नं. ना. उ. या. दा. डा.

४२

पद्म आनन्दनं वाञ्छेत् कृमानया नाशवानं ॥ यन्नं लिदं निसकटिदवना. नाया वाञ्छेत्
नरुलसां मनसालपात्तं. आशानुनिपापिषु नावकास्व. भावकयाग. कावनदन. गत्यध
लसा. हमात्यपवर्तनया आचपावर्तिनरुलसां. ग्रामहादवपूषलायनिमर्त्तिन. ग्री३ स्वस्वा
नियवम. अबयाधर्मवर्त्तदना. आशानुमहादवडा. पार्वनीशग्रीपूषस्वस्वडा. थवत्तसपा
वर्तीयाकपूषजगडा. थमवात्तवनिनि. थपापिषु नावकास्व. भावकयूडाधर्क. थवः
तसनिनिजिन. अमवावनिनि. कायाश. यम. आनंदनवाञ्छेत् कृत्तपदयूडाधकमननल
तयाश. निसकाटिदवना. वानकलह्यायाश. दववाञ्छेत् नरुलसां. दवलाकया रुशानः
आहादयकल्लं ॥ हादवलाकजिगुखरुडा. धलसा. नाकावदना. पापीषु नावकास्व. नः
मिजिस. अम. तवनिनलाशानल. आश. थपापीषु नावकास्व. सर्वहावयायनउपायदन

५२
६३

द्वधलसा. हं मा लयपर्व नया क्रव. पार्वनरुलसां. श्रीमहादेव स्वामि लायनिमिर्त्तिन श्रीः
इत्यस्त्वनियत्रमं च वयाधर्मि वर्त्तनदन. लादेवलाक आडा श्रीमहादेवडा. पार्वति डा विव
हा नरुयडा. थ वलस पार्वतिया केन पृगजागरुयडा. थ वालखननि निपापिष्ट नावकाः
स्वभा. मावकयडा नि अयनधक. लादेवलाक आडा श्रीमहादेवडा ग्रापथसविष्का नाडा
सतिदविष्कायाडा. अरुनक बइ इत्ययडा. डायाय हं मसियाडा. कामक्रादला रमाहनालः
नाडा. दक रुद्रियविष्काडा. साग्वलमिर्वागिसियाडा. पदं वक्रयाधनया नाडा. महाकस्त
नं. नयस्याया नाडा विष्काग. लादेवलाक आडा. थक्रजगदि अयव. श्रीमहादेवजागरु नाऊयू
कयाग. हुउपाययायमाल. आह्लादस्यविष्का हुनधक. रुद्रनरुलसा आह्लादयकलं. थन
देवनाऊ रुद्रया आह्लादनाडा. ननिसकाटिदेवना नरुलसां आह्लादयकलं. लावाऊवाऊ

५२
६३

दुधन्वर हलपालस्य न श्राद्धदय कारव. सग्नर नैरव श. शादव. ताक श्राडा श्रीमहादव जागर्हना
शयकस्य सांसा मथ मइ. शा बा ऊ ज्व. कामदव गा हृ म् वाहिकनं. भवदव गा यासू या गम्य मइ
शादव बा ऊ. थन निमिहिन कामदव ह्या या डा. श्रीमहा वया हृ दयस. पूष्य वलानं. पु दा व या
ग कि डा. थ वलस श्रीमहा दव या ऊर्गर्हना शयू डा ध क ध्या डा. थन दव. ताक या शाखा न ना
डा. गला वनं वायू दव गा ह्या डा. कामदव गा वान कल ह्या ॥ थ वलस न ग् का वनं काः
मदव गा वाना डा ह्या ॥ थ न लि कामदव न हलसां. दव. ता ऊ न्द्र या वनस शा क प्या डा वि
न गिया गं. शादव बा ऊ ह् निमिहिन. वायू दव गा ह्या डा ह्या डि वान कल ह्या. का वन ह्
ध क ध्या डा. थन कामदव गा या. शाखा न ना डा. न्द्र न हलसां श्राद्धदय कल. शा कामदव
भव गा का वन हलपाल वान कल ह्या मष्. ह् निमिहिन धलस उ ग्रायं थस श्रीमहादवन

काम क्राद. ला. मा. ह. थ. सम. स. ग. ल. ग. ल. ना. डा. द. क. र्. य. वि. का. डा. प. वं. वृ. म. या. ऊ. प. च. न
 नय. स्या. या. डा. डा. वि. म्. ना. थ. म. हा. द. व. थ. थ. न. या. न. ग. थ. थ. वृ. म्. द. व. डा. ऊ. यू. डा. हा. काम. द. व. थ.
 न. नि. मि. र्. नि. नं. ह. ल. पा. ल. वा. न. क. ल. रु. या. हा. काम. द. व. अ. डा. ह. ल. पा. ल. उ. ग्रा. पं. थ. स. वि. म्. ना. डा. ग्री.
 म. हा. द. व. या. ह. द. स. ना. न. कं. पू. ष. वा. न. पु. हा. व. या. ना. डा. जा. ग. र्. ऊ. य. कि. डा. हा. काम. द. व. थ. लि. न.
 नि. स. को. टि. द. व. या. म्. ना. डा. वि. म्. ना. डा. हा. काम. द. व. थ. न. नि. मि. र्. नि. नं. ह. ल. पा. ल. वा. न. क. ल. रु.
 या. च. क. ध. या. डा. थ. न. द. व. ना. डा. या. आ. ह. रु. ना. डा. काम. द. व. न. ह. ल. सी. आ. ह. रु. द. य. क. ल. हा. द. व. न.
 अ. व. स्य. नं. ह. ल. पा. ल. स्य. न. आ. ह. रु. द. य. का. थ. जि. न. ह. ल. सी. उ. ग्रा. पं. थ. स. डा. ना. डा. पू. ष. वा. न. पु. हा. व. या.
 ना. डा. जा. ग. दि. थ. व. आ. म. हा. द. व. जा. ग. र्. ना. ऊ. य. ध. क. ध. या. डा. र्. या. व. व. न. स. हा. क. पू. या. डा. व. ला. क.
 या. डा. थ. डा. क. ला. न. व. नि. वा. न. य. ना. डा. अ. न. नं. उ. ग्रा. पं. थ. स. डा. न. ॥ थ. नं. लि. काम. द. व. न. ह. ल. सी. आ. म. हा.

६४

६४

दवया असत्यनकलता नाशदववा रुद्रया आहूथं याननं श्रीमहादेवया नमस्का वया नाशः
धनुषणा कावसदयकाशः लिपुंगसवलाइयाशः कसपाटत्यनकैः लिपुंसा लाशः श्रीमहादे
वयान्गलसलागकैः पुष्पवाननं प्रहा वयानं ॥ थवलस श्रीमहादेवया हृदसपुष्पवाननं क
याशः श्रीमहादेवजागर्गनाशुर्न थनं लि श्रीमहादेवनशुलसां थडाकपुष्पवानप्रहा वयाक
सायाशः अश्वककोटया नाशः स्वगलमिखा नमिपिकाशः तातकासां नगकावर्तकमदवरस्म
इयाशः थनं लि कामदवरस्म इशः सायाशः कामदवया कलातः वगिनशुलसां अगि विला
पयाशः श्रीमहादेवया कडाशः काशः ववनसं हाकपुयाशः विनगियागं ॥ हापवमज्यव श्रीमहादेव
जिस्वामियाहं दावमइ रुद्रया आहू नं थका जिस्वामिया नसलनाशः पुष्पवाननं प्रहा वयातक
लहाइगनायकजिस्वकाशः दयापुसन्नइयमालः हाससिस्ववः आशः जिविधूशः मयायमगं हाशः

गदिः ॥ बजिस्वामिकामदवडा हानकाडा प्रसन्नरुस्यविष्कायमव. शादिषधुजजिनस्वामिववदा
 नविस्वविष्कायमल. शाहकवत्सव. दुलपात्तया चवनस. काटिरनमस्काव. शागिनयनदुलग
 थिदधालसाइसंहावया नाडी. साधूपनिबकाया दैविष्काकम्. थथिष्का ३३ ॥ ३३ ॥ वयागं. कोः
 टिरनमस्काव. शायवम ॥ ३३ ॥ बजिथथिदमिसाजानिनं दुदुलपात्तयागुनियायकूयूअ. दालहि
 म्गुथूलाडावानकसष नागयांगं म्यमइ. जिवदुलयादुसामथदयूअधकं. अन्नगप्रकावर्गः
 विलापयाकाडाविनगियागं. थवत्तसवगियाविनहलखानेकाडा. अगिकबूधचायाडा. श्री
 महादेवनरुलसां. आसूदयकलं. शावगिदुनविलापयाकखयाडा. जिअगिकबूधचायधून
 हर्नदुनगुनियाकरवनाडाजिसं नास्वइयधूना. शावगिआडा. थगुलिजन्मस. दुनस्वामिकाम
 दवडा हानमदगा. ॥ ३३ ॥ वत्तसधालसा. सखधूनकाडा. नगीरुगयाअकवस. हापलरुगयाशाग

६५
 ५५

६५

इयूश. शवलसपर्वं वृक्षश्री नानायनरुक् अवगावकायूश. शवलसदृशनायतायिश
थवलसगिनि हानदयूश. शानिआशकुलिदाहनिधर्क आह्लादयकाश. थनश्रीमहादवयाः
आह्लादनाशानि नरुत्तसौ. मनस आनंमया नाश. श्रीमहादवया चननसंशकपूयाश. वलाः
कयाश. थश कलि हाशर्न॥ थनंति श्रीमहादवनरुत्तसौ. सनिदवीयाभावकुत्तमदाशना
नामथनंवितापयानाशविष्कर्ण॥ थनंति. श्रीमहादवनरुत्तसौ विरुधिर्जयानाश. सनिदः
वीयाजिशगनजन्मकालशानधधर्क मनसरातपाश. ध्यानदृष्टिनखसविष्कर्ण. थवलससनि
दवियाजीश. सिमात्तयप द्विगयापुगिशयाश. जन्मकालशानधर्क. ध्यानदृष्टिर्नशायाशविष्कर्ण
आशथक्रपावर्णीनजिपूषकायनिमिर्त्तिनअनगनिथजा ग्रायान. अनगदानपृथयागः
अनगनस्यायाक. अनगवर्द्धन. हर्नअनगप्रकावर्नजिनपूजायाक. हर्नश्रीस्वस्नानिजपन

म ग्व वयाधर्मवर्ग आदि नंदनधक ध्वा नदृष्टि नसियाडा. थ न आडा जिनी पा व वरुहिया वनी म्र स
 यधक मनः शाल पाडा. ग्राम सा देवनरुत सा. नू न्रया शेष कायाडा. वज जा ना डा. नेला वन किसि
 गया डा. पार्वणीया धर्म दकाडा. चानय सथ न कल विष्काने. थ न लिपा वनी नरुत सा वर्ग संपूर्ण
 याना डा. ग्री ३ स्वस्त्वा नियम म ग्व वया न. अर्ध जा काडा धाले शा ग्री ३ स्वस्त्वा नियम म ग्व व. हल पा
 जि न ग्री म सा देव हृक् प्र नूष या कं प्र सने रुय मा. शानी नंज न नि वा का व. हल पा लया व व हर्स
 कटि २ नमस्का वध क ध्वा याडा. अर्ध विले. थ न लिपा वनि नरुत सा ग्री ३ स्वस्त्वा नियम म ग्व वया
 जप ध्वा न संपूर्ण या ना डा. अ न ग सु गिया नं ॥ शा ग्री ३ स्वस्त्वा नियम म ग्व व. हल पा ल रुय डा दः
 वया न. देव रुया विष्क क क. थ यि न क्क र्ग ग्व वया नं कटि २ नमस्का व. शा प म ग्व व. धर्म याने. ध
 म मूर्ति क्क. हल पा ल. व क्का विष्क. म ह ग्व व ध्वा या क्क हल पा ल. रुने ग र्हि स्तोमी. सहा वया क क्कः

हृत्पात. पंचम हा रू ग धाया र्क हृत्पात. सत्व गुह. गभा गुह. थसा गुह हृत्पात. अगम इ.
आदिम इ. गुणिम इ. लाहानं म इ वरु म इ. थर्क हृत्पात. वि र्धं म वरु र्क हृत्पात. हर्नं म
नूक्या नूगल सविष्का नाग. आत्मा पूव ख रु या ठा. पाप पू ध्या सा छि रु या ठा. विष्का क र्क हृ.
लपात. हर्नं आदि पूव ख हृत्पात. काल ख वृ प र्क. हृत्पात. वृष्का दुध यां र्क हृत्पात. राप
व म म व हृत्पात या मु निया य साम र्थ म इ. राप व म म व हृत्पात मु निया य व गु मुख वृष्का
यां साम र्थ म इ. स व उ व नियां ग म म इ. हर्नं दाल छि म्मु गुद या ठा. चा र्क सख नाग यां ग म म इ डि
इ द र्क. रा ग्री ख स्त नप व म म व. हृत्पात या व व न र्क. स ह म का ठि २ न म स्का व. रा र्क म
व ग्री म हा द व हृ म्म जि न स्वा मिया क पु स न रु स्य विष्का य म ल ध र्क. ना ना मा थ नं मु निया का ठा. चा
ठ व ल स. र व धा नी ग्री म हा द व रु ल सां. त्रे ला व नि कि सि ग या ठा. व रु जा का ठा. पार्व निया हृ.

६७

डा नथन कलविष्कानं ॥ थ नंति पार्वणि नरुलसां दव वा ऊं मु डा डा ख ना डा ॥ आ ह्रा दय
 कलं ॥ शां ॥ दृ ॥ इ नि मि र्ति नं ह्रु न था ल थ न विष्काना का व न ह्रु ॥ आ ह्रा दस्य विष्का ह्रु न ध कं धा
 या डा ॥ थ नं पार्वणि या रा खान का डा ॥ दृ ॥ र स ॥ श्री म हा द व रु ल सां ॥ आ ह्रा दय कलं ॥ शा पार्व
 नी ॥ ध न्य र ह्रु ॥ ह्रु न रु कि ख ना डा जि अ गि सं गा ख रु य धू ना ॥ शा पार्व नी ह्रु न श्री म हा द व पु न्
 ख का य नि मि र्ति नं ॥ अ न ग र्ति र्थ जा ग्रा या न ॥ अ न ग दा न पु न या न ॥ श्री स्व स्था नि य व म ग्ध न
 या ध र्म व न ॥ आ दि नं ह्रु न द न ॥ ह्रु न ह्रु सा स्यं म हा द व पु न् व का य न ना ॥ म हा द व जां डा य थू का
 अ गि गि ना हा व ॥ ह्रु न पु न् व का य ॥ रु ल सा ॥ स्व र्ग या वा जा ॥ जि पु न् व का डा ॥ शां ॥ मु द वी ॥ थ व ल
 स ह्रु ने ला क या वा नि रु य डा ॥ शा पार्व नी थ न नं ॥ म हा द व रु ज ना या य मू म्ब ल ॥ जि क रु ज ना या
 डा ध कं ॥ र ष धा वी ॥ दृ न रु ल सां ॥ आ ह्रा दय कलं ॥ थ न र स धा वी ॥ दृ या रा खान का डा ॥ श्री पा

६८

य क

वर्गी नरुलसा अरु न व्रीह या काडा-आहृदलं॥ रापापिष्टद व वाज-आडाजिन न न ग अः
हिस वापवियरु ध कं-रापापिष्ट सा डा र जि भ थिं क ग्री ३ स्वस्वानि प न म अ व या ध मी
द का डा वा का था स, ग्राम हा द व यार्न अ न ग मा थ नं निं द्रा या का डा-वा ल विया डा-जि थ स
वा ना डा-थ थि गु अ न म्म ख द्वा न डा ल-रा पा पि ष्ट द व न्द्र-आ डा जि नं गु प वि य रु डा ध कंः
आ हृद य का डा-थ न या वर्गी या रा खा रु ना डा-र स धा बी न्द्र न रु ल सां आ हृद य क लं॥
रा पा वर्गी ध न्य र हृ ध कं-हृ न च बी द्र सा य ध का डा-जिन रु लं सां-न्द्र या र स-का या डा हृः
न य बी अ सा य धू ना-रा पा वर्गि-ध न र हृ-जि रु लं दु म ष् ग्राम हा द व थू का-स्व डा र जि गु म्
र्हि ध कं-रा पा वर्गी हृ न न य सा न जि अ नि सं ना ख रु य धू ना-आ डा हृ न जि न न या डा न या
गु अ थि न म धी हि डां ध कं-आ हृद य का डा-रु न्द्र रु स ना ल ना डा-थ डा म्हि ध ल ल पा डा क

नं थवलसश्रीपार्वतीनरुसां मनश्च निहर्षमानयानां सागदास्यं श्रीमहादेवजी
 वपसविष्कानां काटि २ सूर्यप्रकाशकृत्यार्थं जातु न न विष्कां कस्ययां श्रीपार्वती
 नरुसां मनसश्च न हर्षमानयानां श्रीमहादेवया ववनस शकपूयां श्रीः
 सूर्यनक्तिनां श्रीहृदयकलं शास्वामिजगदिश्वर धन्यशक्तिग्य नंखाया शास्त्रं श्वबद्ध
 लयालुस्वामिनायनिमिर्निर्न श्रुतमिथं ज्ञाया नाश्रुतगदानपुंथयादा श्रुतगध
 मिया नाथथनं हलयालुदजनमइ हनं श्रुतगपस्यायाना श्रुथनं हलयालुदजनमहा
 क शास्वाथथवा नावलास वेकूंथनाथश्रीना नायन थनथनकल विष्कानां जिनश्रुति
 रुपायादां प्रसनरुस्यविष्कां शास्त्रगदिश्वर थक्र श्रीना नायन नं जिनववनदानवि
 ल शास्वामिद्ववनदानधालसा हलयालुस्वामिनायमाल धकं श्रीस्वस्वानिय वमश्व वः

याधर्मवृत्तु. जिगडपदसवियाडा. जिगडधन्यानाडाविष्कानं. लास्वामिग्रामहादवध
मिवगुयाप्रणवन. ग्रानावायनयारुपान. हृत्पात्रपुत्रखलाका. लास्वामिआडाथधर्म
वृत्तयापुष्टन. जिमनावथपुष्टरुलाधनरजिराग्यनैवाया. लाप्ररुग्रामहादव. आडा
थअधिगमधि. हृत्पात्रयानवियमजिडानिधकं. धन्यादान. धूनकाडाविय. थनः
नआडा. जिबुवृक्षयाथसडाभन्याधकं. आहादयकाडा. अन्नगसविपा. नीसनैलिग
काडा. ग्रामहादवसहिगनं. हमालयपर्वतयाथसविष्कानं ॥ ॥ थनैलिपर्वतनाऊह
मालयनरुलसां. ग्रामहादवविष्काकरवनाडा. हमासनैडापदनाडा. ववनसंराकपूः
याडा. पालिवायकाडापादार्ध. हस्तार्धवियाडा. रिगुसिंहासनसविष्कानकाडागलं ॥
थनैलि. हिमालयनरुलसां. मनसअग्निआनययानाडा. थडापुत्रियाग. ग्रामहादवपु

ब्रह्मलाकरवनाशमनसअतिहर्षमानयाकाशः यथाकलानमनायाहुताभशूलसांश
 हृदयकलं ॥ राएयमनाधन्यरहन्नतागधन्यरहन्नपूणिपावनिगयागध. हनरूलसांश्री
 महादेवथिम्भजिलाजनलाक. हलपूणिपावनीयाशूलसांश्रीमहादेवथिम्भस्वामिला
 क. राएयमना. आश्रीमहादेवयान. पावनीकं न्यादानविययाग. मालकासामाग्री
 गाललागकिशधक. आहृदयकाशः यथैस्वामिहामालयया. आहृन्ननाशः मनानरूलः
 सां. नग्वर्नमालकासामाग्रीनयावयानं ॥ यनैलिहमालयनरूलसां. वसिष्ठपुरिनिंशं
 पीलाकेवानकलह्याशः दिनसागकाशः यनलिस्यसाकटिदवना. यक्रगंधव. किंनव. देः
 न्य. दानव. नाग. नाकस. अष्टवस्. दसदिगपाल. अषसना. नादपुरिनिं. स्वर्ग. मध्य. पागाल
 स. दक्षदेवतानिर्मेगनायागकलह्यं ॥ हनैपृथीसदकब्रंभनवानकलह्याशः अष्टमिदि

धनरजिह्वाग्धनंखायः कलपात्तयाचलनसंक्रांठिनमस्कावः शाश्वतानावायनः जिनवन्दनमव
नाह्मनामयलः श्रीमहादेवद्वन्द्वकाः जिनस्यामियानं प्रसन्नरूपमालजिनवत्तदानत्थन
नं गमकधकधयाशः धनं पावर्णिग्याराखादनाशः श्रीनावायनरुत्तसां आह्लादयकर्त्त॥
रापावर्णिगीजगदिध्वनः श्रीमहादेवप्रबलायकलसां जिनं कनकडाः रापावर्णिगीः समस्तवर्त्त
यासिनं उरुमः अन्नगणपस्यायासिनं गडाधनः अन्नगणिथजाग्रायासिनं महापूजः दक्षप्र
नं यासिष्ठरुयाशः वादः श्रीस्वस्थानिपवमध्वनयाधर्मवृत्तद्वन्द्वनदडाः रापावर्णिगीः धगुलिः
धमवर्त्तमाप्ररावनः छनकं जगदिध्वनः श्रीमहादेवविक्रायडा निध्वयनधक आह्लादयः
काशः धनं श्रीनावानया आह्लादननाडा पावर्णिगिनरुत्तसां अरुन्धसिष्ठरुयाशः धर्त्तः रात्ताकना
थ श्रीनावायनः धधर्मवर्त्तियाविधिविधानथरद्वन्द्वसामाग्रीदयकमालः समस्त आह्लाद

१०

स्पविष्ठा दूतं धर्माया शयनं पावनीया राखा दूना शीना कायननरुलसां आहः
 दयकलं ॥ शोपावनी नृकविहू यकमनया नाद शधकं द्रापापोख मुक्रयाप् हू मासिक् दूः
 थधर्मवृगज्ञान थकुनिर्स्प लि लूसिधन का शानि ^{यानां} शिन्नसाया लसना नयाय मध्मा नव
 लसजगदि श्व ब श्रीमहाद वप् जायाय नृकविहू नृकरकि पूर्व कर्न लछिगा श्रीमहाद वप्
 जायाय थनं लिमाघ मुक्रयाप् हू मासिक् दू अन्नगसामा ग्रीवय का शधर्मिदन गंग ऊतः
 श्रीखतु बका वन्दन सिंधू ब नानासर्गं श्वखान धूपदिप नेयय रुलरुल यक्क शान नाम्
 ल कम्पु ब कर्पूल ग्व ब द क्र हा वम्पु आदिंदयक हनं सगक्रि चापा १०८ अथिनमधिदयक
 सगह्रि चापल १०८ अक्रि नदयक सगक्रि चापल १०८ द्वाहासा नदयक सगह्रि १०८ प
 जजमा कादयक सगह्रि चापा ८ १०८ ^ल दयक सगह्रि चाकूट १०८ ग्ववदयक थनं

१०

लाहानजा काडा. हासु. कसला हा नी नं जी ना चानं ॥ यथ हिमालयया राखा दकाडा. श्रीमहाः
दवनरुलसां. हुगांधयमहालाडा. लखाचायाडा. काहुनाकाडासुमकं विष्कानं. हनं वृष्णाः
विष्कं. रुद्रप्रतिनिं. गटिसकाटिदवगां. यक्र. गधर्व. किन्नर. वसिष्ठप्रतिनिं. अषी. आदि
नं. थपनिस्यनं. थथ. अथधकसुनानं. हमालययान. जवायवियसु रुयाडा. थनंदवगां का
हुनाडासुमकं चानं ॥ यथ चानवलससखलाकनं श्री नाबदमृनिविष्कानाडा. सतिदविषा
हालनजकुथानाडा. श्रीमहा बुद्रयागीन. ववलपाडा. प्याखन हयाडा. पर्वबाजहमालयया
थसविष्काकाडा. नाबदमृनिनरुलसां. आहृदयकलः. रापर्वबाजहिमालय. आभापावृति
दवि. जगदिश्वर. श्रीमहादवयानकं न्यादानविहृन. हृत्पालयामनमहुसंखानयममला
ग्वक्र. श्रीमहादवयामायान. सिद्धि. स्थितिसंहादयकाडागल. रावलसंसीहावयायूडा. हनं

प्रश्नाविष्म म हं अ न ध कं कृ म न सा म म र्मि रु या डा वि म्मा क म्मा थ पि म्मा आ दि प् न्ख या मा म्मः
 मद् व व् मद् ग्व र्म मद् आ दि मद् अ न्म मद् स र्व वा पि ध य थ म्मा ग्री म हा द व थू का रा प र्व वां
 ज हं मा ल य ग नि स को टि द व या आ जा रु धा या म्म थ म्मा ग्री म हा द व थू का ह न व नु र्द स र्
 व न स अ न ग आ त्मा द क म नू रु या आ दि द क व रु पा खान किल य न्ग थ प नि स ह द
 य स वि म्मा ना डा पा प प् थ य या सा क्री रु या डा वि म्मा क म्मा नि र्व ज न नि ला का ल धा या म्मा द क
 प्रा मि या जि व या जि डा न् थ म्मा र्ग व न रा ह मा ल य थ म्मा आ दि ना थ र्ग व न ग्री म हा द वः
 या म हि मा जि न ग थ क्रा य दाल हि म्मा गु थू ला डा म्मा स ख ना ग यां ग म्म मद् ह न्म जि पि ना च
 गु र्म ख व्र म्मा पा सा म र्थ मद् जि ह्म द य् डा रा ह मा ल य ध न्म र ह्म ल पा ल या रा ग्ध ध न र म नाः
 या रा ग्ध आ डा वि ल म्मा य म न वं ला रु ली न का व र्म कं न्वा दा न वि ह्म न रा ह मा ल य ग्री म

हा देव या न. आभा पावती कन्या दान विह न. धर्क आह दय का डा. थ न ना बद या आह द ना डा
ब्रह्मादि देव गान न. ध न र ना बद धर्क. द क देव गान न स्फु गियार्न ॥ थ न लि पर्व न बा ज हि मा ल य न
रुल सां. मन स अग्नि हर्ष मान या ना डा ब्रह्मा पु रि नि दे व ना. अ पि लो क न. व द पा न न या न का डा
च द सूर्य सा हि था का डा. न टि स को नि दे व ना आ ना ना य न प्र रि नि स क ल दे व ना या रु न न या डा
अ न ग गी न वा य था ट का डा. पा ख न ह य का डा. ना ना मं ग ल जा ग या ना डा. थ डा स्मि म ना नं ज ल था
ना हा य का डा. ना बद या आह थ. अ भू मि दि न कू ह. म हा स्र व ता स. श्री म हा दे व या न. ह म ल य
प र्व न न रु ल सा थ डा प्र रि पा व ती क न्या दान वि ल ॥ ॥ क मि श्री लिं ग पु बा न. कं दा व र
हु मा घ म हा ले. श्री सु ख स्ना नी प व म म्ब व त्र का द ग मी ॥ ६० ॥ ११ ॥ थ न लि श्री पा व ती
न रु ल सां श्री म हा दे व र्ख चा क ल उ ला डा. पु ष्य मा ल नं क षा य का डा. व व न स रं हा क पु या डा. अ

भगप्रकाशनैपूजायानाडा श्रीमहादेवयाम्ब. दर्जनयानाडा पद्मभानन्दनयानै. ॥ थनैलिहमा
 लयपर्वनरुत्तसांभीनावायनआदिनैवृक्षादिदेवगानै. यद्दसिंप् ह्यागकाडा. अन्नपुकाव
 तषाउसउपवानतपूजायानाडा. नानाप्रदीप. शाऊनयागकाडागल. हनैवसिष्ठपरिणिअवी
 नावदपुमुखनम्निताकवाक्का हलाकषाउसउपवानदीपूजामानयानाडा. शाऊनयागकाडा
 काटिरस्वर्गदक्षविद्याडा. कटिरजोदानविद्याडा. थमनैरुयाथरुकि ग्रधानैपूजायानै. थ
 वलसवृक्षादिदेवगानै. वसिष्ठपरिणिअविलाकनै. हिमालययाहकिरावस्वयाडा. मनस
 अग्निष्मिन्नुयाडा. आरूदयकल. शापर्वनहमालय. धनैरुत्तपालयागम्. धनैरुत्तपालयाग
 गम्. हुत्तपालसमानरागम् डाक. थस्वकेदीपसंज्ञक. धनैरुत्तपालिसरागम्. शापर्वननाऊहप
 निसजमकालुतायायाहगार्थकल. श्रीमहादेवथिक्क हुत्तपालयाजिताऊनरुत्त. धनैरुत्तमाना

यागश्च शोपर्वणवाजकस्य विष्णुसविष्णुश्च नृगमषून् श्रीमहादेव-लक्रिरननस्यायानां नंदर्जनला
यमइ-काग्यश्च नृपनिसे नध्वाननं नृत्यकं मरु-थर्थिष्णुपिनाकध्व-मी-श्रीमहादेव बहुलपालया
पुनिपार्वणीयास्यामिशूल-राहिमालयधन्यर-दुलपालया राग्य-दुलपालसमानराग्यश-कम
वस्मइ-शोपर्वणवाजकस्य मालय आताजिपनिडा नन-लावलाविष्णु नध कनटिस कृतिदेवगान
आरुदयकाडा-थन श्रीनावायनपरिनिंद कदवनाया-आरुननाडा-हमालयन इलसां-व
क्रादीदेवलाकपविष्णुप्रणिमनीथन देवगोपूजामां नयाकाडा-वलावियाडालिहाविष्णुक
लं॥ थनीलिङ्गदुप्रिनीनटिस कृतिदेवगान-हिमालययापूजामानकायाडा-आसिबीदवि
याडा-ब्रह्मा आदि-ननिसकृदिदेवना-यक-गधर्व-किन्नल-देव-दानव-अपसवानावदपुत्री-
निंअवीलाकसकलाथडा रथासविष्णु न॥ थनीलिपार्वणीन इलसां-श्रीमहादेव याग-सग्वनसहि

वनंदय कांठा. व्यापा अथितमधी. व्यापू जम का. व्या ग्वल अरु. व्या झल हा झल खान. व्या पा न ग्वः
 ल. व्या कु न ग्व व. थनं सहित नंदय कांठा. श्रीम हा देव या न ल अ. झल नांठा वी लं ॥ थ नं लि श्री पा वृत्ति न
 झल सां. स ग्व न ल अ. झल नांठा. श्रीम हा वृद्ध या व न दस श क पू यांठा. आ हा दय क लं ॥ हा पुर श्रीम हा
 देव धन्य रजि हा ग्व नं खा या. थला थ का द न. झल पा ल पू न्ख का य नि मि र्ति न ना ना ध म्म दे का
 अ न ग न प स्या या ना. अ न ग थ य स गि थ जा ग्रा या का. अ न ग दा न पू न या का. अ थ नं झल पा
 ल द ल ग न म द्. आंठा थ नि गि नि क ना थ र्जि. हां अ न. श्री ना बा य न य उ प द ग नं श्री उ ख र्द नि
 प न म्म अ न या रु पा न झल पा ल थि क्क पू न्ख ला ना ध न्य रजि हा ग्व नं खा या. हा पुर ज ग दि अः
 व श्रीम हा देव. आंठा जि न द या प स न रू यांठा. थंठा दा सी हा ल पांठा. कृ पा या दं वि क्रा य मा ल. हा
 आ दि पू न्ख. ह नं जि नं न्ना प या य नं का द स वि क्रा ह नं दू धा ल सा. झल पा ल या रु पा न जि न थ ग्

देवपार्वतीनिम्नसर्वां वनसंराकपयाशः श्रीस्वस्त्वनियवमभ्यवयाधर्मवृत्तनूगलसग
याशः वसांनवशानधर्कः वलाकायाशः शानं ॥ थनंलिह नं ग्रामहादेवनरुलसां सफ अषी
वानकलहायाशः आपनिसहृशः श्रीस्वस्त्वनियवमभ्यवयाधर्मवृत्तः पत्रिषात नमस्त्वमधु
लसकनाशः हृशधर्कः आहृदयकाशः थनं ग्रामहादेवया आहृदनाशः आपावनीनरुलसां :
सफ अषी आबाधनायानं थ वलससफ अथ नकलशः याशः श्रीमहादेवः पार्वतीनीम्नः
सर्वां वनसंराकपयाशः विननियानं ॥ शपवमभ्यव श्रीमहादेवः आपावनीदेविहृः
निमिर्निनीपनि आबाधनायास विष्कनाः समस्तं आहृदयकस विष्कायमालधकध
याशः पार्वतीनरुलसां आहृदयकलं ॥ शसफ अषी वम वनाकावनं हृलपोलपनि आ
बाधनायानामषू हृधालसाः शसफ अषी वनः नस विष्काहनः हृलपोलमस्त्वमधुलसवि

नाडा मन्त्राकस गवक्र २२ दिवि प्रकृत गवक्र रपापिरुल शपनिसु उद्वात्रयागदुनी थ
 पनिसु उपदसदि याडा नाथमालधक आह्लादयकाडा गथ श्रीनावायनर्न आह्लादयकल
 थ श्रीस्वस्थानिप वमं ज्व वया धर्मवर्क यागुविधिविधन पूर्वकन समस्त सफ अष ज्व वया
 कडा न श्रीपार्वती नरुलसां आह्लादयकल ॥ थ न श्रीपार्वती देवीया आह्लादयकाडा सफ अषी
 नरुलसां अथ नृषसिद्धयाडा श्रीमहादेवयां श्रीपार्वतीयां च वनसहा कपूयाडा वलाकायाः
 डा श्रीस्वस्थानिप वमं ज्व वधर्मवर्क नृगलनयाडा अर्न नैमृत्कम मृत्सडा नध कं प्रस्थानः
 यानाडा डानी ॥ थ नैलि श्रीमहादेव नरुलसां पार्वतीया कडा न आह्लादयकल शपय
 पार्वतीताका बद न जि नै केलासया च वीमया दासं नृशयाडा वान आतामि जि डा न नैलाः
 पिताहमालयया क वलाकान नृयाध कं आह्लादयकाडा श्रीपूर्वनिर्गं हमालययां थ

सविष्णुनाशवणरुनं. शपिताहमालय. मातामना. आशजिपनिशतनगलावलाविस्यवि
काहनधकं. शपिताहमालय. नाकानंदना. सनिदवीमदयाश. केलासस्यरुयाशवा नः
थननं. वलाविस्यविकाहनधकं. आरुदयकाश. थनग्रीमहादेवया. आरुननाश. मनसहर्षम
नयानाश. पर्वतनाजहमालयनरुलसां. आरुदयकलं. ॥ शानेलाकनाथहलपालसनजिनपि
नाधक. आरुदस्यविकान. शपनमथन. ननिसकाटिदवनायापिनामहहलपाल. हलपासन
आरुनिनंधायाथ. जिमाहननाकपूयकाश. जिनपिनाधकं. आरुदस्यविकान. शान्धन. आ
शजिनहानरुकिदाश. आरुननासयानाश. सदाकावंहलपालयानामजिनूगसथनकाश
प्रसनरुस्यविकायमान. शससिसवन. आशहलपालनिपूजायायधकधयाश. श्रीमहादेव
आपार्वनीनिर्क. सिंहसनसविकानकाश. अनगपदार्थदयकाश. धाउसउषवावनं. श्रीरु

निसंघवपूजायानां अंगदार्थं हाऊनयानकां अंगवस्त्रादि-बलमनि-माहीक-आदि
 नं-ग्रामदादव-ग्रापावर्तियाहुङगयां अंगविधिपूर्वकं नंपूजायानां रुकाङ्गपञ्चनया
 कां अंगमुक्तियानं शोषवमभ्रव-रवानिसंघव-धन्यरजिराग्ननंखाया-राङ्गभ्रवः
 हलपातुं जिम्मावडा-चादषनां जिमनसभ्रमिआनंदरुला-गथधालसा-कीवसमुद्र
 सशानावायनडा-लुक्कीडा-निम्मावनिडावलस-गथसमुद्रयाशानंदरुल-अथं हलपातु
 पनिवांनखनां जिभ्रमिआनंदरुल-शोषवमभ्रवलोमीसंघव-हलपातुगथीद
 म्-धालसाथडांमायानथमनं गाकप्याडा-मन्क्यामायासत्त्वधरुयाडा-अंग
 माथन-क्रीगविवासयानां विष्काकम्-थथिम्मीरवानिसंकवयानकटिनमस्क
 व-राङ्गगदिभ्रव-हलपातुगथीदधालसा-समुद्रमथनयाकवलसकालकटः

त्रसथा हाशयाशः एथि वीस रस्मरुय ननथ वलसः हलपात स्य न कायाश नूयाश
गलपा नस था नकाश देवना कः देस लाकः वक्रया दं विष्का कः कं यश क निलकं थ
ध के नाम प्रक्रा कि रु याश विष्का कक्रः थथी क्र निलकं ह्यार्नः का टि २ नमस्का व
रा श्रीमहाबुद्रः शक्ति स्थिति म नं या दाशः सहा वः थम नया कक्रः थथिं क्र काल कट याः
यार्नं क्र टि २ नमस्का वः रा २२ च व ह नं रिप् वास् वडा रु द रु डा वलसः हलपात या सा ज
गधि द धा लसाः पिथिनः वगु र्य द ह वः चन्द्र सूर्य शचा कः वक्रा सा वथीः सप्र वृ प वृ न ध
नृषः रा ख ना ग या लि ग नः म हा विष्क वलाः ग्री न धा या गुः ध व ह प रू न के या नः थथिंः
द हा जः थथीं क्रः रिप् व वास् व भा व काश विष्का कक्रः वि र्ध र व म्फि श्रीम हा दे व यार्नं
क्र टि २ नमस्का वः रा प्र दं वक्रः थक्र पा वी निरुलः जग आ ना रु याश चा नक्रः जिय्गिरु

या ३५ जितकृपाया वं विष्णु कम्प्यथ यिष्णु या नं कटि २ नमस्का न. राजगदिभ्य न. वृष्णा. विष्णुः
 वृद्ध. धर्कं कृष्ण नं साकृत् या ३५ विष्णु कम्प्यथ यिष्णु म हा वृद्ध या नं कटि २ नमस्का न. राजग
 नायक. वृष्णा धर्मा कृष्ण लपाल स्था व न राजग धा या कृष्ण लपाल. सफ साग वं कृष्ण लपालः
 पवम हा रू न धा या कृष्ण लपाल. स नं नि व ज न नि ला का ल ध या कृष्ण लपाल. प गु प नि
 धा या कृष्ण लपाल. ना नाय न धा या कृष्ण लपाल. स नं स ल गु हा. व जी गु हा. न मा गु हा. थ ।
 सा गु लि न कृष्ण लपाल. मृ स्र यां मृ स्र कृष्ण लपाल. ज म स्र वृ पं कृष्ण लपाल. का ल या का लं
 कृष्ण लपाल. गु न या गु र्ही कृष्ण लपाल. ध र्म या ध र्म कृष्ण लपाल. न नि स का टि द व ना या द व कृष्ण
 लपाल. स र्वि स्थि नि र्वा ल क र्मा कृष्ण लपाल. अ ना थ या थ ना थ कृष्ण लपाल वि भ्व वृ प धा या
 कृष्ण लपाल. अ नं म इ थ कृष्ण लपाल. स नं न म र्ति कृष्ण लपाल. अ वृ व स्र धा या कृष्ण लपा

ल. हादम आदि संहल पाल. दसदि ग्पाल ध्यायार्क हल पाल. शाय वम-उप व. हनं थ वृमा
दुसद को प्राप्ति या हय स विष्का नाडा. पापयुं ह्या या सा हिरु या डा विष्का क मर्थ हल पाल. हा
देष ध ज हल पाल या मदि मा जि न. ज्ञाय. सामर्थ म इ. दा ल हि म् पु थ ला डा शान म्. सष !
नाग या सामर्थ म इ जि ह् सामर्थ दयि डा. हा गे बी सैष व आ डा जि न हल पाल या नामः
हल पाल या ऊप. ध्या न. गी गु स दा कालं जि न गल स था ग का डा. प्र स न रु स विष्का य मा ल ध कं. अ
न ग पु का व न पु ज्ञा मां न्या ना डा. अ न ग मु गि या ना डा. मि र्वा नं ह र्ष खा वि हा य का डा. ग्री र वा निः
सं ष व या म् स्व द र्ज न या ना डा. अ न ग मु गि या ना डा. अ वि आ न द या ना डा. वानं ॥ थ नं लि ग्राम
हा द व न रु ल सां ह मा ल य न म्प ना नि क्क स्य नं मु गि या क स्व या डा. म न स अ नि आ न म या डा. म् स
ह नं कि ला डा. ह मा ल य या ह डा न. ग्राम हा द व न रु ल सां. आ हा द य क लं ॥ शाय व न वा ज ह मा ल

यधन्यरद्धः कृन्पूजामुक्तिनजिभृत्तिसंनारखरुयधनाः रापर्वनाधिपतिः जिगुत्तिजयध्वानगा
 तुः सदाकारं कृन्नृगलसथागकाशमिश्रः थवलसः कृन्केलासपविलायदयीशः राहमाल
 यः आशजिकेलासशभनलाः नाकाबंदनकेलाससंन्यजयाशवानधकः आह्लादयकाशः थ
 गग्रामहादवया आह्लाभनाशः हमालययामनसहस्रां अत्यकहर्षमानयानाशः थशपूतिपाः
 वृत्तियागः अन्नगवमुनंनियकाशः बलमधिमानिकेयाः आरबनंनियकाशः बलमालानंकारवः
 यकाशमिरवानंदषखाविहायकाशः अन्नगप्रकाबनंपूजामानयानाशः बलावियाशविष्कार
 कर्त्त॥ यनंलिग्रामहादवः पार्वतिनरुलसां हमालययापूजामान्यकायाशः मनसहर्षमानया
 नाशः हमालयः भनानिष्क्रयाकं वलाकाशः नमिसकाठिदवगानंमुत्तियागकाशः वृषंरगयाशः
 अन्ननंकेलासपर्वगविष्कारं॥ थनलिग्रामहादवरुलसां आनन्दयानाशः पार्वतीशः कीर्णराग

यानाडा प्रथमगनन उयकाडा यम आनन्दन विष्कार्ग ॥

॥ इति ग्राणिगप् नानकदा वलः ॥

॥ माघमाहा मः श्रीस्वस्त्यानि कथा हाद गमाह्वय ॥

॥ थनं लिह न्यादिन सपा ॥

वीगिन रुलसी कथासया नाडा कलनं व्याडा चानं थवलस कालसिका याडा मूर्तिदय काडा
जीवदान वियाडा माग काडा लखाया पिभन याडा गलं ॥ थवलस ग्राम हाद वलन कल विष्का
र्ग ॥ इहाडा नन ववलस इगम हास गलं थवलस श्रीम हाद वन थमडा लि स्य रुया नाडा ह
ल धनाडा स्या नाडा इहा विष्कार्ग ॥ थवलस ग्राया वीगिन रुलसां कनं लसवान कगथ या नाः
डा विष्काना घ कंधा याडा ग्राम हाद वन रुलसी आहादय कलं ॥ डायान जां हल धनाडा स्या नाः
नय धून घ कंधा आहादया ग्राया वीगीन रुलसी आहादय कल थम जां डि काय थू काध कंधा या
डा ग्राम हाद वन आहादय कलं ॥ थनं लि ग्राम हाद वन रुलसी इगया डा डा न आहादय कलं

होइ नयनि छयनि थर्थं नाडाः पगुलि दिगसंहिताडाः ग्वक्खवनडाः क्रया छल्लव नाडाः थथ ह
यमालधर्कः आह्लादयकाडाः इ नय नीखनइल्लसं दडि डाव धर्कः आह्लासिल्लसरुयाडाः श्रीम
हादवः श्रीया वृत्तिनिक्क सयां वन्ननसंश कपूयाडाः धल्लाकायाडाः डा नं ॥ थ नं लिइ नय नीसन
इल्लसं पगुलि दिगसंहिताडाः सल्लइल्लं थ वल्लसः स्वया २ थसः समदयाडाः आडागथयायध
कः मननं ललयापाडाः मालइल्लं थ वल्लसः मरु हाडा किसि छक्कल्लं थ वल्लस थ इ नयनि
सनख नाडाः श्रीमहादवया नामसायल्ल कायाडाः वन्दवानवल्ला नंप्र हा नयाडाः छानं ॥ थ वः
लसः थ वालानं कयाडाः किसियागल्ल धान छिन्नया नाडा विल्लं ॥ थ किसि गथी नधल्लसाः हिमा
लपव्वनचो नल्लनाय वल्लइया चानं अंग धल्लसाय वृत्ति चानं थं छल्ल धल्लसाय वृत्ति चानं थारुल्ल
थंगल्ल थारुल्ल मइय वृत्ति चानं थं थया छल्ल थथी सइडा डाः वानमल्लानस्य चानं थ वल्लसइ नः

पनि सनकां कृव्याडाहर्त्त ॥ थनैलिकेलासपर्वनसथनकाडा. श्रीमहादेवयाडा. अनयाडावि
लं थवलस. श्रीमहादेवनरुलसां. थहलकायाडा. लखापि नस्यानामयाकसहुनाडा. म्यानकाडा
विलं थवलसंनिस्यं. श्रीमहादेवननामहुडाडा. श्रीगहसथकं. नामयक्रानिश्यकाडा. श्रीपार्व
नीयापूगश्याडाविष्कारं ॥ थनैलि श्रीमहादेवडा. श्रीपार्वीनिडा. निम्न. काथासविकानाडा. पमश्र
नयनंविष्कारं ॥ ॥ थवलसंनिसकाटिदेवगायाजा. नरुलसां. अग्निदेवगावानकलह
याडा. अह्लादयकलंरा. अग्नीदेवगा. श्रीमहादेवथथनयानंगथथवक्रा. तुवक्राश्रयडा. काथान.
सहाविसामविकारक. अडाहलपालनाडा. पिनकायाडाहकिधकं. अह्लादयकाडा. अग्निदेव.
गाहर्त्त ॥ ॥ थवलस. अग्निदेवनरुलसां. देवगाज. न्रया. अह्लादननाडा. अग्निदेवगा. रुलसां. श्रीम.
हादेवयाथासशनं ॥ थवलस. लखासहालपालनपनिस्यनङ्गमह्लासगलं ॥ थवलस. अग्नि

देवगाशुलसां वायुदेवगाशुयाडां कावयाधलनं इहाडा नं रिक्ककया रसशुयाडा इनत्यनक
 लडा नाडा रिक्कका नाडा वानं थवलसशुल ग्रामहादवडा आषावनीडा नकाकशुडावाठ थ
 वलसग्रामहादवया अगिकादशुयाडा रिक्ककयाग रसमयायननं थवलस आषावनीनशु
 लसां विगियानं राखामिहय अगिनशुयाडा रुनडा डाकयाग नासयायमनडा हं वियाडा हं
 यमाल धर्कंधायाडा ग्रामहादवनशुलसां पार्वनियारवननाडा विक्कुहपासल वियाडा हं ॥
 थवलस अग्निदेवगानशुलसां थगुलि वीरुन्याडा हं थवलस विक्कुन्याडा अग्निदेवयासं
 विवसदगं थवलस आर्यधर्कंधा नाडा गंगयाकिना बास कूसराह रादयाडा वान थ
 कूसरासज्ञायाडा नाथलं थवलस थगुलि विक्कुमिहयाडा वानी ॥ थवलस सफाषियाकला
 नवक्रुनिपनि गंगसस्ता नयानडा नं थवलस मिहयाडा वानरवनाडा धलं मिजिसमिकूल

ॐ नमो न्यायकं च या ॐ ह्रस्वस्य न चालं म वयामि कयमन ॐ च कं च या ॐ ह्रस्वस्य न चालं
थ वलसमिक् कयनिसग रसद या ॐ ॐ लं थ वलस वृक्क नियनि रुना ॐ आ ॐ गथ याय
च कं च या ॐ न ॥ थ नं लि सफ सवीन रुत सां वृक्क नीय निसग रा न रु ॐ सिया ॐ धालं ह्रप
ही सग थ ग रा न रुत च कं च या ॐ वृक्क हिय निस्य न चालं जिय हिस्य नम सिया च कं सत्य
वाचायानं थ थ नं वा ह म रु या ॐ अय विलं ॥ थ नं लि वृक्क हिय निगं गति वस ॐ ना ॐ गग
स ह्रा या ॐ ना थ ॐ आ कास स थ हा ॐ ना ॐ ना वाग न स स्वा सि प्च वल न गु नि रु या ॐ वा न ॐ न
थ न लि रू सिस ह्रा या ॐ न थ गु नि वि रु नं कृक्क न च या कृक्क वृपा न र्वा ल रु या ॐ गं ग या पृ गृ च
य का ॐ श्री म हा दे व अ पा न गि श्री गं ग थ स्व कृ स या थ स ॐ ना ॐ श्री ग ह स कृक्क व नि कृ स्य नं दर्ज
न या नं थ वल स श्री म हा दे व न रुत सां ग हा स कृक्क न थ प नि ही कं थ ॐ थ स ग या ॐ लं ॥ थ न :

लंथनंलीथयनिकथनंनडाचीकलरुयाडाडांलंथगुलिअडासबसःस्वर्गसिनाकासूतक्षया
 नामदेखनंअमलावनिगलाडागलंथवलसःनगिसकटिंदवनायाबाजाःरुद्रनरुवर्सादवला
 कवानकलहायाडासमधावयानं॥ शाद्वलाकःमिजिसअमलावनिनाकाबंदनपापि
 षुनाबकासूतदेखनंखलाडागडाआडामिजिसअमलावनिनिगकाययानउपायदगःह
 उपायक्षलसाग्रामहादवयाकुम्भाबडपरिहृत्तथमवालयननिनिपापिषुनाबकाब
 कासूतवभाबकयूआडामिजिसग्रामहादवयाथासडानाडाविनगियानडागनूडाधर्कआः
 हृदयकाडाथरुद्रयाआहामनाडादवलापूसिशयाडाधनरहलयालस्यनंआहादयकागु
 लिःसखरनरवडाधर्कधायाडाःरुद्रपरिनिंदकादवगाडानाडाग्रामहादवयाथासथनकाडाहा
 यऊजलपाडाविनगियानंशाग्रामहादवजियनिबआयादंविष्कायनलाःनाकाबंदनयापिषु

[illegible]

नरुयाडावानअ. निहूनधालं. शागलसकायधंदाकायाडाविष्कानाधकंधायाडा. शागलसनध
 लंजिनगथयाय. वाहानधालसागिहू. यथधालसागडागवल. साधनधालसांगलक. कायम
 रु. कुमावधालसाअखवाहान. वास्यडा. नरुडा. थमधालसाथथीठधकंधायाडागिहू
 नधालं. गथयायमालधकंधायाडा. निहूनउपदसविलं ॥ शागलसआमहादव
 शापालवनिनिअ. वा निडावलस. छलपाल. विष्काडा. माम. ववाइ. निअं सयां अडा.
 नलाहाथडाजलपाडा. खचाकुउलाडा. आहादयकिडा. शामामववाइ. जिनजां सम्व
 मवमसिया. सम्व. अस्मव. छलपालजकसियाधकंध. आहादयकाडा. यालिसरांक
 पृष्ठविष्काइने. थवलस. छलपालयानववप्रसादवियूडाधकंधायाडाउपदसविलं.
 थनंलिशागलजनरुलसा. निहूनसनार्थ. माम. ववाइयाथसडानाडा. साथडाजलपाडा

स्वचाक्रउत्ताडा विनगियानं ॥ रामामरुववाशु जिनजां स्मरुं मवमसिया अस्मरुं मव
मसिया भवस्मरुं हलपालजकसियाधकधयाडा पालिसराकपुर्त ॥ थवलसग्रामहाद
वनरुलसां वसनायाडा आरुदयकलं ॥ रागहास ह्रमहापअरुनिखडा हुनगवप्रसादका
डा धकं आरुदयका वनदानविलं स्वर्जमध्या पानालसं हुनगद्रापापूजामयासं स्ना
नं हं कार्ययायडा डा मयाकार्य अस् ह्रयमल हुनगद्रापापूजायानाडा कार्ययायडा डा
मयाकार्यसिद्धयमावधकवलदानवियाडा मरुं म वलसपूजारुयाडा वानरुनीधकं
आरुदयकाडा वलावियाडा हानं ॥ थलिकुमावरुक स्मरुं वडलडा नाडा लिहाडा यम
रुयाडा वानं ॥ थवलसगंगमनरुलसां ग्रामहादवयाक विनगियानं रामहादवहुलं
पालसर्न गहा मयागयानवदानविलं जिकाय आडानलं लिहामडानिगथयायधकध

यां० श्रीमहादेवनरुलसां० श्राद्धादय कलं ॥ शी गंगमरुनकायल्लिहाडायमरुयाडानं० श्रा
 ड० मरुनकायल्लिहाडाय कयाग० मरुनरुलसां० श्रीस्वस्थानिपवमंश्वत्याधर्मवृगदश० धकं
 श्राद्धादयकाड० श्रीमहादेवयाश्राद्धाभमडा० मनस० अग्निशानद्रया नाड० गंगमरुलसां
 पोरिवभुक्तयापू धूमासि कुरुनिस्यं० श्रीस्वस्थानिपवमंश्वत्याधर्मवृगजानं ॥ थनंलि
 माघगुक्तयापू धूमासि कुरुयाड० श्रीस्वस्थानिपवमंश्वब्रह्मपनाया नाड० वाणसडय
 वावनंविधिपूर्वकनंपूजाया नाड० अर्घविद्याश० रुक्म मुनिगा नाड० वृगधून कलं ॥ थन
 लि वरुस्थानवियल्लानकं० थगुलिधर्मवृगयापूरावनं० कृमा वरुलसां० थनकलविष्कनं
 थनंलिकृमात्तनरुलसां० श्रीमहादेवयां० श्रीपाविगियां० श्रीगगैयां० ववनसंशकपूयाड० दर्जः
 नया नाड० वानं ॥ थनलि गंगमरुलसां० मनसहर्षमानया नाड० विरुस्थानवियाड० आश्री

ल. निग्धययागमषू. लालमनथूका. जिडा नागलूमन काडा विंयध के धयाडा. गिहडा न. थवलसनि
इ नरुलसां. पुस्त नया फडा गडा गुलिधनखयालिग्वन लाकला नाडा विलं. थनलिहनालडा नया.
नधनखकालडा नवलस. धनखयालिग्वन चनरु नाडा गडा खनाडा. विघ्नरुलध के धयाडा. खन का
सं. ग्रामला देवनरुलसां. विघ्नरुलमषूध के आगहजयागधय लालमनधक. आडा लूमनकाडा
विलध के. आरुदयकाडा. आगहजधयकलका न. थनलि आगहजसुहान वा नाडा. हनाल हुनं
थवलस. ना ना. अम्. डा नाडा हनालडा न. थन देवला कलनालडा याडा. नाका बसलनरुलसी. ला
ययागगया लया नाडा डालं. थवलसनिय क सनानी ययध नाऊय न. यदया नाडा. महा कलात न. इ
दयानं. सिंहनी सिंहनी सिंह. ला कथं. निगुलिसम्. डनापला कथं. महा सुधा वनं. सी ग्रामया ना
गवानं. हनं वथलानकाडा. महा सुधा वसं ग्रामयानं. थवलस कुमावया सनानी. कागानं

काटिदेखभाचकाडाहूतं थनंतिगात्रकास्वर्नकूमात्रयावथस्वनाडा-डाऊनछिलिवित्त
 काडाहूतं थवलस-कूमात्रया-अति क्रादइयाडा-ननिसकाटिदेवनानंतिनकाडा-वथहानद
 काडा-इयाडा-गात्रकास्वर्नयावथ-पंजाऊनलिवित्तकाडाहूतं॥ थवलसदेखयागमवायाडा-हं
 यकाडादेवताकसंसात्रयानाडाहूतं थवलस-कूमात्रनइतसां-देवताकसंसात्रयास्वनाडा-म
 मसाक्रादइयानाडा-आपायाइगंछिवलपिकायाडा-चन्द्रवान-वातापिकायाडा-वलाइयाडा-अस
 पाथनक-लिग्वलसाताडा-नाकोवेसलयागतपीतनुं-गुनाडा-चन्द्रवानवला नंपुहात्रयानं
 थवलसनात्रकास्वर्नयागतपातहिंनइयाडा-अतहमिसइतकली-थवलससूर्यसाकाटिदे
 वनानं-यऊगधर्व-किन्नर-रुन-पुट-पि-अव-थपनीसनं-इहावकीगनकंलायवूलं-थ
 वलसनात्रकास्वर्नयासनादकं-थडा२थयसविशडानं-थवलसग्रामहादवपुरिनिंद

ॐ नमः श्री गणेशाय नमः ॥ श्री सवस्त्रे नमः ॥ ४॥

ल. अर्थ र किं मुद्रा न संस्कृतया. अब क्रम नृषन. थ गुलि श्री स्वस्वाय व मज्ज वया धर्म वृण दन ड.
क्रम नृषयानं. थ गुलि पद वीत्तायि ड निग्मय रुता. थ नं श्री स्वस्वा निय व मज्ज वया धर्म वृण श्री पा
वृणिन श्री म हा द व पू वृख काय निमि कि न द का धर्म रुता ॥ ॥ इति श्री लिंग पृ वान. क दा वृत्त
माघ मा हा म. श्री स्वस्वा न क था स्वर्ग वार्क नृथा द भ मा ध्या स समा फ ॥ ॐ ॥ धन लि द्रा पां. पा ना
ल या वृत्ति द्राय. स फ पा ना ल स. मृ ल रु या ड वा कू व र्सां न व या ध्या य गु लि म द्रु न स ना ग ना क व स
ल पा ड ना न. थ ना ग ना क या मं दी ल. ग थी क ध ल सा. म नि मू क र्न द य का ड ना ग या क. स व ना ग या
क. न न ना ग या क. वा स् की ना ग या क. न क ना ग या क. म हा प म ना ग या क. भिष पाल ना ग या क.
कु ली क ना ग या क. व वृ ह ना ग या क. थ न न ड ना ग या क. थ प दी स आ स न रु या ड वा न. थ गु लि
व र्सां न व स म ति. मा ति क र्न द य का ड ना ग या गु लि म दि ल. म हा जा क ल मा न रु या ड वा क सू यी या

गजार्थं गजश्यामं चान्धनं नागला कयाथ नश्लं मसगुलिपालयां सिमामं द्विश्यामं चान्धनं
 थथयसपयस्रं धनी नागया कलाग नागपतिवसतपं चोद थ नागिनीपनिधानि शगथध
 लसां सनिम्कनदयका उगया मिसानं नियाडा चानीश उया सिनं उगडा जिशयका उचानीश
 थथीकमना सवथ नस समस्र नसं रुक रुया शवान धनसपनिपतिपृष्ट रुया शवान गुलिथ
 न थथनस महाइषी रुया शवान महाद्वी प्रश्यामं चोद म्र जीष वृष्ट धया नाम नाग थया
 या कलाग हा वा वनिधया नाग्री सखवादि रुया शवानं सनं बल वृष्ट धया नाम नाग थया क
 लाग बला वनिधया म्र नाग्री महासनि रुया शवानं सनं रुपादं रु धया म्र नाग थया कलाग पमा
 वनि नाग्री महासखवादि सनं दृढ नाष्ट क धा नाम नाग थया कलाग म्र गम उगि धया नाग्री थया
 नीमी प्रवसहि नं बसां न वपाग तसा वसपा शवानं श्ल थपनिध म्र नाग महाद्वी प्रश्या

ॐ नमो नं थनलिहृदयादिनसनयमखनाडा इखरुयाडा हा हा का वक्रयाडा मसवक्र
सुहामदयाडा थडामहिलस चो नमरुयाडा सखवृक्ष बलवृक्ष कृपादहृदनाः
हृथपनीपक्रनागं मुमु रुयाडा पबदसडा नं थ वलस जाग्रिपक्रं आडा गत्ययाय
गनडा नखधकं हा ला डा नाग्री पक्रं मूनाडा साहृगिया नाडा गुहा हृगुलिसइहाडा नाडा
इः खसियाडा पापयासाग वसं पदलपाडा हा इ खसियाडा चीनी ॥ थनलिमिमनिगु
हिसम्वगसवडा नानं थी थी विवालययमक्र ॥ थनलिहृदयादिनसइलसां श्रीपावः
नी नं हा सोडा क्रं अखरुमाअपिग्ध वनं इरिवद्रिउ धा वयायधकं वसानवपानां
लक्षयागुमहृलस नागला कयायसथनकलविक्रनं ॥ थ वलस अग्धरुमाअबी नइ
लसां सुखनागयामहृलसडा नाडा धर्लं हा अषनाग हा वालसुधि हा नक्रक थनागः

लोकसः इषीः प्रवीकः सुसुदः जिनेश्वरस्यः थपनीसु उदात्तयायध कं जिथनडायाधकः
 क्षयाडाः लषनागनं नकु कनागनं वासुकिर्न धर्तुः शोः श्वस्वामा अषी श्व वथन ना
 गलोकजो इषीसुमदः म हासु रवीशु यावान इदं कनकगतस वाक नाग्रीयनिः संखच
 र्त्तुः वलचु र्त्तुः पादरुः धन बाधु धायानाम नागया कला गयनिः म हाडुः स्वसियाडावा
 नधकं कनाडावागं ॥ थनलि श्वस्वामा अरवी नरुतसः नाग्रीयनी चानथासडा नाडा नाः
 ग्रीयनी सलगाडा चानं थ वलस नाग्रीयनिस्थनः सलगु सलगाडाः पिहाडायाडा सानकाः
 स्यः अपि श्व वरुयाडावागं ॥ थ वलस नागिनीयनी नधर्तुः शोः श्वस्वामा अपि श्व व
 हलपाल द्वायथनविष्ठा नाधकधायडा ॥ अपि श्व वनरुतसी आहादय कर्तुः शो नाग्री
 जिनेश्वरस्य इषी प्रवीकः सुसुदः जिथनडायाधकधायडा थन अपि श्व वयाश

हाद नाडा नागिनिपनिष्सिद्धयाडाविनगियार्ग-रा अषिग्ध बधन्यर कल पातंध कंडूषी
प्रवीन्दरव नाडा कपाद् धन्यर जिय नीसरारा आडागुनिउ हा बरुयडाध कंधायाडा अस्वस्वा
माअरिवयाग कलसा आद बरावया नाडासिहासनसविष्कनकलं थलिअषीग्ध व दीरुः
लसां आहादयकलं हा नाग्रीप नीरुयस्यनस् हविहया नाडा नडाध कं सत्यरुगसहमात
यप वनयाक्राव आपा ववनी नरुलसां श्रीमहादेवप् ब्रुष कायनिमिर्हि नदकागुलिधर्मव
न आस्वस्वानिय वम अघवयाधर्म वृग कनध कंधायाडा थन अषीग्ध वया आहा न नाडा नाग्री
प नीसयाम नरुषमानया नाडा आमधर्म वृगया विधिविधान गत्यरध कनन धवलस अस्व
स्वामाअषी नरुलसां आहादकलं ॥ हा नाग्री न्रक विरु न्रकम नया नाडा दडा द्रपां पोख गु-क
यापूह मामि कूड वृगजा न-पूह चद्रमायागमगविषय थक्कू निस्पलहिना निस्प र श्रीमहा

देवपूजायाय नमः नृपुत्राख्ये ज्ञायथ नंतिल्लिहृदगकाडा माघशुक्लपक्षे मासिकूट महाप्रपि
 ग्रुयाडा नमया नाडा नमः सामाग्रीगाल्लानकाडा गंगजल ग्राव धु बकु चदन कम्पु
 न कर्पू नानासगमस्वान सिधूल धूप दिप नैवस्त रुत रुत गाम्ब गवच वम्पु द
 क्रिष्ण मृषसृष्टि आदिधमन रुयाथ गाल्लानकाडा गनहि व्यापाश्रथीनमधिदयक सग
 हि व्यापान ग्वाल सगहि व्याकृन गवचदयक सगहि व्यापुज्जमका सगहि व्याग्वल अकृ
 न सगहि व्याकृन वाकृलस्वन सहितन नथमन रुयाथ सामाग्रीगाल्लानकाडा नृस्कनसडे
 का नयास्यंथाप नायायथ नलि गंगजल नैस्त्रा नयागक ग्राव धु बकु चदन नानास्वानद
 यकाडा ग्रास्वस्त्रानिय वमग्व नृपूजायाय थन धूनकाडा ग्वा नयाग अर्घविय गानुया
 य आसिस्त्रा नथ वलसइ इरवदु बीद्रनासजयाडा डानिहृनस्त्रामि नार्गथ नकल डायि

डा. शानति. थनं लि. व्यापाश्रु. थीनमधिप्रमाननं सग्व नसहिगदयकाडा. पू. नृवलडा. द्वायः.
पू. नृवलमदनसा. कायलडा. द्वाय. कायं मदनसा. मिनु कायमदनसा. थडा. मनस. गुगुडा. का
उ. गुलिका. मा. ना. पू. नृवल. य. मा. ल. ध. कं. रा. ल. पा. डा. न. दि. स. वृ. य. क. ल. द्वाय. थ. व. ल. स. द्वाय. नी. मः.
ना. व. थ. पू. र्हु. र्हु. य. डा. श. ना. गि. नी. थ. गु. लि. ध. म. वृ. न. या. वि. धि. वि. ध. न. थ. थ. ध. कं. आ. ह. द. य. का. थ.
न. अ. व. थ. व. या. आ. ह. न. ना. डा. म. न. स. अ. र्हु. क. र्हु. र्हु. मा. न. या. ना. डा. ना. गि. य. नी. स. वि. न. गि. या. नः.
श. अ. थ. व. ह. मा. अ. वि. थ. व. द्वा. पां. ह. ल. पा. ल. स. न. नी. वृ. न. द. न. का. डा. वि. द्वा. य. मा. ल. ध. कं. ध. या.
डा. अ. न. लि. द्वा. न. का. डा. न. ल. थ. न. लि. मा. ल. का. सा. मा. ग्री. ना. ल. ला. न. का. डा. पो. र. व. गु. कृ. या. पू. र्हु. माः.
सि. ष. नृ. वृ. न. र्हु. न. थ. कृ. द्वा. नि. स. यं. नी. स. र्हु. मा. ल. कृ. या. डा. म. ध. न. व. ल. स. ग्री. म. हा. द. व. पू. जा. या. ना. डा.
वा. न. थ. न. लि. ल. द्वा. स. पू. र्हु. र्हु. या. डा. मा. ध. स. कृ. या. पू. र्हु. मा. सि. कृ. म. हा. प. पि. नृ. द्वा. या. का. डा. !

भमया नाडा श्री ३ स्वस्त्वनियत्रम भवस्त्वनियत्रम नाया नाडा गंगारुत नंस नानयागकाडा श्री
 स्वधु बकवदन सिद्ध नानासुगधस्वान धय दिप नेवाय रुत रुत पक्क अमन गाम्भूः
 ल वस्तु दक्षिण सगच्छि चापा अथीगमधि प्रमार्थ विधिपूर्वक नसामाग्रीदयकाडा श्री
 अस्वस्त्वा माधवी प्रादि नया नाडा धर्म व्रतद नंथ नंतिल व्रतसंपूर्ण रुयाडा अर्घविलं थ
 नंतिल अ नगप्रका व नंमुगयागं हायमभ न श्री ३ स्वस्त्वन न भव बजिपनि पापिनीयापूजा
 नंसंस्तु म रु स्यविकायमाल ध क धयाडा वानं वलस श्री सूर्य अष्ट रुयाडा नंथ नंतिल प
 र्वदिभ नं वलद्वि सूर्य प्रकासरुडा थं नं ज रुय काडा श्री ३ स्वस्त्वनियत्रम भव भव प्रग रु रुया
 डा आसूदय कलं हा नाग्रिदुप नीस पूजा नं जिभृति सं नाष रुय धू ना द्द रुा न न ना रु
 डा ध कं आसूदय काडा नाग्रिय नीसन विनति यामं ॥ हा भव बजिपनीस इ ४ रवदा

दी प्ररुनकाडा-जिपनिसखाभिथनकाडाउधनयास्यविष्कयमालधकंविननियानं
थवत्तसगथासुवियधूनधकआसूदयकाडा-अनधनरुशविष्कानं-थवत्तसगुध
याकृपानं-नकाबनं-नागागाकथनकलउलं-थनंलिस्वानकाकायाडा-चापागभ
थिनमधिप्रमाननं-गदल-गव-सगवनसहितनंनयाडा-पुखपनिस्त-पक्रनाग्रीः
निसनंलडाडाडाडानाडावितुं-थनंलिनागपनीसगहासुषमानयानाडा-नागिनं
वियासगवनकायाडा-चापाभूथीनमधिनयाडा-अनंदनवानं-थनंलिअस्वस्थामा
अषीगवबयाग-पूजामान्ययानाडा-दक्रमवियाडा-राजनयानकाडावत्तावियाडाडा
नं-थनलिअस्वस्थामाअधिनरुतसां-नागियनिसपूजामान्यकायाडा-आसिबीदः
याडा-सगुथसविष्कानं-थनलिअथिनमधीपालनयानाडा-नाग्रीपनीसअनंद

या नाडा चानं ॥ थनं लिथ धर्म वृथा पुनर्न नाग नाग्री उधा बरुयाडा नडा नाग नीडाः
 नाडा थडा जा बीया नाडा मदि लसगया डागलं ॥ थन नागला कउडा बरुडा गुखरुला ॥ ६०३ ॥
 ॐ श्रीलिंग पुना न कदा बरुव न माघमा हा म श्रीस्वस्त्वा निय व म म्ब व व र्क सफ सा गाल
 कथा वरुं दस माध्याय समाफ ॥ ६०३ ॥ १४ ॥ ॐ नमः श्रीगलभाय नः ॥ श्रीस व स नि नः
 मडा नमः ॥ सि वाय ॥ श्रीस्वस्त्वा निय व म म्ब नमः ॥ ६०३ ॥ ॥ थनं लिथ रूफ म तुलया रव
 लाय ॥ प्रथम रं श्रीस्वस्त्वा नीप व म म्ब व व र्क लाय ॥ इत्क न स ॐ काल वास्यं थाः
 प लायाय थनं लिगंग जल नस्त्रा नया न के श्रीस्व न व क व न न सि धू व ज ज म काः
 पूषा स गध धूप दीप नेवाय रूत रूत प कडा न क म्ब व क र्प व नाम्ब व ग व द
 क्रि ला व म्ब ॐ यादि थम नं रुया थ सा मा ग्री गाल ला न का डा पा जडा उप वा व नं श्रीस्व

स्थानिय व मध्व न पूजायाय. धर्म धन काठी. ॐ ग्व बया के वि नु ग या ठा वा ख द न
थ नं लि. ज्ञापां मरु म मृ लं स. द हि न दि आ स. व क्र प् व धा या नाम न ग व द्द गु लि द स्य
वा द. थ न ग व स. अ न ग वृ क्र म प नी व स ल पं वा द. अ न ग ध न धा न्य नं संप् मृ रु या ठा
वा द. अ स्य क्र म ना स व थान रु या ठा वा न. ह नं ध द स या समी प गं ग. ह न ना ठा वा न. थ न ग
व स. न ठा इ र्वा रु या ठा वा द. सि व रु क धा या नाम वा क्र म. स नी नाम वृ क्र म नी नि क्र मि प् वृ
व स व पां वा द. ह नं थ प नी स. का य म वां म इ. क्र व म् पां म इ. ध नं म इ. य धि द म हा द वी
द्र रु या ठा वा द. थ थ म हा द वी द्र रु स्य नं ला रु. पा प म इ. ह नं वृ क्र म या ध र्म मा ल का. ग्व व
ल स म ना तु. ह नं ग्व वृ ल म् अ मि थान र्वा म हा क. अ नि स न वा दि क. थ थि द वा क्र म नि क्र
मि प् वृ ख. थ द म स व स ल पं वा न. थ थ नु म हा इ र्वा सि या ठा. ना का व ह ना ठा वा नं रु ल. थ नं

लिङ्गयादिनसः सितरकः ब्रह्म तनरुत्तसां सगी नाम कलागयाहुता न भ्राह्मदकलं शास्त्रि
 सतिः आताजी जिसम हाद बी दुहयाता वाहः आताधनदयकः हुनैजिनैयवमध्वनः आसि
 द्विगलसयाक सतामरुय न्याधकैः मंगवावपनिं व्यादूरया नहंवासः आविनायकयाक
 सुतामरुय न्याधकैः मृष्वृषसमध्वयानाताः थनैस्वामिजिवरकया आह्लाठनाताः सगिनाम
 कलागननधलं शायरसितरकजिशधन्याधकैः थिथिसमध्वयानाताः धनदयकै वाह
 नः निष्क मृष्वृषं अगववावपनिं व्यादूरयानसंवासभ्रगिकषयाकाताः आसिद्विगल
 सयाक सतामरुत्तं यथगुंमहाकषनः पिदयाददयताः हुहयादिनसः श्रीगलसलसां थ
 पनीसस्यतामनं संगारवहयाताः हुनहमनावाह्यानाः अगुलिहताधकै आह्लादयकाताः थ
 नश्रीनंवादवया आह्ला ननाताः मनसभ्रगि आनंदयानाताः स्ववाकउलाताः श्रीगलसयावन

न संशोकप्याडा निष्कम्भी पृथ्वस्य न विनयिगर्ग ॥ राप वम ग्व व ग्री गत्त स दक्ष विष्णु विद्म
पूर्वजन्मसपनाडा गयामइयानिमिर्हि नै थुगुलिजन्मस थथिं दमहादबी प्रकृत् आडा धनद
य के व् आनं दृत् पात्तया के अणिम हा कस्तुन स आया ना राप वम ग्व व ग्री गत्त ग थ
न नजिदनी दृत्त काडा धनप्रसन्नय काडा विस विष्णाय मात्त जिग व वदान थन नंग
कध कधयाडा थन प्री प्रवाक्क हया राषा न नाडा श्री विनायक नरुत्त सां आहादय कर्त्त
रा व्राक्क ह थनी नं थाक्क सदायार्थ न संवासजिक स आ आया थ वत्त स जिह्वा न दं वम्मु
कवान डागुलिवम्मु क कायाडा क्रय नाडा पद्म ना वा ना निग्वत्त नं थप् काय्या डाडा
गत्त थनं लिपद्म क्क उला डा स्वर्ग थ वत्त स जाठ नमा न नं ल्या ग्वत्त जाइया डा वानं थ व
त्त स निष्कम्भी पृथ्वं अनी दुर्बमानया नाडा थ स्वर्ग ग्वत्त जायाडा अ नगवम्मु क दयकः

लं हनं थलयाग्वलजायापुलावनं कटि २ धनद्रव्य उत्पत्तिरुयाडाडालं हनं श्र भगवत् वृदः
 यकलं हनं श्र भगवत् तममिमानि कश्चादिदयकलं हनं सा भस वल स्वागिदयकलं थः
 गुलिप्रकावनं आसिद्धिगलसयाकयानं धनयमि पृ ह्युयाडाडालं ज्ञाया थ वाम तगत्य
 चानधालसा द्रसवा कहुना डारि का रुनाडा दिनह्याल नयाडा वाद आडा श्र भगवत् मुना
 ललानकाडा सु डाल हं धुनि आदि नंदयकाडा यम श्र नंदनं हनं श्र भगवत् मतीमानीः
 कयानि सां नीतिडा ऊदीजवानयावमं नंगियाडा निष्क म्पू वरव स नं सख नं काल ह नाडाः
 वानं थ नलि थ जिवर क वाक्कत नरुल सां सगी नाम कलानयाडुडा नधालं रावमृतिप
 वज्जन्मस दानया नाम डनं थ गुलिमस म हा दवी प्रुयाडा जन्मरुल आडा श्री वी नायकः
 या रुपा न श्री जीस गडा स निदयाडा थु गुलि जन्मस ख ना डानयम रुग सा हनं लि जन्मस

[illegible]

आउ आवि नाय कया कया नं न ग सुख हा गया यधु ना आउ च न सं प नि द या उ कृ या
 य मि जि स मु चान मर शो प य हं जिं का थ जि रु ल हु न के न मा वा यि उ म षु ना थ न न सं ग
 न द य के हु नं आ सि हि वि ना य क या के सि उ म क य नू या ध के ध या उ थ न थ उ स्वा मि या रा
 खा रु ना उ जि उ ष नू या ध के नि म्म थि थिं स म ध ब या हा या ना उ स दा या थ म ग वा ल या न
 ग्री स ना ना य थ द य का उ आ ग ह स या के व्या कूर या न सं वा स उ म रु लं थ थ गु क षु या ना
 उ नि द पि द द या उ उ नं थ नं लि ह रु या दि न स आ ग न स सं ग ष रु या उ प्र न रु रु या उ
 ब्र म्म द या क न आ हा द य क लं हा गि व र क वा म हु न स उ नं जि अ नि सं गु ष रु य धु न
 जि के हु रु न न ना उ ध के आ हा द य का उ थ नं आ ग ह स या आ हा न ना उ म हा ह र्ष मा न
 या ना उ आ ग ह म या च व न सं श क प्प या उ ला हा न हा रु ल या उ वि न गि या नं शो प व म

अथ श्रीगणेशसहस्रनामपात्रयाहपात्रमस्तु जिगमन-हृत्पात्रस्य नृपसन्नरुयाशनयागु
चनपियकाशनययाग-पुण्ड्रकजिगवनदानविष्णुविष्णुयमात्र-राविष्णुवाज-धर्मकाः
वनहृत्पात्रयाक-श्रितिकसुनंजिनस-वायानाधकंधयाश-धर्मसिवरकयाशवाननाः
अ-गणेशसन्नरुसां-श्राद्धदयकल-रावाकतदश-धनि-चाकसदायाथ-जिकसुताशयाजि
जायाश-धवलस-जिकश-न-र-हृत्पात्रयाहक-शयाश-सायाश-सायाश-बाहीश-हृत्पात्रयाश-साप
जायाश-धवलस-ध-हृत्पात्रयाह-रिब्रुनाश-य-धवलस-हृत्पात्रयाह-श्राद्धगर्भरुयाशः
काश-धनलिक्रयनाश-वानानिगल-न-ध-कापूया-श-गि-ध-न-लिय-व-न-उ-ला-श
स-ध-वलस-हृत्पात्रयाह-न-म-ना-व-ध-प-हृत्पात्रयाह-रावाक-हृत्पात्रयाह-न-पूर्व-क-म-या-ह-न-पू-न-क-म-व-पू-
गि-क-य-श-ध-क-श्राद्धदयकाश-धर्म-श्रीगणेशयाश-हृत्पात्रयाह-म-न-म-न-श-श्रितिश्रानंदयानाः

ॐ प्रजामुनियानां ववनसंशकप्यां वलाका यां निष्कम्पिपूर्वथं कलिहा
 ॐ नं॥ थनलि श्रीगहसभ्रनर्धनरुमां विष्कानं॥ ॥ थनलि श्रीरहासया शहारथं वाहु
 कुर्या नसंवासना नापदाभदयकां निष्कम्पिपूर्वसंशं ॐ थवलसः श्रीगहयगिया
 वाजसः उपवावनं पूजाया नां स्वडावलसः रहुविस्तानं स्वयां चानखनां सिवरक
 वाक्रननं हनासनं आपदकां रगमानाया यपाषातसंशकप्यां चानवलसः रहुवीः
 हानं रिवरुनां हलं थवलसहनासनं सासरिवरुयां कालं थनलि गवमाना अर्धनरु
 मां विष्कानं॥ थनलि गिवरुका वाक्रनं रहुसां श्रीगहसप्रदक्रिया नां थं कलिहा
 जयां श्रीगहसया शहारथं थगुलिसासवि वागनिं गतनं थपूकाप्या नां गतं थनलि
 पशुकुरु उलां सागं थवलसः अथकमहासदलि कं न्यहुकजागरुयां चानं गथिक्का

लखधलसा. वगिस ब क्रतसंश कइयाडावान. मध्या नया सूर्यी रथं गज थूलाडावा दमि धलसा
पलंखानया हलथं. कस धलसा गज थूला रथं. गुणि. ला हा धलसा मरु हाडा किसियार्थ. रवा
ल धलसा पृष्ठ चन्द्र मारथं. ज धलसा लक्ष्मियार्थ. पालि धलसा. विविगियार्थ. प्रत्येक
सुदनी कइयाडावान. लिखलार्थ सनाडा. वागास जागइल. थ व वस. जिवर क वाक्र ह. समि
नाम कलाग. निष्क सयामन प्रत्येक हर्ष मानया नाडा. वागान थ कायाडा. दिन क निदान
याना डा लहि नाडा गल. थ नं लिथ वाल पयाग. इ गान कन. सनी नाम. वक्र हीया के. इम
डायाडा. हनं सिवर क वाक्र हनं इलसां. श्रीगन सया था सडा नाडा. ना नाप दार्थ दय काडा
प्रनग प्रकावर्न पूजाया नाडा. श्रीगन स. संगा खयानं थ वलस ग्राग धस इलसां. सगु
पूइयाडा. आह दय कलं श वाक्र न. छन पूजा रावन जि भुनि संगा पशु यधूना. वव दा

पनीस्य न. समस्त. क्रीया कर्मधूनकाडा. जाटिक पनीस्य न. धाले. शवरक ब्राह्म घ. हलपाल
याप् ग्रीया नाम. गामयशुधक. पुष्पागिरुयडा. हान धालेसा. गामा नानं विया. यानिमिरिनि.
थया नाम. गामयशुधक नाम कर्तुयानं. थन जाटिक याशखा ववन ननाडा. मनसहर्षमानया
नाडा. ऊक ब्राह्म घयनिरु प. जामान्यया नाडा. दकिष्ठा वियाडा. राजनयाग काडा. वला वियाडा. ह
नं. थनंति जाटिक ब्राह्म पनीस्य न. शिवरक ब्राह्म घया पूजामान्य कायाडा. आसिबीद वियाडा.
थडा २६ लिहा डनं. ॥ इति श्रीलिंगपूना न. कदा नखलु. माघमहात्म्ये श्री ३२ स्थानक
कथा पंचदशमा ३५ य. ॥ १५ ॥ थनंति. थवालख गामयशुधक. कथनगु कपकया वद्रमाव
धयशुडा २ थं क्रिद्रिहियागडाधिकलुशल. हनं कथनी क्रिगत रुयसलं. हनं मामवव्याग. अ
रुग आदि नंतयक्रयाडा डलं. थथगुपिद ददयाडा डलं. ॥ थनंति मामववून धाले. शोपूनी :

८

ग्वमयशु. आशा हन. जिद गुलियायन अक्रु गलयाडा वाडा. जिप नीगंगम सस्त्रा नयानडा नैधर्क
 कायाडा. ग्वमयशु नं. अक्रु गलयाकाडा नाथाडा. निष्क नीम्रीप् ब्रखैस्त्रा नयानडा नै. थनं लिस्त्रा
 नयायधूनकाडा. श्रीह बीह बपूजायाकाडा. श्रीसिद्धि गनसपूजाया नाडा. बक्रुट का १००००००
 स्वर्ह दानवियाडा. थडा क्रुलि हाशर्ल ॥ थुगुलि कथ नं जि वरक वाक्रु घनं दानपूनयाः
 कस्त्रयाडा. साग्न सचीन. अन्दादि दवगायामनस. ग्राहिरुत्त गथ धालसा. थवाक्रु
 हनं स्वर्गियाय विलायूनधर्क एतपाडा. गगिस कनि देवगा नैलिग काडा. दव बाज
 अन्दायामनस. अगि विषादगयाडा. केलासपर्वगनाडा. श्रीम हादवयाव वनसं राव
 पयाडा विननियार्न. राप वमभ्व वग्रीम हादवजि विननिनिस्य विष्का हुन. हृधालसाः
 मक्रम हुलस. दत्री हरागस. ब्रक्रम्पूनी नामन ग बससि वरक वाक्रु हाहुक्रु इ. थयाक

८

लानया नाम सती वक्राक्षी थप नीस्य न हलपालयापुग श्रीग ह्यस्या के महा कष्ट नगप ह्या
यानाडा कीटिश्चन वलपुसाद कायाडाडात आडा थवाक्रानन गंगस स्या नया नाडा दिन
वक्रगका १००००० सुवर्च दानवियाडा श्रीहविह वपुजाया नाडा हलपालपुजाया नाडा
सुदवगा श्रीग ह्यस्य पुजाया नाडा अत्र प्रसानयायुडा राजगदिज्व व थया धर्मन जिम
वावनि थीवमरुता थन निमिरि न जिपनि वक्रायाय माल राज वम हन थवाक्रनन सं
नानमदयाडा श्रीग ह्यस्या कसुडया नाडा अनिपक्र सुन्दरी वलि वक्रनन सुंरु कुरुडा
पुत्री ह्यक्रववनविल थन नजि ह्यद्रास कुमीनानीन रानाथ थनयाका वनसजियनी उह
वयाय माल धक नानामाथन श्रीमहादवया कवि नगियान ॥ थन ह्यद्रया राखान काडा श्री
महादेवनरुल सां शहादय कर्ल ॥ राद वलाज ह्यद्रुप नीहगा सवायममाल जिनउयायया :

नाडा ह्यपनिउदा बयायनि मय नरुल आडा ह्यपनी सुख नस्वर्ग सवान हनिधक आरुद
 यकाडा थन ग्राम हादवया आरुद नाडा मनस हषमानया नाडा ग्राम हादववनसरा कय
 याडा वेला कायाडा स्यसा काटिदवगाने लि न काडा इन्द्र कुलसां अमवावनी सविश्रु न ॥
 पथ नीले ग्राम हादवनरुलसां इन्द्रादिदवगा उदा बयायनि मिर्किनरि कूकया वृषधल
 वपाडा खडा ला हागनं गि भु वपाद्याडा ऊडा ला हागनं दम्ब बृथा काडा ऊडा धा बीरु
 याडा रसमनी अगसव्याडा कार्पांलिक रुयाडा मविष्का क जि अरुनलयाडा चाना ३४
 खनायमनं रिक्ता नायाधक धायाडा थन ग्वमय रुया राषाद नाडा रसधनी कार्पांलीक
 नधालं रावृष्का धी थवलनलनकनयाडा नकनिनि नारिक्ता नायाधक डाय अमरिक्ता
 जिगमयल ह नविलसा ह नमाम वव्यागलयाडा नयागु अरुनक्रिडा मविलसा ह ननअ

रिआलापवियधक. आहादय काडा. धनं हि कृ कया लाखा न नाडा. गवमय रुन धर्तुं. **हा** रि कृ क
जिमा मवव्या. आम हादवपूजायाय. धक नया गुरु अकृजा विय मषु नयवसा. थ जा कि
काडा. मयलसा. लिहा हनिध क धायाडा. धनं गवमय रुया दिं. नु लाखा न नाडा. रि
कृ कया. कोट रुया डा धर्तुं. रा वृक्ष ही ह नजिन अहं का बन. रि क्राम विल. आडा
हनन. अरि आपविय रुडा धक धायाडा. था स्यं वा नागु दं व नृही. आपविय कर्तुं. रा
वृक्ष ही ह न अहं का बन जिन रि क्रम विल. ह न नमन न इवेल स. क्रय द ७० इ का
थडा. विवा हा रुय माल. ह नं ह नम हाइ. ख सिय माल. ह नं ध न संपरि ना स रुय मा.
ल. ह नं ह न द बी प्रय डा. म हा क रुन य माल. ह नं ह न मा मवव्या ध न संपरि रुय मा.
ल. ह नं ह न मा मववृ पूला नं हा सिय माल. थ नं ह नन आपविय ध ना का डा. धर्तुं आहाद

यकाशः श्रुतं नैपि हाविष्काशः श्रुतं नैपि हाविष्काशः ॥ थनलिग्वमयश्रुनरुलसां
 रिक्ककया अपि रुयाशः श्रुतिविलापया नाशपायाशः चानं थवलसजिवरकवृक्रद
 सगिनामवृक्रही निष्कम्पिपुर्वं गंगासम्मानया नाशालकटंका १००००० स्वर्तुदा
 नया नाशः श्रीहनीरुतपूजाया नाशः थशः कलिहाशालं थवलस ग्वमयश्रुखायाशः चान
 सलगायाशः हनासर्नं रुद्रहाशनाशः मामववृनधालः शाय्नीग्वमयश्रुः हृदायथायाशः
 चीनाः हृदस्वश्रुलः स्रनानं रायकलः कानवहृधकधयाशः थनेमामववृयाः श्राह
 ननाशः ग्वमयश्रुनधालः शामानाः यिनाः रुस्यविष्कादृनहृधालसाः हृलपालयनीगं
 गासम्मानयागविष्कानः जिनरुलसां श्रुनलयाशः चाना थवलसरिक्ककहृक्र
 शयाशः रिक्काशानालः थवलसजिनधयाः शारिक्ककः जिमामववृगंगासम्मानः

यागविष्णुन. जिनधलसा भ्रुकुनलयाडावा ना. रिक्काविष्णु डामइनि. खचिलननिचा
याधकं जिनधया. लनकाडागया. थरिक्क कनहुलपात विपनिविष्कायूधकं. पिः
याडावा ना. हुलपात धलसामविष्काक. थवलस जिनरुलसां. भ्रुकुनलयाधूनकाडा.
रिक्काडाडा. काहाडायाडा. हा रिक्क करिक्का नायाधकं धयाडा. थवलसरिक्क कनधा
ल. हावम्ही. भ्रामरिक्कामयल. हुनवियरुलसा. हुनमामवव्यादगुलियाययानलयाडा
नयागुलि. भ्रुकुनरुकि. मविलसा हुनन. आयवियधक धल. थवलस जिनधयाडा. जिमा
मवव्यादगुलियायगु. भ्रुकुनजांवियमष्. हुनयलसा. थजाकि काडा. मयलसालिहाइ
निधक धया. थवलस. रिक्कयाक्राधरुयाडा. भा नाडाद मरुन धायकल. हुधलसा.
हावम्ही. भ्रुंकावती हुलजिनरिक्कामविल. हुरुसद नइवलस. जयन. दइक्काथ

[illegible]

मृतस्वर्गकलहायधर्कः साह नि या नाडा यगुलिदिसासं पित्तानित्तायादअथनकः
सागकलहायधर्कः ॥ यनैलिवाम्म दमात्तइ डापनीस सायारथसगनैः हौदब्राम्मफनूय
कमरुयाडा अस्मामर्थइयाडा लिहाडायाडा वरुदीगयां समावावकनैः ॥ राजिवरक
ब्राम्मद जियजिसनजात्तय कमरुयाधर्कलिसलकनाडा थनै वारुदनाडा जीवरक
ब्राम्मद नैरुलसौ थमनैसात्तडा नधक कलानयाकवैला कायाडाडा नै थनै लिदगरः
पनिं हिताडा मात्ताडा सात्तइल्लै सायारथसगनैरीक ब्राम्मद नूय कमरुयाडा साम
थमदयाडा थडा कलिहाडा नधक मननैरायाडा गंगानिर्थयात्तनै लिहाडनै थवैल
सगंगसस्त्रानया नाडावाडक थब्राम्मदइ क्खनै थथायसडा नाडा यिसाथिसानै वा
नै थवैलस थक्क थब्राम्मद नैरुलसौ गंगसमात्तइयाडा संधामनर्थनधूनकाडा जीव

रकब्राह्मणयाथासतानाथः। अथब्राह्मणनदुर्नः। शब्राह्मणहलपालसुगननंशयाः।
 दायजिनमिखातिमकासं। सायाशंवानाकाब्रह्मसमस्तैर्वृत्तैर्ननश्राहादयकसा
 विष्णुधकधयाशं। धनंअथब्राह्मणयासाखादनाशं। भिवरकब्राह्मणनधालः। श
 वाह्रतः। जिगुः। वृत्तैर्ननकनदसविष्णुनः। जिनामसिवरकब्राह्मणथकाजिमवगा
 काबनः। थनतायामष्ः। जिष्णुवह्रकश्रुतिपमसुदबीद्श्राशथपूनीकन्यादान
 वियधकैरिष्णुब्राह्मणसालतायाः। सायारथासः। गननैर्मदुः। यगुलिदिगसंसातक
 लुहायधुनागनैर्मदुः। श्राशरुत्तासामयाशः। हलिहोशंनधकथगुलितननंशयाः।
 हनैर्गंजनीबसखाजययायधकंथनसालतायाशंवानाथमनिमिरिर्नजिथ
 नतायाः। शंरह्रब्राह्मणः। हलपालसुशयीशः। नामह्रः। दायरुगोसनीसंधानर्थनः।

धूनकाडा जिथासडाया समस्त वर्क ननधाडाधकधाया थनं गिवरक व्राकनः
या राखान नाडा जिवसमी व्राकन नधातः रा गिवरक व्राकन जिनामसिवसमी
व्राकन थका जिनेक न्यादनकायधकः जिमषुददवलसं निरं सालरुया भाउन
लेजिनक न्यादानविडामद आडा जिराग्यनं दुलपाल नायलान रापिना दुलपाः
लयावलनसः कटि २ नस्काज आडा अथथधकः आरुदयकस्य विष्कायमनः
थननं निष्कायां कार्यसिद्ध थनं जिविननिदसविष्का रापिना आडा दुलपाल वाड
सडा ननयाधक धायाडा थनं कथ व्राकनया राखाद नाडा सिवरक व्राकन नधा
ल राजिवसमी व्राकन दस्यविष्का न जिष्कावषुदरुडा डा रुसदराग दुलपा
ल रुयदयावेस भावाडा कथडा गत्यविवाहायाय थनं नजिमनसां जांरिनमषुः

१०२

थननंजिपू ग्रीह नन अ आ गवियमवधकधयाडाः थनसिवर क ब्राह्मनयावव
नद नाडाः जिवसमी नधासीः साजिवर क ब्राह्मनः हलपाल वाहिक नः जिन कन्या
दानवियडाः थसंसा नसद यडा मवून सायिता आम न्याजिनमवित्तसाः हनन आ
पवियः वक्रह था वियाडाः थगुलिया नालनः नि श्वय रुल साजिवर क ब्राह्मनः थ
ननः वक्रह था कायलाः हनपू ग्रीक न्यादानवियलाः निनासः हना वकयानाडा
धाडाधक धयाडाः थन वृह ब्राह्मनया राखाद नाडाः जिवर क ब्राह्मन रुलसां डा
याय हंमसियाडाः आडा गत्ययायः वक्रह था कायलाः आववियलाः निनास हनाया
यमाल थथिंक्रः विबुध ब्राह्मनया नः गत्यजिपू ग्रीवमय रु कन्या दानविय धालसा
वक्रह था नक निनः थ ब्राह्मन नं प्रा दनालन नि श्वयया नः आहा गथिद विपनिः

१०२

न देव नंसास्त्रीयान उषूर्नरि क्राहानडाडा श्रीहिक क श्रीमहादेवखन असपातः
याजंमन्नंविद्या अपचर्थयमद् अडाविधानानंयानकागुलियायमात वक्रह
थाह गाजाकायमव थवर्ह ब्राह्म दयानजिपू श्रीवियमात देवनललापनस वायाडा
हडागुलि मरुयमद् द्यायजिमा वया थथिनराग्यरुलविलभन श्रीमहादेव
या श्रीमपनडागां वूलतान थमषयकं द्वाददिदेव नायासमर्थमद् जिह
दळडा देवनगवसाचिनाडा नयधूहाकगुलि अदिकखला नार्यामद् धकम
नमसलालपाडा आथब्राह्म दया रुडा नधालं राजिवसमी ब्राह्म द आडाह
याय दलपालस्यन अमथ अमलिनहथियान डाडा अवस्यनंहु लपालया
नजिपूती कं न्यादानविय आडाथनवा नानकामरु कडा नह निनयाधकं अया

ॐ नार्प वा नाॐ ह्रुं ॐ न॥ थ नंति थ ॐ रु थ न का ॐ स गि नाम कला न सल नाः
ॐ ॐ नं॥ थ व ल स थ ॐ स्वा मि सि व रु क् वा क्र ह वि क्र क ख ना ॐ स गि नाम व्र क्र
ही न रु ल सां॥ रु ना स नं ना हा य ॐ ना ॐ का हा ॐ या ॐ गु मि चा य का ॐ पा लि नि पां
सं हा क य य या ॐ स गी नाम व्र क्र ही नं द नं॥ हा स्वा मि सि व रु क् आ म ह ल पा ल ॐ
ना प ॐ ॐ क्र स् ग न या॥ ह्य य वा ना ॐ हा या स म स् आ हा द य कि ॐ ध क ध या ॐ
थ नं स गी नाम कला न या हा खा रु ना ॐ जि व रु ग् वा क्र ह नं रु ल सां धा लं॥ हा ग्री सं
नी न ॐ जि न रु ल सां॥ ग्व म य रु या न॥ वि वा हा व या य ध कं॥ हि रु वा क्र ह सा ल रु या
हा या र स स् ग नं लू य कं म रु या ॐ गं गा मि व स मा ल ध कं स्व ल रु या व ल स॥ थ वा क्रः
हा या ग य ग्री ज प धा न या ना ॐ धा न॥ जि ॐ ॐ ख ना ॐ रु ना स नं स धा न र्थ न धू न का

डाजिथासडायाडा-जिहूडाननन-राब्राकतहलपात्तथनह्यायविष्का नाधात्त-थवः
लसजिनधया-राब्राकतःजिनामजिवरकधयाकब्राकतथका-जिथनभवनाकाल
नडायामषु-जिष्काचयानकंन्यादानवियधक-हिंक्रब्राकतसात्तइया-धया-थवेत्त
स-थकाथब्राकतनंधाल-जिनंगाकार्दनाकंन्यादानकाय-सुनानंविद्युडादयिः
डालाखधकंसात्तइया-जिनामजिवसर्माधयाकब्राकतराधकाधात्त-थोवेत्तसजि
नधयाभोब्राह्मन-जिह्याचवात्तषनिनिद्धनतत्रजोगेवियमषुधया-थवेत्तसः
ज्याथनंधाल-भोपिताआमकंन्याजितमविलसा-सुथावियात्र-थोगुलिप्राणतोः
लतेधकधात्त-थोवेत्तसजिनंवृहत्तथाद्गनाकायमवधकभात्तयात्र-अथेयाय
हमसियात्र-आत्रद्धेसवोनात्रइया-भोएयथोतेनिमिटीन-थोवसर्माब्राह्मराया

त गोमयशु कं न्यादानवियमालधकधायात्र थो तेयूरुषया वचराड नात्र सति
नाम ब्राह्मणिर्न धातुं भोषु भुसि व भग्न जि विनतिनेस्य वि आहने आमथी ड म
घोरमुटि ज्याथ ब्राह्मणा या त लाजि ह्या च गोमय जु विय थो या थ नद्व वानद्व स्वाः
ल धातु सा हे ग्वात थं मिपूसि क स्वा क या ल मिखा स सकले भो यु व ध न ड ग हा क
ऊ स पा न नं म गा ड ऊ स न स् नु ह नं ग हा ड ऊ नु नं ला ल य ल ह नं हा ड ऊ स्व मि मि
क थ थी ड ऊ या नं मि जी स ऊ च कं न्यादान ग थ विय मि जी स पूर्णी या व प अः
क म ल नं ज धातु साम ध्या न या स र्थ थि स्वा ल धातु सा पूर् ह च द्र मा थ सा आ न लः
क्रि वा न र्थ चा ड थ थी द क्र प म स न वी थ क्रा थ या न ग थ विय स ना आम ह थ
विय ध क र वा ना नं ह ल धातु हा य मा ल ला ह थ विल सां जि मा ल स रु य ह ल धातु

इं संखा वायमनः वालवद्रसदृशः द्रयदः द्रुक्काथडागत्य कं न्यादानवीयः विय
मषुः दालुहि वृक्कहृत्थालानसाः थक्काथवृक्कहृत्थान जावियमषुः थपिथी थदृक्कला
वृक्कहृत्थानदः आमनषा नानं हृत्थालहृत्थान वायममालः आमवृक्कहृत्थान वलावि
याडाहृत्थानधकं निक्कमीपूवृत्थानवादरुत्थानवादा नाडा निवसमीवृक्कहृत्थानधकं शः
मानासनी नसविक्रादृत्थानससावसः काथं दृत्थानवायममालः वालवद्रः गुलियाः
मावायाजिथि कलानंदः गुलिहियां काथयामवा कलानंदः गुलिहियां काथयामवा
स्य कलानंदः नृत्थानवृत्थानधकं नकः सृष्टिमयाकः गुलिहियं महाइरवी गुलिहियं महास
सूरी गुलिहियां लिथुद्रुत्थानकलानंदः नृत्थानवायममालः गुलिहियां धनमदः गुलि
हियां मावांमदः धनमदः गुलिहियां धनमदः मावांमदः शामाना थसंसावसविधानान

स्रयानं स्रश्ववियाडा मनडा शमागाससा वसहा नानं कृष्णलयाद्यचा कथं हि
 तुहिलाडा डानिडा कथनं स कर्णं क्वाथ जिथिरुयाडा डानिडा सदा कालं डथं
 मचां डा शमागा थनं न भूपालं स्वका नायाक्रमद् भामकं न्याजिनमवित्तसाः भ्र
 वस्यनं जिनव्रक्त हत्थावियाडा थगुलिप्रा हमात्तनं निभयध कधयाडा प्राहमा
 यागात्तलगाडा व्रक्ता घुस वाय् थकायाडा प्राहमात्तनं नया वयानं ॥ थवत्तस जि
 वर कव्रक्त घनश्लसा थडा क्रस भिवस मी व्रक्त घनं प्राहमात्तनं ननख नाडाः
 हगास नं डापद नाडा हविरेध कं हात्ताडा भिवस मी याक्र डा धत्तं ॥ शो व्रक्त
 घा आस रधिर्जया मिसा न स नधयानं जिनमवियत्ता धिर्जयाडा रध कधयाडा
 वाधवीत्तं ॥ थनं लिगुनि सिनकाडा रिगुको थास नयाडा नत्तं ॥ थनं लि भिवर क

ब्रह्म नरुलसाँ कलान याऊँ अ न धालं शप य अ दि करे व लाय म न ख ला ना या ऊँ
म इ जि ख व ड डी गु ष् डू रि कू क नै रि क्रा ह न डालं डा कू डू माल का धू न रि क्रा ह
डा डी कू श्री म हा दे व थू का डी स पाल या वा कू लं घ ना या य जि यी डी म ष् डू कू क लाल
दयू दे व नै ग थ या न कल अ थ या य म ल आ डी के न्या दा न वि य या या न माल का सा
मा गी ना ल लान की डी ध क ध या डी अ न स्वा मि या आ हू न ना डी स नि मा व्र कू धीः
नरुलसाँ अ न ग वि ल पि या नी आ हा डी षू डू डा टि क प छि न प नि स साम स सां
या डी जि कू डी न धालं ड न पू गी न डी रा ग य अ न कू यू अ निल कू ह ला क थ ची न
था स ल श्री नै वा स या य डी ध क डा टि क प छी स न धालं थ साम वा थ ख नि आ
हा ग यि ड वि प नी न रु ल डू या या प नै जि क्रा च या थ थी डू पू ख ला यून मि

जिस न जाँ-अपकिरिया नामइ-अधर्मिया नामइ-उषू शिऊरु नडाडाऊः
 श्रीमहादेवमडा-आडाजिऊवयाकर्मिप्रकनरुलाआडाकैनिसकोटिदेवना
 जिऊवयापकुरुयाडाडातुसाँ-श्रीमहादेवया-अपमयकमरु-आडाहूयाय-गथ
 मालअथयासविष्काहुनधकधयाडा-थनकलानयाराखाफनाडा-जिवरकः
 ब्राम्हनैरुलसाँधालै-हाम्मिसनिधन्यरहु-गीजानिरुस्यनै-अनगरुअवबयाम
 हिमासिडा-हाम्मिआडाजिवसम्मिब्राम्हनयान-रिनरपदाथदयकाडा-बालि
 धूनकाडा-रिगुफथासत्यनहुडाडाधक-आहूदयकाडा-थनपूर्वअहून्नना
 डा-गकाबनैअनगसामागीदयकाडा-बालियानकाडा-रिगुकाथासलासात्ताया
 डाथनहुगै॥ थनलिथथसर्न-बालियानाडाकथादहडानाडा-बागिसजिवरः

१०६

१०६

क ब्राह्म दान स ग्री नाम कलान निष्क स नै ग्वमय इ श्रुता ह नग विवा हायाय स
मय इलः थ का थ ब्राह्म दान न पू न्म इयून शप् ग्री द न डा षू इ रि का इ न डा डां क
रि क क न ह नग अप वि या डा न गु लि इल उ षू न रि का वि या डा इ न सा थ थी न
पू न्म ख ह न म ला क श्रुता ह याय शप् ग्री श्री म ह द व न थू का ह न न जि मि नै गुः
प वि या डा न थ ल थ म नै या य स यो सा म थ म इ ह न ल ला प न स वा या डा ह डा गु म ख य
क स या सा म थ म इ ह न म न स इ क रि का या य द य ह द् इ र न ना य म न जि मि न हं दा
ख म इ ह न रा ग्ग थ थी द इ ला जि मि ह न ह न म वा डा ध क रु या थ वा ध वि या डा ची न
थ नै मा म व वू या श्रुता ह ना डा ल म य इ न इ ल सां ध ल शो मा ना पि ना ह ल पा ल पः
नि ष्ट ह द ष म इ जि क र्म स वा या डा ह डा गु स या न पा ल या य वि स्य ख नै श्री म हा द व

नः प्रपविद्या अनाथुः सुमानयात् यायः शोभा नापि नाः अहं का वनजिह्वः अषु नरुः
 दुः अक्रि कृकः जिमनसः अं श्रीमहादेवधकः शालपा अः लनकनया नं जिः अपकन
 ग्वः मन्वः ॥ द्वाया लानकैः थः अः सुसिः कः नः अः अः अः श्रीः कृकः श्रीमहा
 देवः शालपा अः रिः अः अः यमात् रिः अः मः कः लसाः अवस्य नः जिः कनथः अप नः कनि
 अः रिः अः अः नसाः हः लाः कैः महासः खीः रुया अः पः वः लाः कसः सः श्रीः वालाः ॥ अः रिः अः मः
 नसाः थुः गुः लाः कसः संगमिः मद्ः पः आः लाः कसः संगमिः मद्ः आः अः जिः नसायधः नाः मन्वः लाः कः
 नाः अः अः अः अः थः थः अहं का वः रुलः आः अः नः निसः कटिः देवः नाजिपः कृः रुया अः अः लाः सांः जिः
 कः लमसः वास्यः हः अः गुः मः नययायः मः रुः विधः नानैः गथः ग्वः सालः विः का अः हः लः अः थः मयाः
 स्यमगः कः काथः रुलः साः धूः सिः रुलः सांः ॥ कानः रुलः सांः ॥ पूलः रुलः सांः ॥ वागः हाः रुलः सांः ॥ कृष्टः

महापातकशूलसां. शिनसां. महिनसां. जिकमिसवा नथ डाल. डलपालया नहुं शरव
मइ. शमाणापिना. देव नसू. यानसू. खविद्या डमनडा. ग्वक्र. श्री नामवन्दयायनि देवः
नंति नाडा. वन बाहूयाडा. भ्रनगइ ४खसियाडा. वानमात. हनं श्री महादेवयामनि ॥
नं देवनः लिनाडा. कालकूटनूयाडा. निलकथरूयाडा. वान. हनं युधिथी वसमा
नधर्मा. सा बाजा भवमइला. हनं वली बाजा डसमानप्रनायि भवसइला. हनं गर्वा
मडासमानधन्ध. भवसइला. थथिरक्र देवनायामनि देवनलिनाडा. महाभ्रव
छानयाडा. वानः. आडा. जिनं पूर्व. ज. मसपापया नामिमिरिन. थथी नक्रा थपू. नख
लान. विधाना न. त. डाधनवि. किधनमधाडा. गथधातसा. नडाधिकत. शूलं कि.
सि. चिकिचिकलं मिमीचा. थपनीसू. सू. ४षइ ४खविद्याडा. सधिया नाडा. नत. गथ

धालसा. समुद्रं उवाच न धका उ. धलपाल न लयगुयानं अपाल उयमव. रुक्म थूका
 उय उ. शमाना. पिना. समुद्र हा ना न कर्म थूका. कपाल हाडन धलपा थूका. अदिः
 कैखला नाया काम इ धक धाया उ. थन म्माव ग्वमय रुया राखा ववन नना उ. मामः
 ववूर्न धालं ॥ रापू ग्री ग्वमय. धन्यर ह्यथी नवात्त खवे भर्ष अ न ग ह न ग ह सि उ
 अ न ग य वा ना दिक थ स म ह सि उ. धन र धक धाया उ. बहि सा क्र मा चा चा ना उ वा
 नं थ न लि प्रा न का व रु या उ. सि व रु क व्र क्र ण न श ल सां. न उ वा न क ल ह्य या उ.
 जि व स म्मी या न लि त् सि धा न का उ. स खान का उ. रि न कं त हि ना उ ग ल् ॥ थ व ल
 स थ जि व स म्मी व्र क्र ण. रु नि वा न ल ना ना उ. य् ष्ठं ग रु या ल्या य क्र या थ व ल द या उ उ
 लं ॥ जा पा या सि दू वा न ल ना ना उ ग ल् ॥ थ व ल स सि व रु क व्र क्र ण नं स गि ना म क ल ना ग या

गन

कडाभधातं॥ लमुसगि आडा ग्वमय रु केन्यादानविययात मातन कोसामाग्री तालला
तकिडा थडा थिथिद कं धायकल रुडा डा धकंधायाडा थ वलस सगिनामवुक्क दीन रु
लसां ततकावनं सामाग्री तया चयानाडा॥ थडा थिथिद कं निमं कनायात कल रु
तं॥ थनं लिजिवर क वाक्क वनं रुतसां रिन २ जाटिक वान कल रुयाडा दिन सातका
डा नाना व मुदयकाडा महा मंगल जाणयानाडा सुवलास वाक्क वपनी सन चतुर्थद
पावनयातकाडा पुहितनं यरू अलर यातकाडा अरु मंगल प वृषत आदिंतयाडा
गुक्क कूमावी अ नग व लमनि मादिकया आर वनं गियकाडा य रुयाहुडा नतयात
लेहने ग्वमय रुयात नाना व मुने पूनकाडा वलमनि मानि कयागि सानं गियकाडा
वलमा लाने काखायकाडा सुवलास पुहितनं वा के यातकाडा जिवर क वाक्क वनं

शरत्तु हननानाडाषचिचिकननैवुयकाडा॥ थडापयूरुयंकाडागले॥ थवलसजिव
समैवाक्रधनै॥ ज्वमयरुडानापनानामाथनैराग कामकीजायानाडा॥ गाकालैमहा
सखनैकालहनाडाचानै॥ थथहुंताकालैदयाडा॥ रुद्रादिनस॥ जिवसमैवाक्रधनैधालै
हाएयगाकाचैदगथनचाना॥ अशिसबीलपूरुहल अडाथनचानानैनिस्मावमरुडा
गाकाचैदगथडाक्रुगालगाडागया॥ अडामामववूयाकवैलाइानचकधयाडा॥ माम
ववूडाकलागपनिचानेधसडानाडा॥ जिवसमैवाक्रधनैधालै॥ हागापिगा॥ अडाकिथ
नचानागाकाचैदग॥ जिदेसगथरुडाषसुनानैविचालयाकेमइधनैजिनवलावि
सविष्कारुनधकैधया॥ थनैजिवसमैनयारवडनाडाववूमामनैधालै॥ हासिवजमैजि
लवाकसविष्कारुन॥ अमत्यआह्लादसाविष्कारुमनथनचानसा॥ अनचानसाइलपान

याक्रमवृत्ता॥ अथसंयतिरुल्लसालयामवृत्ता राजितवाहारा॥ जिपनिसइसईला॥ कायधल
 सांकाचधलसो हलपालहृत्तयुका जिहंसइत्यनयाश आनंदनंवा नाशोपगुहृत्तपा
 लविष्काय अयमनंश हलपायाकस॥ जिनेसागक ह्यय हृत्तपालविष्कायममालधक
 अयाशोथनसमुवापिनायावचनदुनाश॥ सिवसम्मिनधले हापिनाहस्यविः
 काहनजिनगनधयमन जिशनाधक लिहमशायमवृत्तुका॥ निलापिलायाषा
 लमवृत्ता॥ जिहृत्तस्यारुसानधान हंसकृके गत्यरुशो विवावया नाशो नकात्र
 नलिहोशाययुका जिमामववृधाल॥ ॐ मिश्रदवगुत्र हृत्तपाल नयमदनकाश
 नशोहृत्तपाल कला नमदकलान विद्याशो नशोहृत्तपाल॥ जिहृत्तका अनस्य
 खालस्वयाशो वाने थनेननायावमवृ॥ निलापिलायारयालथुका॥ निलापिलाधयागु

घलद्धि नीघद्धि अनाथ्य अनिडा थूका थनन आडा जिगगन धायमन वरा विस विष्काड
नेध के धायाडा ॥ थनन जिवस याव वन रु नाडा ॥ ज्वमय रु नंधल ॥ हा स्वामि हल पाल वि
झायमन हल पाल मदय काडा ॥ जिगथ वा नमिस जानी या पुत्र वि नान गनिमद
निज्वयन हल पाल विष्काय रु लसां जिन नापंडी यनिज्वयन ध के धायाडा ॥ थनन ज्वमय
रु या हा खन नाडा सिव जमीन धल ॥ हा य ज्वमय रु हून आमथ धायमन हून धल सा
हम वा या स्वा हा तिनी हन हवा ना डाय नैयान ॥ जि रु स धन संपनि दमषू जि न हून काडा
तय थन रु न ऊस ॥ यया २ गुन यड हन रु रु यडा ॥ अगि कोमल सनी व जि रु पा
पाक पर्व गय माल पापना धायमन रु सडा धायमन रु उमडा धायमन रु चिक धायम
न रु महाक रु न डा नमाल ॥ थथिद लस रु गथ डाय हन सिह ॥ य्य धु हा लूड् ल्यादि

नाना जं तु या रयइ ध व ल स रु श जि श वा य मा लि डा ह न रु डा य म रु ण म्ही
 ध न न रु डा य धा य म ग ध न मा म व वू या स्य उ म या ना डा वा डा जि न नान न डा य रु रु
 ता स वा य म ग ऊ स रु क ग थ रु डा सा या डा जि न न न रु न र वा ल स्व ल डा य थू का
 जि आ ग्रा ह ल सा रु न कं थू का ध कं धा या डा ध न पू नू र व या हा खा न ना डा ग व म य
 रु न रु ल सी धा लै ॥ ए सा मि द स्य वि क्रा रु न रु ल पा ल म द य का डा वा धा लि स रु
 ग ध प्रा न न कं म प ॥ ए प्र ए रु ल पा ल या रु स ध न सी प ति रु सी म द म सा रु ल पा ल
 स न रु न ल डा गु रि जि न न य रु ल पा ल आ न ला न सा जि आ न ला यू रु ल पा ल या रु ग ति रु
 डा गु रि ग ति जि रु य डा रु ल पा ल याः स र व नः जि रु स ॥ रु ल पा ल या इ र वः ए सा मि ल स ना
 ना जं तु या रयइ ध कं ॥ आ हू द य क स्य वि क्रा रु रु ल पा ल द स्य लि जि रु या रय प र्व त ग

यमालसां चिकु रुसी ॥ नापथि नसी रु स शाल सी नाना इ ख रु ल सी नापश न द ग सा
जिम हास भव ला पू वृषा डि द न ना श रु ल पा ल मी स ख रु य अ थू का रु ल पा ल स्य न
जि क जि न श ना श न थ धाय म न थू गुलि पान प व का च नी नि ज्य न सी स्या ग
सां रु ल पा ल या सी सर्ग ध के धया श ॥ थ ग मी ग्व म य रु या व च न रु ना श ॥ जि व स मी
न धाली हा ए य रु न अ म थ ह थी या न का हा जि न रु धाय आ श रु न व वू मा म
या क व ला नि का श ध के धया श थ ग पू वृ ख या आ स्या न ना श ग्व म य रु न रु ल सा
मा म व वू या क व ला रु न हा मा ना पि ना आ श जि स्वा मि श ना पेश न व ला वि स्या वि क्रा
ह न ध के धया श थ ग पू गी ग्व म य रु या व च न रु ना श मा म व वू न धाली ॥ हा पू गी ग्व म
य रु रु न अ म थ धाय म न का य धाल सा ॥ जि प नि क्रा थ जि थि श ल आ सा ए ना सा

साक क तयशाना कायधासांकाचधासी ॥ कृ दश हापुणी कमयदयकं थ
 प्रानल्लनिश मषू सनानलहिनाडा तयडा सनानलखकया गानकिडा गथ
 वदमासइ बाणीथ चीनथ अथ अ धंकारुल ॥ ह न गथग्री नामचदया सिता
 मदयाडा दस वध बाजान पावता लताडा स्वर्गवासडा न अर्थ कमदतनाडा शिप
 निस चलकि सदा थ प्रा हल निश मषू हापुणी शिपनी सडा नाडा थ धनसंपति
 मिदानयानाडा इ थपू थनयाडा आनंदनैडा क नल्लन निल्लापिलाया रत्न
 नानैडा य थ गजिबीनपिन क मालधर्क अ नगपुका व ही विल्लपयानाडा मिखा
 नैखा विहायकाडा म्मे चैयो केविनेतियोतें जिन्न का वी नम्रैवानाडा अ नगपुदार्थः
 अ नग व मु क पि न ह या डा निम्र क विल्ल ॥ ह न हि क र व मु न गिय काडा मनिमाः

सि कया नि सा नंभिय का डा रु या नं ह या त्थ आ द व या ना डाः अ न ग व ल म भि त्थ
ले वि या डा नि म्म म्मी पू व र्व इ ति स थ दा डा ध्वा का नं ल स ल अ ना डा सि व रु क्क वाः
म स नं इ ल सां इ त्या प नि स क्क डा न धा लं हा इ त्या प नी जि म्म र्व जि ल ल स रि न क स
या डा य डा ध क धा या डा रु नं जि ल वा म्मा व या ह डा न धा लं ॥ हा सि व स म्मां ज व म य ह ल स
स या डा ह नि ॥ इ प नि स न जि ल म न मा ल ध क धा या डा थ न पि ता मा ना या व व न न दा डा
इ ति नं का हा डा या डा नि म्म म्मी पू व र्व स न पि ता मा ना या व व न न स हा क पू या डा ध लाः
का या डा इ ली स द दा डा नि म्म म्मी पू व र्व डा नं ॥ थ नं लि जि लं म्मा व ल मा ल अ ना डा स व नं द
ग म्म मि र वा लि म का स्य स या डा वा नं र व म म द या डा मि र वा न र्वा वि हा य क डा हा य पू कु
हा य पू कु ध क हा ला डा सि मा ग या डा ॥ नि म्म म्मी पू व र्व स नं सा या डा वि हा य या ना

डावानं थवलस-देवयाडाग-सिमायाक-वानवक-हिलाडा-सिमानंकृतिनंशयाडा
 भिवरक-वाम-सतिनामवमृती-निम्न-एथीस-गडा-अदुनंकृतिनशयाडा-नडा-
 वनं-हि-कायाडा-म-रु-रुनं॥ थवलस-महादेवयाद-गपनिडायाडा-रिगु-विमानस-गयाडा
 गधर्वनी-सनम-हालक-अप-सलापनि-सन-वाम-नं-गयकाडा-अन-गवाय-थ-ग-का-दिव्य
 द-रु-रुयकाडा-पू-न-वा-द-ग-रु-वा-स-म-म्या-ल-काडा-के-रा-स-प-र्व-न-स-थ-न-य-नं॥ थवलस-सि-र-
 क-व-म-स-ति-ना-म-व-मृ-ती-नि-स्य-नं-ग्री-म-ह-द-व-पा-र्व-न-नि-म्न-स-यौ-व-न-सं-श-क-पू-या-डा-
 प-म-भ-न-द-नं-ग्री-म-वी-सं-क-व-या-स-डा-या-डा-वानं॥ ॥ थनं-लि-मि-व-स-मी-वा-म-ल-ग-व-म-
 य-रु-नि-म्न-मी-पू-व-र-व-रु-नी-द-ना-डा-अ-न-ग-र-व-रु-ना-डा-डा-नं-थनं-लि-ल-हि-वा-ल-हि-या-ल-
 इ-व-व-नी-क-व-स-थ-ना-डा-अ-न-ग-व-न-क-रु-स-या-डा-अ-न-ग-व-रु-ल-ग-स-या-डा-रि-द-र-थ-स-

वासयानाडा नानासिसा रुलमूलनयाडा नानाप्रका वननिष्क मृपू वषया षष्ठानानाडा :
अणिहर्षमानयानाडा नाना धनलिच्छयादिनस महा इर्जवनीन वसलानाडा वाणीरुयाडा अ
नीवासयाना **थ**वलस श्रीमहादवया उंम वृधं विया गुपन ज्वमय रुया कसवाका **जिवसमी**
या कं वा कं मा मववूर्न वियाडा हडा गुधनदकी चाक्ष सखूडायाडा खूयाडा यनी **धनी** लिप्राण का
वहूयाडा कलनचायाडा खडा वलस थडा १ कसदकी गिसाम इ मा मववूर्न विया हडा गुधनम इ
थसायाडा हाहाका वननिष्क मृपू वरवने पायाडा ज्वमय रुनरुलसी इत्या तसक डान धालीः
ए इत्यापनी आडा गथयाय थनिया वाणी सपापी छ वो वडायाडा जिपनी सधनसमर्क खू
याडा यनमि जी सधलसा वाडा एनयानि मिर्निन कलनमचाडा आडा गथयाय धिकीर
जिपनी सकर्म ए इत्यापनी कपनिस्फू नकाडा यन आडा कपनिस्फू निधक आडा

जि ननक मरु ता विय मरु न थथी न अरु गध जि रुल जि नी कू या य हा इत्या पनी मा म व व
 या क जि पनी मरु धर्क धाडा जि पनी नि मरु स या ए खाने स्य डा या ना डा हल धर्क धाडा
 जि मि क रु रु क स म रू क डा थन थन रु को ख थन का डा विय माल रु पनी रि न क स्य
 या डा हु नी ध क धा या डा थन ग्व म य रु या आ रु न ना डा इत्या न स्य न धा ली हा मा रु :
 आ म थ आ रु न द का डा जि पनी डा न ग ला व ला वि हु न रु ल पी ल इ ख ता य म रू धर्क धा
 या डा नि मरु मी प रू रू वी मा व ज न सै रू क पू या डा व ला क या डा च्या मरु इत्या थ गुरु सि
 थ स गाल ना डा स्या हा डा नी थ व ल स ग्व म य रु नि मरु मी प रू रू वी अ ए न इ ख सि या डा
 म हा क व न या डा डा डा रू हिल ना डा प रू वी न थ हा का हा रु या डा हिलि का डा सिसा रु ल
 मूल न या डा डा डा रू रु रु या दि न स म हा उ व रु या डा चा गु प रू वी न ग या डा डा नी थ थाय स ली

खं मइ. सिसा कुल मूल र्क मइ. वल्लू हुने. पर्वत थ थन काश. मास काल रुक गयाश
वाने. थ वल्लस गामय हुने रुल सी धाले. ए पुर दस विष्का हुने. जि अति पिपाग. य्याः
सचाल. गन कायाश. खख एति नान किशः हुने शिस वी बइ. काय मरुत. असाम थ रुला
आश थ पर्वत न काहा शन मरुत धर्क धायाश. पर्वत या चासी गमल गुलाश वाने नाः
गिनिने स्वास नय थ स्वास रुक गयाश. थ वल्लस जिव स मी वा कृ धने रुल सी. ज्वमय गम
ल गु लाश वाने खनाश. आश गथ या य धर्क मनस. चिगल पाश. वाने. आश कून कल
ख गन कयाश गान क. थ पर्वत स र्क मइ. कुल. मूल मइ वृ कुल ती मइ. आश जि नरु
न काश या द. थ म धालसा थ थी द काथः शया धालसा मवी बइ. थ थी न क. मन क.
स ग थ यन. महा अनर्थ रुल धर्क धायाश. महा धंदा कायाश. कला न या कस पवि २

या नाडाः सितसर्मा ब्राह्मणन धारुण एव यथथीनपर्वतया वासवा नाडाः यथथीनथाय
 सलैखगानदयूडाः वृत्त रुनीका हाशाननूयाः लैखसिसा रुतमूलः रिद २ गुदधूडा
 एवयमीजीस कुणापाक मषूतथनिनवृत्त रुनीशाननूया एवयदडा २ यथथीकुरुसडा
 थासः आसथ चा नमगडा चक धयाडा ॥ यग पूवूषया आरुत न नाडा गमय रुन रुतः
 सी महाचिर्जया नाडाः वृत्त रुनी कथनकलशनी ॥ अवलसपर्वया कसथ नागाहिलि
 नाडाः सिसा रुतमूलनका डा रुफ रुय कलखगाना डाः थास २ माडादिनाडाः जिव
 सर्मिया कथनकलशनी ॥ ॥ यनीलि थडा कसथ नाडाः माडादिनाडा ऊडा रवडा स्व
 या डा चानी ॥ यथिन क धालसा रुशान अवलमायावनः लिशानकलिलमायावनद
 थ सः शीया चासं ग्वया डा गया रिखा ऊमाखापि पानैर नाडा चाडा निगजाडा ऊषव

नैपल्लिचिनाडा तया ॥ चद्रुजाति ध्यानाम नग नयावाहितसदय काडा तयाजिवसमीयाऊ ॥ थः
ऊरवनाडा ग्वमय रुने मिखासषाविथयाडा वव्याऊ नूमनाडा मनस अणि विलापया नाडा कया
यजि कवर्मासथ थं रुलधर्क एलपाडा ॥ इथ पूथ नयाडा चाने ॥ थनील्लिऊरुयादिनसजिवसमी
न रुलसी ॥ ग्वमय रुयाऊ डान धाले ए वरु धी आडा जिनेप चद सहा रिऊरुान डान ऊन रु
लसा ऊसरिन कनिदानयाडा मी जीस ऊसरवर्बर्क मड ॥ वरु कर्क मड हने ऊन गरस ड थ थं
मचावूलसा गथयाय आडा जिपूलापा चाला लेख चिनयात वयवसानहनयात र्व चिखलडा
नेः जिग वलाविडुन ऊनस जीवरिन कनिदानयाडा धक धायाडा ॥ थाण पूरु खया वचन क
नाडा ग्वमय रुन धाले ए पूरु प्रस्य विऊरुनी जिथथीन दहायावाहि वसडा नागाथाडा छ
लपालरि ऊरुान डान धर्क आहादय कलं ॥ जिसलि वथथीरु ऊस धालसा धन संपनि

मरु कि सि जा सिं मरु ॥ थ थी रु था स जि ह न या डा वा म थ न नं डा ध क आ ह द य क म नः
 पू ला पा च्या ला लं ख वि न या न व य व सा ह न या न ॥ ख र्व मरु सा मरु थ न ॥ जि डा २ थ ज ज मा
 न प नी स्कि रु ना डा ना य य या य ह नं ह ल पा ल क थ रु ल थ थी क प न द स स रि क्का रु न डा
 न म न थ न न जि वि न नि रु डा डा जि डा द या प स न रु या डा वि क्का य मा ल ॥ थ न जि न स या ह ला साः
 न या न रु स्व मि स ह स का टि जि वि न नि ह नं रु ना डा न धा ल सा जि स वि ल थ थ ची रु म व
 मु आ ह द य क थ वि क्का य म न थ कं जि व स म्मी या रु नि स रु क प या डा थ गु लि पु का न न
 थ गु लि पु का ल न नं वि न नि या न ॥ सि व ज म्मी न वा ध म रु या डा ॥ ह नं ज व स य रु न या रु डा
 न जि व स म्मी न धा लं ॥ रु ए य रु डा ह न अ म थ धा य म नं प बी पं च स ला य क मा ल जि
 डा ना ध कं गां वा न म वू ल हि नं थ न क न डा य थु का ह रु ना स वा य म नं ह नं थ च न्द्रः

काटिभगवसपेम्क्याकृऊऊमानसिजिसदशथूक॥थपनिस्कृतिक्काहानाशनडा
जिननानंशयथूका॥जिमध्वकाडा॥रवायाडावानमनधकंला।मयकृकालपाडा
हनासखूतापावालालखचिनयान।वयवसाहनधकंमनंरालपाडा॥पचदससहि
काहानशनधकंशनंथनंलिदभरपनिहिलाडाःमहाकखनयाडाःरिक्काहानाडा
रुनं॥थनीलिकुरुयादिनसजिवसमीव्राकृधनरुलंसी॥नायिनरुनंकासिडायाडाभा
डादिनाडाःदभकगुलित्थयकलंथदसयासमीपसगीगमहानाडाचानं॥थगीगयासः
मीपसःकाथजिथिनिक्कवसलपंचाकइथथयसअनगसिसाकृलखानदयाडाचाक
थथीगुमनाहवरुनस॥सिवसमीव्राकृधनंस्वयाडाअगिवसगायाडाथगुलिथानस
थनकलशानगसस्नानयाडाःसंधानपनिधूनकाडाःदगुलीयायधकमननील

लपाशः ॥ अथाथजिथिचानः ॥ असमसशानाशः ॥ सिमागयाशः ॥ खानखायधकंथाहाशोनीः
 ॥ अथलसदेवयाजागनीसिमाकचाचकहिलाशकूठिनशानाशः ॥ शिवसमीवाकननहिला
 याशः ॥ अथरुयाशः ॥ अथरुननयनी ॥ ॥ अथनलिग्वमय रुनीरुलसा ॥ अथगविलाप
 यानाशः ॥ अथनलिपूलापाव्याला लेखविनन सनी ॥ शिवसमीवाकननहिला
 मडायाशः ॥ अथगककनयाशः ॥ वंदुजातिनगवस जजमानपनीस्कहि
 काशानाशः ॥ गुलिनवाकनयाकमीयायमालः ॥ अथमकीनथाकमीयानाशः ॥
 अथनलिमिलासैपूरु रुयाशः ॥ अथावावूल ॥ गथीकवालखधालसा ॥ अथगसंदवः वः
 रिसव रुनीसीरुकरुयाशः ॥ अथाकसमसै वाकननयाशः ॥ अथरुयाशः ॥ अथाकपुजाग
 रुनी ॥ अथथीकवालख अथगवमय रुयागर्हनी जाग रुयाशः ॥ मनस अगिनी आनंद रुयाशः ॥

क्रीतार्थं॥ मिमिक्षन् वनकाशः चंदुर्गादिनगवसचा द॥ गाटिकव्राक्क क्षपनीवानकलकायाश
नामकर्तुं यात कर्तुं थनलि गाटिकर्न आह्लादयकलं एवक्क नीश॥ थवालषया नाम नववा
ऊधकं नामप्रगातिशयशः हर्न थवालखनकसप्लिथकायिशः कूलपालयातं अग्निमान
यातकयूशः हर्न थनववाऊतशः संपदविलानाशः॥ वाजालं शयूशः धर्कं गाटिकपनीस्यनीधया
शः थन गाटिकयावचनदनाशः मनस अग्निहर्षमानयानाशः ऊऊमानपनीस्क ऊनानाशः तथा
दामर्नः ऊयाथ गाललाककाशः इथपूथ एऊनयागकाशः थमं ऊऊदक्रिष्ठावियाशः वला
वियाशः ऊतं॥ थनीलिग्वमयऊनशलसी थवालखनिदानयानाशलहिनाशः तली॥ थनीलि
ऊऊमानपनीस्क ऊनानं कपास ऊऊकाकयानं इथपूथ नयाशलहिनातली॥ थवलसना
ववाऊवालख शलसी॥ ऊऊयऊयाचंदु माथ कथार्थं गशधिकलशयाशः शली हर्न एति

ल. समस्त. कस्य विष्कारु न धर्कं ध्याता ॥ अथ जजमानपनी सहाखा कनाता. ज्वमय रुन शलसी धाली
हाहा रुपनी कस विष्कारु न ॥ जि कायया ववा हा वषनाता. जि मनस आनंद आता. कि स्क वसन
हृदि पायाय वल शल धक उजन दय कल. सूया रलो सीन याय. सूना न चिना यायूता. ऊस धालसा
नयया न साम इ ॥ कि स्क वया दयान किन रु पा लन याता चाना. रुनै रु धालसा धर्पि न हिरवा रु
सूना न जि कायया न के न्या दान विद्युता. हा जजमानपनी. जिगी असामर्थ. कि स्क वसन. अथ मचा
यात जस्थ निर्वी हा शल. अथ यास्य दिस न्य. रुनै हृदि जायानाता विद्युता. लिपा न सनि नै रुन
काता नय. हाहा रुपनी. जीथ थीन अस्मा धक. मिखे नै पावि हाय काता. जजमानपनी स्क विनिय
तै अथ ज्वमय रुया हाखा कनाता अगिक वृक्ष चायाता. जजमानपनी सन धाली हा वृक्ष धी रु. न
स विष्कारु. रुल पा ल अमथ हा स चाय मर्तः जि पनी मइला. मा ल का सामागी. जि पनी स्पनी दक

हर्मनीनककु द्वाशावियः लावृक्कु दीश कस्यविकारः कुलपालयाः एतिचाशयूडा क्तिपनीस्यनी
 सायाशातयधूनः अत्यन्तपमसूदनी ववृक्षपवधायानामनगवयाः अग्नीस्वामिधायानामव्राक्त
 धयापूणीः चडावतिधायानामवृक्कुनी दीशकुक्कु कुलपालयाकाय यातकन्यादानवियः निम्नय
 शूल हर्मनकाशातयमालसी गियकाशातयमालसी जिपनीसनतयः कुलपाल धंवाकाशममालना
 त्वकासामाग्रीः आह्लादयकस्यविकारः हनधर्कधायाराः थतशजमानपनीसयाः मधुववाक्कुननाशा
 मनसः अतिहर्षमानयानाशाः गवमयशनशूलसीधर्क लाणशपनी धन्यशुक्लवपनी जिखनाशातश
 धनदयादयकल धन्यशधकधायारा मालकासामाग्री थथशमालधर्कः समसकनाशाविली ॥ थवलसः ज
 रमानपनीसनथिथिसाह गियानाशाः गवमयशन धर्कसमसकासामाग्री ताललाणकाशा नवजाजवा
 क्तिधयातः ववृक्षपवनगवया ॥ अग्नीस्वामिवाक्कु धयापूणी चडावतिवृक्कु दी कन्यादानविली ॥ थ

वत्सल गङ्गा मानपनी सनः पद्मः चाम्पकः वाम्पकः पानी पूजा या नाशः ॥ दक्षिण विया शांता जनयात काशी
कूर्तः धनीति नव बाज वाम्पकः शलसीः गङ्गा मानया रूपानः ॥ हृदि पात्ता कृता आनन्दुनी चान्नी
धनीति कुर्यादिनसः नव बाजन शलसीः मामया कृता न धालीः ॥ मामा मरुस्य विष्ठा हन कू धालसा
जिम्फि गलश्या वत्सलः वेद गति भगया पासा पनी सनीः ववूम इ मचा डाल धर्क हाग डालः ॥ वत्सल
सजिन अर्थ थ थ धाय मरुयाः ॥ मामा जि ववा गन डानः ॥ देनी लाम दगलाः गन विष्ठा तः ॥ धन
समस्त आह्लादय कस विष्ठा हन धर्क धाय डालः ॥ धन नव बाज पूगु या राखान नाशः ॥ जवम यश धालीः ॥
पूगु नव बाज कृताः ॥ कन ववू या ख कन कृपा थ स इ यत्नसः ॥ पूला पा चाला लीख चिन या त वयव
साहन या त वम म दया डाल प न दस मरि का डान ध क डान कः ॥ कथ पाय धि कल शलः ॥ आश गल
लिहाम विष्ठा कनी सिगलाम्बा कला गन डान ग ध चान जिनी मसियाः ॥ पूगु थ त जिनी मसिया ध

कं ध्यायाः ॥ धनवचनकनाडा ॥ नव बाजत्राक्त धरुलसं धालनं ॥ एमाम अमथरुलनाडा आडाजिव
 वाया उपदह सालानः ॥ जिथथी क कायदयाडा चानाया ॥ बवाया विचालयाय ममालना ॥ आ
 डाजिव वाया ममालाने असरिन कनिदानया नाडा ॥ आनंदन विस्कारुन ॥ आडाजिडा नगल
 बला विरुन धर्क ध्यायाडा ॥ धननव बाज पूगुया षडनाडा ॥ ग्वमयशन धाली ॥ ए पूगुनव बाजः
 जिरवकडा रुन अमथ धायमन कान धालसा रुन ववाम इया इ ४ रव समरु ॥ रुन रवालसायाडा
 इ ४ रव नकाडा चानाजि जिडाया आ धा वरु रु क दनः रु मदत नाडा ॥ जिपनी रु अवस्का रुयूडा
 रुन रु मदत नाडा ॥ वंदु माम इ बागिथं कनिडा रुन रुन कलात ॥ वंदु वगि रु मदनाडा चानि
 डा मष ध क ध्यायाडा ॥ धनमाम आरु क नाडा ॥ नव बाज नी धाल ॥ एमाम अमथ धर्क आस
 दस विस्कायमनः ॥ आडा नह्यः सितः ॥ न्वा कंत सिय क चाने लाः ॥ विचालयाय ममालना

शमामसिगसाकचषून्विचालयानाडाया॥मकसाडिडानापंधानाडाहय॥कायमा
चादयाडाववायाविचालयाम्बालला॥विचालमयातसा॥नवकवासशयूडा॥थननववा
याविचाचयायमाल॥आडाडितगनधायमग॥आसिबीदवियाडा॥काडान॥सइत्यः
पूथनयाडा॥हीलीचायारबालस्वयाडा॥आनंदयानाडाविक्राहनधकधयाडा॥थननववा
डापूगुयावचनकनाडागमयशनधाली॥हापूगुनववाडाधन्य२॥॥नववूडपदस
डानधकधालनाडा॥डिनथगन॥॥धकनववाडयामालस॥लाहागयाडा॥थडामूलसः
रुकगुणकाडा॥उवमयशनशलसां॥आहादयकली॥हापूगुनववाडा॥॥नागुकार्यन
नानीसिधशयमाल॥हनलनिविद्युशयमालकनववूशयावीरु॥सिगसी॥म्बानसी॥तण्काः
बनील्यमालधकी॥नववाडयामालस॥हर्षरवाविहायकाडा॥आसिबीदवियाडा॥माल

समस्तं आह्लादयकस्य विष्काशनं धर्मं च यातां च गजमयश्याणवा दनां सफ आषिष्ठः
चर्नं आह्लादयकस्त्रीणां वृक्षं लीशं हिनकं अक्षिचिह्नं यातां नानां सगजगस हमात्रपधः
नयाका चः श्रीमहादेवपूज्याय निमित्तिनदकावर्त्ति ॥ ५ ॥ धर्मवर्त्तियानां
श्रीस्वस्त्वानीपवमस्वत्त ॥ ६ ॥ धर्मवर्त्तियाविधिपूर्वकनकनं लावृक्षं लीशं उक्तं ननु कस
नयानां नानां कापी पोरवशुक्तया पूर्वमासिकं वृत्तं आह्लादयकं धर्मवर्त्तियानां
नसीपालमात्रक्यातां यक एक यातां लीशं श्रीमहादेवपूजायाय धर्मात्रेमाद्यं नुक्तं
यापूर्वमासिकं धर्मवर्त्तियानां सगजं च्यापा अथिगमाधिदयकं सगजं च्यापा उक्तं प्रका
सगजं च्याग्वलं अक्तं सगजं च्याह्लादयकं सगजं च्याह्लादयकं सगजं च्याह्लादयकं
सगजं च्याह्लादयकं सगजं च्याह्लादयकं सगजं च्याह्लादयकं सगजं च्याह्लादयकं
सगजं च्याह्लादयकं सगजं च्याह्लादयकं सगजं च्याह्लादयकं सगजं च्याह्लादयकं

१२६

रुल ॥ नानासुगंधस्नान कस्तुब कर्पूब गामूल ॥ पक्कडा न मूरव सुदि वस्तु दक्षिना
 थमनं रु या थ गाल लान काडा ॥ महासुचिया नाडा ॥ एकि सु दानं संत कश याडा ॥ श्रीस्व
 स्थानि प जमध्व व धर्क कस्तुन उका व चास्य थापनायाय ॥ ॥ धनं निगंगत लन स्नानः
 यागक ॥ षाद स उपवा चनं पूजायाय धनं लिखारवन द्वाय ॥ दन दत्त सा ननक नदमद
 नसा थमनं लाय ॥ थमनं नन रु दाडा चाना ॥ नन नक गडा मिमाय कल थ यागं नक
 गडा थ ग धून काडा अर्घविद्य वस्तु दक्षिना द्वाय थ ग धून काडा उपधानं गी नृयाय
 थ ग धून काडा श्रीस्व स्थानि परमं ग्वलिया के ॥ आसिरवा इने थ म ननं हू का मना
 या नाडा गुलिका मू व न दान थ ग धून काडा स्नान का का याडा थ डा कस्तु नाडा ॥ अतिष्ठि
 अथिगमधि थमनं पालन याय थापा अथिगमधि थापू रू रू मका ॥ थापू रू रू अरू रू था

१२६

शूलहाललखन. व्यापातगबल. व्याकटगबल. अतसगबन. सहि ननंदयकाश. प्रचखलशा. का
य. प्रचषमइसा. कायलशा. काय. कार्यमइसा. लायकायलशा. लाय. लायकायमइसा. थडा
मननैक कामनायाना. उगुलि कामनापूर्क शयमालधक. धयाश. धसिसवयकलकाय. ला
वक्रुली. धवलसकनमनाथपूर्क शयडा. थका. कसंदह कायमन. धतली. स्वस्थानिपजम
धवधर्मवृत्त. कनधून. आडाकन. धगुलि धर्मवृत्तदडा. धवलसकनइ. खदवीदनासह.
याडा. गडा. धनपदवी लायडा. मृत्पु. शयाडा. नसी. केलासवासशयडा. लावक्रुली. धतपार्श्व.
मिनै. शुभहादवप्रचषलायनिमिरिंदकागुवरु. धधर्मवरुयापुणवर्नगिनि. शुभहादव
प्रचखला. लावक्रुली. धधर्मवरुयाविधिपूर्वकनैकनधूना. आडाजिपनी. नतला. वला
विहूनधक. आहादयकाडा. धतसाधिवय. आहानैनाडा. मनस. अतिहर्षमानयानाडा.

गवमयश्नश्नलसां धाली ॥ ॥ एतस्मिन् च धन्य २ कलपालया कृपानं थथीनप् धकथानन
 धनी धन्य २ कलपाल जिपापिनिखनाश दडा धनदयादयकल एतस्मिन् च कलपाल
 यवजनसं काटि २ नमस्का एतस्मिन् च आशजिपानि असविष्कानाया कृपाशनायायः
 जिपापिनिशया शयाना एतस्मिन् च जिपिनिमि दडा एतस्मिन् च लम्बायास्याविष्का इनध के
 धायाश ॥ नुटसवा कक गृकगायाश उमलदायधकपिहाशाने धवलससफ शपिनश्नल
 सां गवमयश्न प्रहादबीदुरवनाश सुवर्ध्याको जीकस ॥ उवल कपगियाकलसकयाश असक
 शपिस्वर्जथाहाविष्कारं ॥ ॥ एतस्मिन् च लिङ्गपूजा कदावरव लुमाद्यमहात्म शिखर
 निवर्त गवमयश्न धर्मउपदसवाली असकसमह ध्याय ॥ ॥ १८ ॥ धनीलिङ्गवमयश्न
 कलसां चद्रुकाटिनगवसइहाशानाश उमलवनिजालयाइशानधाल हाउमल

१२७

१२७

वनिथकगुकहुयाजिनगबलविडाहनासइल. जिऊसअपिथवविष्ठागधकंधायाडा
थनगवमयश्याताखानेनाडा. गबलवनिजानेनधाले. हावकुमीश. दडा. मिगयाजाः
गिस. दककनकपनीशयाडा. जिऊदकगबलजानकाशयन. आडाकपागनापमदन. क
लपोलपयात्मशलसा. थथलससाडाधकंधायाडा. थलउलाडाकन. थवलसगबलः
पिवाकपिवादयाडावनी. ॥ थसायाडा. गबलवनिजालनेधाले. लकावायाडा. मनसराः
लपले. गथीनअशुय. साडा. मिगयाजागिसदकगबलरुनकमियाडागया. आडागब
लजिगेदयाडावान. कसगुशल. जिमिगेलाकंगुमनशलला. हनेथवकुमीन. जिऊस. सः
पिथवविष्ठागधाल. थऊअपिथनाकयापुहावनलाकधथशललाधकंधायाडा. मननविकल
पागधाले. ॥ हावकुमीशधन्यकलपालयागध. आडाकलपालसनेविषिथवयागः

धक. उबलकागुंछन. ठासपा लपनिसु धयानिमिरिन. मइ. उबलंदयागान. धन्यरुल
पालया हाजधकै धयाडा. कठुकमकास्यं. डायामालकाग्वलवियाडाकारं थनलि
ज्वमयइनइलसामनसुहर्षमानया नाडा. उबलजानाडा. हुनै धकठुकया. ज्वबहिलाडाय.
न धकै. हा लपाडा. ज्वचवनिया कडान धालै. हावनियाइजिन धकठुकठुकया. ज्वबवि
डा धकै धयाडा. वनियाइन धालै. हाज्वमयइ रुन. अपूर्वने ज्वबकागडाल. ज्वबएपस
गला. रुलपालयाज्वबएपक कइला धकै. वनियाइनै रवा लने न्वाग कलै. धवलसज्वमय
इन धालै. हावनियाइ रवा लया. यमग. हासइल. जि रुस. सफ सपिड ध बविकागका
डागया. ननानै विडा धकै धयाडा. धन ज्वमयइ या हा रवान नाडा. वनियाइनै धालै. हा.
ज्वमयइ. क्रि गया. चाणी सदकल सक बडायाडा. जिकद का ज्वबडागका डायनै. आडा ज्व

वक्तुं ज्वलनापि मदनकं पत्न्या लमकृतसा. थथलससाडा धर्क धायाडा. जववया थलकनै
थवलस. जववज्जिवास. जववपिचिपूर्व श्याडा थलस जायाडा वान. थसायाडा वनियाडा.
आश्चर्य्य वायाडा. मनसहालपलै. साडा २ गधिने अहै नरुल. जि गयावह निस. दका.
जववमियाडा काया. कृतकाडा गया. आडा जववडिगै जायाडा वान. थक् हगुइल. हुनै जिम
नसलकै. एमलशला. हुनै थवसुती नै इक्किइस. सफ बिधि थवविष्काणकाडा गया धर्क
धाल. थअबिधि जववयापु राव नै लो कै थथरुल ला धक मनसहालपाडा. वनियानइलसा
जवमयइया कडान धालै. ए जवमयइ कलपालस्यन. सफ अविध जयात जवव कालविष्काण
आडा. डसपालयाग धुयानिमिर्दिन. मइ जववदयाडा वान धन्य २ कलपालयाग धधर्क
धायाडा. कगुकमकास्य. जवमयइयाग. मालका जवववियाडा कानै थवलस जवमयइ. अ

नि वसनायाः। उवम। उवम जानाः हनासर्न॥ थः। उथ न कलः। याः। सा। वलसः सफः। अषि
 मदयाः। वानः। थः। सा। याः। मिः। वानः। खावि थयाः। अतः। गमा थः। नीविलापयानाः। मनः। सहापलः
 हायः। जिगः। थिः। दपापिनी खनः। जिगुः। लाहागिनः। सीषे। अत्रयाः। पाः। नायायधर्कः। मालपा
 नः। मः। जिगः। मधिकाः। जिथः। थिः। दपापिनी खनः। जिगुः। लाहागिनः। उवम। मः। सहापलः। सविः। आतध
 कः। कूयायजिकर्मथथानः। रुलाः। एयाः। मपालयायधर्कः। नानामा थः। नीविलापयानाः। थः।
 थः। थमनः। धिः। कूयानाः। पुः। रिः। कायाः। वधुनाः। वानः॥ थः। वलसः। कपः। गियाः। नलसः। सुवर्ध
 याः। कीः। चीकः। सगः। वलनयाः। गथुः। खनाः। मनः। अगिः। आनंदः। याः। नानाः। याननः। सफः। अषिः
 याः। ननमः। स्काः। चयाः। नाः। काः। पः। गियाः। नलसः। वानः। गुः। सुवर्धः। कीः। चीकः। याः। पः। अगिः। आनंदः। न
 वानः॥ थः। नलिः। उवमयः। नः। नलसीः। सफः। अषियाः। असहार्थः। पोखः। लक्यापूः। मासिकूरु

निस्य ॥ १३ स्वस्ति निप नमः धनया धर्मवरुं जानैथ कद्रु निस्यं निस्यं २ सानयानाडा ग्रक
रक या नाडा ॥ धनया कमनगयाडा महासूचि रुयाडा कायं नवनाडा ॥ क्षनवा द्या
या नाडा निस्य २ श्रीमहादेव पूजा या नाडा लद्धि नावा खन द्वा नाडा ॥ ४८ कलका निमा
निषि लाक या श्राथं थप निद्रु डा ननया डा वा खन द्वा नाडा वानं थवल सस साडा ॥ लमा
वानस्यनं ॥ ७ वम यरु या कान नं वाना डा वान सल नाया डा मवान स कलं डा या डा रि
खा रु या पि नवा नाडा ॥ ७ वम यरु नं द्वा ना वा खन द्वा नाडा वानं ॥ थवल सस मवान थि थिं न्व
नं ॥ १० पासापनि स्वडा २ गथिन श्रा ॥ ११ ॥ ७ वम यरु द्वा ना वा व प्रकान नं न्व नाडा वान ड
०० ला कं चालला ॥ १२ नं मषू वागनं कया डा ॥ सनिपान नं ला कं चानला ॥ १३ नं मषू सना नं म
षू यागला द्वा मुनं रुल श्रा डा थन वान मषू न इहा डा ननया धक धा या डा ॥ १४ रिग खा रु स

इराशनाशाम्बानसनधर्त॥राजवमयरुहलपालदुहल हायत्रकाननन्वानाशविः
 काना॥काननद्वसमसुधडाधकधयाडा थनसाडातालमानवानववनननाडाज्व
 मयरुनरुलधाल॥रामवाननडाजिनकन॥जिथथिदुइरवीषनाडा॥सफअखिज्वन
 जिऊसविष्कानाडा जिनदयापुसन्नरुयाडा॥अश्वस्फानीपनमज्वनयाधर्मवर्तजि
 नउपदवियाडातथल॥आडाजिनथूगुलिधर्मवनडानाडावाना॥थननरुनमदनसो
 थमरुइववयावाखनरुनाडावीना॥रावालखपनी॥आडाजिहंरुलमषूबागन
 कलंमषूउरुइलंमषूनेनमरुयानिमिरिर्नथका॥अटकलका॥गिलमाथपनि
 रुकनाडावीनाधकधयाडा॥थनज्वमयरुयाराखननाडा॥साडाअमानवानवस
 दिनसनयधकरुयागुवजि॥ज्वमयरुयानराकलूनाडावियाडावाखननाडावी

१२०

१२०

2469
 ASHA ARCHIVES